C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-G

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गंगा डायरी

१९८१

नाम दंडी स्वामी विमलानन्द सरस्वती

पता श्री राजगुरु मठ - शिवालाघाट - वाराणसी (उ० प्र०)
एवं
श्री स्वामी सहजानंद सरस्वती - आश्रम.
बाहरी - चरित्रवन - बक्सर - चौसा रोड
पाण्डेपट्टी - बक्सर
जिला - भोजपुर - बिहार

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

'दर्शन जीवन और जगत के चरम सत्य की खोज है। इसका मूल मनुष्य की प्रकृति में है और इसकी प्रेरणा विश्व के रहस्य में।

* * *

'भाष्यकार की दृष्टि से श्री शंकराचार्य का स्थान भारतीय चिन्तन के इतिहास में अद्वितीय है।
श्री शंकराचार्य का दर्शन अपने में पूर्ण तथा पूर्वापर निरपेक्ष है, और एक कलाकृति की स्वतःसिद्ध पूर्णता रखता है।'

* * * —डा० राधाकृष्णन्

'किन्तु श्री शंकराचार्य केवल एक दार्शनिक भी नहीं थे, वे जीवन और जगत के द्रष्टा मात्र नहीं थे, किन्तु दोनों के उद्धारक थे। वे सत्य के अवतार थे। वे सत्य के प्रतिपादक ही नहीं वरन् उसके प्रचारक भी थे। उन्होंने केवल एक दर्शन का प्रतिपादनमात्र नहीं किया, वरन् वे मानवजाति के लिये सन्देश लेकर आये थे, इसीलिये वे जगद्गुरु कहलाये।' — डा० राधाकृष्णन्।

सत्य का निदर्शन आवश्यक है पर साथ ही असत्य का खंडन भी अनिवार्य है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार २ जनवरी सन् १९८१ पौष कृष्ण ११ संवत् २०३७
रा. पौष १२, शक १९०२ फ. १३८८ ने. १९ गते

सफला ११ सबकी

वेदान्त ही संसार का अकेला धर्म है जिसने सदा सत्य के प्रचार में सन्मार्ग का अवलंबन किया है।

* * *

पं. चन्द्रदीप पाण्डेय वकील के डेरे पर जनार्दन रायजी की खोज में गया। जन्मेजय से पता चला कि वे घर हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

शनिवार ३ जनवरी सन् १९८१ पौष कृष्ण १२ संवत् २०३७

रा. पौष १३, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २० गते

प्रदोष

'सत्यं शब्द ही वेदान्त में सब कुछ अच्छा है। जिसका अर्थ सत्य और शिव दोनों है।

'सद्भावे साधुभावे च सदित्येतत्प्रयुज्यते।'
(गीता-१७-२६)

* * *

"कोई भी आचारशास्त्र तत्वदर्शन पर अर्थात् मानवीय आचार तथा चरम सत्य के एक दार्शनिक सिद्धान्त पर आश्रित अवश्य होगा। चरम सत्य के विषय में हमारी भावना के अनुरूप ही हमारा आचरण होगा। दर्शन और आचरण साथ-साथ चलते हैं।"
— डा. राधाकृष्णन

'निःश्रेयस हमारी साधना का चरम लक्ष्य ही नहीं, किन्तु हमारे दैनिक जीवन का परम सिद्धान्त भी है।'

'साधुभावना ही उच्चतम नैतिकता है।' — डा. राधाकृष्णन

'दर्शन मनुष्य के जीवन और ज्ञान के चरम-सत्य की खोज का प्रतीक है'।

'मुक्तपुरुषों के लिये भी लोकसंग्रह के लिये कर्म करना परम कर्तव्य है।'

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2
RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मनुष्य की आध्यात्मिक प्रकृति उसके व्यक्तित्व का गम्भीरतर तथा सत्यतर पक्ष है। वैदान्तिक आत्मदर्शन ने मनुष्य की आध्यात्मिक प्रकृति पर जोर देकर जीवन की समस्या के मर्म का स्पर्श किया है। आध्यात्मिक सत्ता के साक्षात्कार में जीवन और जगत् की समस्त समस्याओं का समाधान है।

× × ×

"मनुष्य की मानवीय तथा पाशविक प्रकृतियों का आध्यात्मीकरण ही एक मात्र साधन है जिसके द्वारा मनुष्य की शारीरिक तथा भौतिक आवश्यकताओं का जीवन के उ[illegible] आदर्शों से सामंजस्य हो सकता है। अपने तथा समस्त प्राणिजगत् के व्यक्तित्व के तत्वरूप में आत्मा का दर्शन तथा इसके फलस्वरूप समस्त प्राणिजगत् के एकत्व का अनुभव ही एक ऐसा सिद्धान्त है जिसके आधार पर एक स्थायी और सन्तोषप्रद सामाजिक व्यवस्था का विधान अथवा स्थापन हो सकता है।

सर्वात्मभाव की मनुष्य की सबसे बड़ी साधना और मानवजाति की मुक्ति का सर्वोत्तम उपाय है।

एक बौद्धिक सिद्धान्त के रूप में नहीं वरन् जीवन के एक साक्षात् सत्य के रूप में एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण प्रदान करके वेदान्त ने हमारे जीवन के समस्त प्रश्नों का

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ५ जनवरी सन् १९८१ पौष कृष्ण १४ संवत् २०३७

रा. पौष १५, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २२ गते

श्राद्ध की ३०

आज श्री स्वामी विद्यानंद गिरि- महामंडलेश्वर - श्री कैलाश आश्रम ऋषिकेश के अभिनंदन ग्रंथ के लिये एक लंबा लेख तैयार किया। आज लेख पूरा नहीं हो सका। अतः पं. रामजनेश जी को नहीं दिया गया। रात में तैयार हुआ। सिमरी के श्री कृष्णदेव पाण्डेय जी- सिमरी के श्री रामचरित मानसमहायज्ञ की नोटिस-रसीद के मुद्रण के लिये दे गये। प्रातः यदुनंदन पाण्डेय के लड़के को जो यहां पढ़ता है, मैंऊन के लिये कहा। दूध २४०५०८ जोड़ी। जलपान ७५ पैसे। रामभक्त को चाय। ३० पैसे।

× ——————→ × ←—————— × ——————→ ×

— अंतिम उत्तर दे दिया है और उसकी प्राप्ति के लिये एक साधन पद्धति का निर्देश का सत्य का श्रेयस्तम मार्ग प्रकाशित किया है।" ———— × × ×

वेदान्त के आचार दर्शन का तात्विक आधार और आध्यात्मिक दृष्टिकोण उसे एक सनातन तथा सार्वभौम सत्य का स्वरूप प्रदान करता है। वह किसी विशेष परिस्थिति में व्यवहार्य कोई पाप-पुण्य का सिद्धान्त नहीं है, वरन् जीवन की समस्याओं का चरम समाधान है, जिसे वेदान्त ने परम निःश्रेयस तथा हमारी चरम सत्ता के स्वरूप में चरम सत्य की कल्पना में पाया है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ६ जनवरी सन् १९८१ पौष कृष्ण ३० संवत् २०३७
रा. पौष १६, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २३ गते
स्नान-दान-श्राद्ध की ३०

आज हम यहीं रहे। स्वामी कृष्णानंद परमहंस कॉल.में रहे। स्वास्थ्य ठीक। जगदानन्द यादव को प्रेस में औरिशलीद छापने के लिये - १५०० रुपये पेशगी दिया।

* * *

'निःश्रेयस की कल्पना का आधार काल देश और परिस्थिति की सापेक्षता से ऊपर होना चाहिये'।

'साधुभावना ही उच्चतम नैतिकता है।'
— डा० राधाकृष्णन्

जब जीवन के प्रति एक साधु दृष्टिकोण प्राप्त हो गया तो समस्त आचरण स्वाभाविक रूप से साधु होगा। जब नैतिक नियम हमारे व्यक्तित्व में अन्तर्भूत हो गया तो नैतिकता हमारे व्यक्तित्व की प्रकृति बन जाती है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ७ जनवरी सन् १९८१ पौष शुक्ल १ संवत् २०३७

रा. पौष १७, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २४ गते .

आज भोजनोपरान्त बक्सर के लिये प्रस्थान किया।
२०० रसीद बही ३ चार कापियों में तथा तीन सौ नोटिश
लेकर आश्रम पर पहुँचे। रेलभाड़ा १२ रु० बीस पैसे। श्री
पारसनाथ सिंह जी भी साथ रहे। रिक्शा १ रु० ४ आने.
बस भाड़ा १ रु० ८० पैसे। बक्सर में रिक्शा भाड़ा १ रु० ७५
पैसे। रात में मधुमंगल की माता आदि आयीं।
पुष्पा एवं उसकी माता भी हैं। वृद्धा मरणासन्न है।
इकयावे पारस के भोजन के लिये। दो रुपये पेड़ा
अर्पण जलपान के लिये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः पारस को लेकर कानपुर गये। वासुदेव शर्मा
से भेंट हुई। श्याम बिहारी मिले। जलपान [redacted] वासुदेव
शर्मा के यहां हुआ तथा भोजन श्यामबिहारी के यहां।
पारसनाथ को आठ रुपये मार्ग व्यय देकर - अपनी
पुस्तकों की पचास प्रतियां रैचतीपुर - श्री रामचन्द्र राव
के यहां भेजा। आश्रम पर पहुंचे। तब तक सती साध्वी
७४ वर्ष की वृद्धा मधुमंगल की माता - प्रेमनिधि
की अंतिम घड़ी· जानपद को जा चुकी थी।
श्री रामेश्वर नर्मदेश्वर राय एवं शिवदत्त ओझा
आ पहुँचे। सब आवश्यक कार्य हुआ।
पं· रंगनाथ चतुर्वेदी - बनारस पिंडदानी के लिये
आये। सब आवश्यक कार्य हुआ। मेरी ओर से
फूलमाला अर्पित हुआ। श्मशान घाट जाकर
सबके लिये नैतिक सहयोग की भावना से·
अंतिम कार्य - अन्त्येष्टि· तक वो घंटे बैठा रहा।
चिता शांत होने के बाद· लौटा। दो बार श्मशान घाट
में चिता जलते समय: प्रेतात्मा की शांति के लिये
गीता का पन्द्रहवां अध्याय पढ़ता रहा।
जलपान· गौरी शंकर देव सहित - ७ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पञ्चकारम्भ ५।५५ से

श्री खड्गधारी शर्मा के साथ जयंती जनता एक्सप्रेस पकड़कर फुलवारीशरीफ उतरे। 2.30 बजे सायं डेरा पहुँचे। भोजन करना-किया। विश्राम करते रहे। बक्सर सेवक श्री राजेन्द्र शर्मा को अपनी नवप्रकाशित पुस्तक की प्रतियों के साथ भोजपुरी अकादमी कार्यालय भेजा। पाण्डेय श्री विश्वनाथ सिंह - रामेश्वर सिंह काश्यप पं. हवलदार त्रिपाठी - निदेशक - नागेन्द्र प्रसाद सिंह. डॉ० ब्रजकिशोर; श्री अविनाशचन्द्र विद्यार्थी. श्री राधावल्लभ शर्मा (राष्ट्रभाषा परिषद - पटना) श्री रसिक बिहारी ओझा - पं. गणेश चौबे, आदि को पुस्तकें भेजी गयीं। बक्सर के श्री रमेश्वर राय "भोलू" को पुराने साथी की हैसियत से बक्सर में पुस्तकें दीं। श्री राजेन्द्र शर्मा तथा श्री योगीराम को भी पृथक-पृथक पुस्तकें दिया। श्री वसंतकुमार को भी पुस्तक दी गयी। कल भोजपुरी अकादमी का द्वितीय वार्षिकोत्सव है, निमंत्रण है - जाना होगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भोजन करके सम्मेलन को चल चले।
राह में उत्तर बिहार प्रेस में संपादक 'उत्तर बिहार' श्री
श्री कुणाल कुमार से मिलकर उन्हें पत्र दे दिया।
श्री राजेन्द्र शर्मा के साथ श्री अभिकृष्ण-स्मारक-पुस्तकालय
में पहुँचे। कुणाल कुमार से मिलकर डा० उदयनारायण
तिवारी के पत्र की प्रतिलिपि तथा जनवाणी में
पुस्तक विमोचन समारोह की प्रकाशित लेख की टंकित
प्रति दे दिया कि वे अर्पण पत्र में इसका उपयोग
करके कुछ लिखेंगे।
अधिवेशन में पहुँचकर अध्यक्ष देवेन्द्रप्रसाद
सिंह तथा विधायक पं० रघुनाथ त्रिपाठी से मिलकर
सम्मानपूर्वक आवाज की [illegible] दिलाया।
प्रो० ब्रजकिशोर जी, नागेन्द्र प्रसाद सिंह, कर्मेन्दु
शिशिर आदि से भेंट हुई। पं० गणेश चौबेजी भी
प्रेम से मिले। भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के
अध्यक्ष श्री देवेन्द्र प्रसाद शर्मा समारोह के अध्यक्ष
थे। श्री रामावतार शुक्ल-कुलपति पद। वे स्वागताध्यक्ष
उद्घाटन कर्ता थे। उन दोनों महानुभावों को
पुस्तकें भेंट स्वरूप दिया। कर्मेन्दु शिशिर को भी
पुस्तकें दी। सम्मेलन के अंत तक रहे।
पुरस्कार वितरण आदि का कार्यक्रम होने पर
विसर्जन के बाद राजेन्द्र के साथ कैम्पकोल
39 पर लौटा। श्रीहरिकृष्णवस्तु का भतीजा
आया। कल डा० गोपाल के डेरे पर रह जायेगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः भोजन के बाद भोजपुरी अकादमी के निदेशक पं. हवलदार त्रिपाठी के यहां - प्रताप इण्टर कालेज के डेरे पर जाकर मिला। उनसे महाकाव्य के प्रकाशन के संबंध में बातें हुईं। वे प्रसन्न मालूम पड़े।

पुनः श्री राजेन्द्र के साथ महेन्द्रू - श्री दीनानाथ राय के डेरे पर पहुँचे। वहां उनके मित्र मंगराँव के प्रवक्ता शास्त्र मुनिवर श्रीमान त्रिपाठी मिले। वे अपने रोग निदान के कार्य से सपत्नीक आये हैं।

श्री दीनानाथ जब आये तो उन्हें 'वडुआयन बोध-दीपक' तथा सम्मति पत्रिका भेंट स्वरूप दिया। श्री दीनानाथ को लेकर हिन्दी के लब्ध प्रतिष्ठ विद्वान श्रीमान डा० गोपाल (वकील) के यहां राजकृष्ण स्टेशन के पीछे उनके डेरे पर गया। उन्हें 'वडुआयन बोध दीपक' तथा सम्मति पत्रिका भेंट में दिया। वहां से हरिकृष्णठाकुर के डेरे पर श्री प्रेमचन्द्र के लड़के तथा श्रीहरिकृष्णठाकुर के द्वितीय पुत्र को [illegible] मिले हुवे। जलपान किया। उनकी अस्वस्थता के कारण चिन्ता थी। ठाकुर जी दिल्ली गये थे। डा० गोपाल ने समीक्षा की एक प्रति तथा 'हिन्दी साहित्यकार कोश' १९७२ की प्रति भेंट स्वरूप दिया। डेरे पर पहुंचे। विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

श्री गुलगोविंद सिंह ज्योती हैं - भोजन करके
फुलवारी शरीफ डेरा से राजेन्द्र कॉलोनी [illegible]
श्री पं. रामबिहारी राय जी शर्मा से मिलने उनके
मकान गये। वे पूजा कर रहे थे। भेंट हुई।
रात्रि 8 बजे रिक्शा भाड़ा किया तथा टिकट कटाकर
प्लेटफार्म पर पहुँचाया।
प्लेटफार्म पर: रेलवे के श्री राजाराम राय Supdt. Eng.
मिले तथा उनके भाई श्री सीताराम राय भी मिले।
श्री सीताराम जी मेरे साथ बक्सर तक आये।
सायंकाल [illegible] के पति शिवनारायण
श्री [illegible] कुँवर एवं और केवल [illegible] संग गांव
के [illegible] में [illegible] मिले।
केदार की 200 रुपये चुका देना [illegible] मिलनी थी।
शायद वह दो वर्षों से बंद है। चुकाना
रवां के [illegible] एवं श्री शिवकुमार ठाकुर ने
यह सत्कार्य [illegible] दाता जी पर लगाया था।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १३ जनवरी सन् १९८१ पौष शुक्ल ८ संवत् २०३७

रा. पौष २३, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ३० गते

पञ्चकान्त २४।३४ पर

-- आज ब्रह्मदेव ने खिचड़ी बनायी भोजन हुआ।
दूध २ लोटे। गाजर भी रही। रात को बनुआ के
अपार्टमेंट शर्मा आये थे। जिनमें गोंडी गाये।
उनके साथ पोकरा आतीत रामराय के यहां चलने
की बात तय हुई। वे 24.1.81 को काशी
आवेंगे और मैं 25.1.81 को उनके साथ
औरंगाबाद होते पोकरा जाऊंगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १४ जनवरी सन् १९८१ पौष शुक्ल ९ संवत् २०३७

रा. पौष २४, शक १९०२ फ. १३८८ ने. १ गते

मकर संक्रान्ति

→ "भूल से पन्ना उलटने से आजकी तारीख १६ता. के पन्ने पर अंकित हो गयी।" जल्दी में देखा नहीं।

× × ×

१६.१.८१

~~आज स्वामी शिवानंद के पौत्र नवीनजी से आई.टी.आई. विद्यालय के सामने भेंट हुई। सन्यासी जी का स्वास्थ्य मालूम हुआ। उन्हें बुलाया कि संन्यासीजी को देखने देंगे। पर वे नहीं आ सकें।~~

आज ही स्वामी शिवानंद पटना से आये। श्रीमती शारदा पाण्डेय आये —→.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

→ मूल से: अजकी डायरी पन्ना उलटने से
१७.१.८१ के पृष्ठ पर अंकित की गयी॥
× मूल व था चेनलता×. एवं जल्पीमें×: देखलहीं।

× × ×

<u>१७.१.८१</u>

आज दिल्ली एक्सप्रेस से उत्कल स्वामी शिवानंद जी पटने से किलन केलिये ही आ पहुंचे। वे बड़े सज्जन संत एवं कर्मनिष्ठ व्यक्ति हैं। इतने में सिकरी से रामरेखा पाराडेय आ गये.. उन्होंने स्वयं भिक्षान्न स्वामी शिवानंद के लिये पर्याप्त ला दिया। रसोई से उनका भोजन हुआ। उन्होंने १० रुपये देकर भेंट प्रदान की। सायंकाल स्वामीजी के साथ फायूल से किलन गये पर वे कचहरी गये थे। रात में दूध एक किलो तीन रुपये का मंगाया। स्वामीजी भी रहे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार १६ जनवरी सन् १९८१ पौष शुक्ल ११ संवत् २०३७

रा. पौष २६, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ३ गते

पुत्रदा ११ सबकी १४.१.८१

संक्रान्ति के दिन प्रातःकाल श्री डा० योगीन्द्रनाथ
शर्मा आगये। बिहार के जगदीश राम का कादो
चूड़ा-गुड़ लेकर आया और देकर गया।
डा० योगीन्द्रनाथ ने दही दिया। भोजन किया।
सायंकाल भजनानन्द आश्रम बनौली तिवारी के कई
आये। उनसे ब्राह्मणों को पारायण के
५ रसीद बहियाँ तथा २२० नारियलों भेंट किया।
दूध २ रुपये। केला २ रुपये। चिउड़ा तिलवा १.५०
सायंकाल कलकत्ता के वासुदेव शास्त्री चिउड़ा गुड़
तिलवा आदि लेकर पहुंचाने आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

२ १५·१·८१· प्रदोष

प्रातः जलपान से ही अर्धविक्षिप्त भाग गया। मू०प्रा० उच्चविद्यालय के दफ्तर पर गये। डा० ओजनेय जी से मेरे काम के समाचार जानना तथा अर्थ पर्ची की पुस्तक देना ही उद्देश्य था।

फल ·१०.३०· केला १.३० संध्या। श्री सच्चिदानंद तिवारी एवं श्री फागूराम से उनके घर पर भेंट हुई। उन दोनों से लोकमान्य तिलक कॉलेज में उत्पन्न कलह विवाद के संबंध में बातें हुई।

विद्यार्थियों के सहके हुए गुंडे कॉलेज को भी तोड़ देंगे। त्रिलोकनाथ एवं अमृत रंजन झा के संबंध में बातें हुई कि मेरे प्रस्ताव के लिये मदद देंगे।

---

* आज श्री शिवानंद जी के साथ फागूराम से मिले। जीवन १८ की ता. में मुझसे आने हैं। ११ बजे से आने वाले थे। मिसरी का मूली भूजा आया। वह साथ चलने को था पर राह में कुछ दूर चलकर नहीं जाने की बात कहा। अतः शिवानंद जी को ऐसे में वापस कर, बापू आवश्यक हो तब आये ... का जीवन जाने।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः स्नानादि से निवृत्त हो कर स्वामी शिवानंद के साथ कागूराम के यहां गये। स्वामी जी को एकवस्त्र निवेदनार्थ केवल निवेदन किया - तथा हैप्रति के अभिनिवेदनार्थ एवं शिक्षा उपनयन कराने के लिये अपने हस्ता से सहित संन्यासी जी को दिया - कागूराम को भी पुस्तक भी प्रति भेंट की।

X X X

आज प्रातः बोरल से चलकर काशी पहुंचे। रेलभाड़ा एक रु० २० पैसे। रिक्शा कुली दो रुपये। काशी में रिक्शा दो रुपये।
मठ में पहुंचे। आग को जला कर रात्रि भोजन बनाता था इतने में ही पं० राधिकाचरण जी देउरी से पुनः उतर कर आ पहुंचे। उनका भी भोजन बना। वे आराम किये। सायंकाल जगन्नाथ के शारदाप्रसाद का लड़का कवीन्द्रनारायण आया। कोई निवेदन किया नहीं उनका लड़का क्या है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २० जनवरी सन् १९८१ पौष शुक्ल १५ संवत् २०३७
रा. पौष ३०, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ७ गते

स्नान-दान की १५ महादेवी वर्मा का उत्तर

११ फरवरी: बुधवार 'जनवार्ता' से उद्धृत:—

उ० " जीवन मूल्यों, चरित्र, नैतिकता आदि का तेजी से ह्रास होता जा रहा है। इस ह्रास को मैं देश के लिये सबसे [redacted] घातक [redacted] हूं। व घोर संकट मानती हूं। मेरा स्पष्ट मत है कि अतिभौतिकवाद, विज्ञान और सिद्धान्तहीन राजनीति के कारण जीवनमूल्यों के लिये संकट पैदा हुआ है। अति भौतिकवाद का अन्धी दौड़, विज्ञान की दिशाहीन होड़ तथा कुर्सी व सत्ता प्राप्त करने की दिशाहीन राजनीति ने भारतीय दर्शन के मूल तत्वों नैतिकता, [redacted] मानवता तथा अध्यात्मवाद पर तेजी से प्रहार शुरू कर दिये हैं। आज संसार में अशांति एवं आक्रमकता का मूल कारण भी यही है।

जीवन मूल्यों पर आये संकट का सामना करना बहुत [redacted] आवश्यक है। इस संकट का हल राजनीति के पास है नहीं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार २१ जनवरी सन् १९८१ माघ कृष्ण १ संवत् २०३७

रा. माघ १, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ८ गते

→ * * * हमारी भारतीय संस्कृति, भारतीय दर्शन, पेड़ पौधों, नदियों, आकाश यहां तक कि कंकड़ में भी अपने देवताओं अवतारों के दर्शन करती है। अपने चन्द्रमा व कहै स्नेह का संबंध

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज सायंकाल कृष्णा के मकानपाल आये।
अपने निजी कार्य के लिये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गणेश ४ व्रत

जन्म जन्मान्तरों का संचित ज्ञान हमारे संस्कारों में सुरक्षित है। ज्ञान का संवर्धन व वृद्धि करना आत्मा की प्रकृति है।

अनगिनत कोशिकाओं से यह शरीर बना है। इसके हर परमाणु के मध्य में न्यूक्लीयस (नाभिक) है। इस न्यूक्लीयस में स्थित संस्कार सूत्र की लंबाई वैज्ञानिकों ने पांच फुट आंकी है। इस तरह शरीर के लगभग 600 खरब जीवित कोषों में स्थित संस्कार-सूत्रों की कुल लंबाई तीन हजार खरब कि० हो सकती है। यह लंबाई सारे विश्व को अपने में लपेट लेने में समर्थ है। इससे इसकी विश्वव्यापकता का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

न्यूक्लीयस एक प्रकाश मात्र [redacted] है। इसी में जीवनतत्व स्थित है। इस प्रकाशपुञ्ज के नष्ट होते ही शरीर मृत घोषित कर दिया जाता है। शरीर का प्रत्येक परमाणु एक सौरमंडल के सदृश है और न्यूक्लीयस उसका सूर्य है। यही सूर्य परमाणु को ऊर्जा [redacted] और क्रियाशीलता देता है। शरीर का यह प्रकाशतत्व जीवन की सारी गतिविधियों का संचालक है, यही आत्मा है। न्यूक्लीयस में स्थित प्रोटोन व न्यूट्रान के आस-पास जो ऋणी इलेक्ट्रान निरंतर चक्कर काटता है, उसमें मिल जाने को व्याकुल रहता है। इस इलेक्ट्रान के तत्वों में नवग्रहों का प्रभाव है, जो जन्मपत्री की रचना के अनुसार मनुष्य को प्रभावित करते रहते हैं। परन्तु जब हमारी चेतन आत्मा से सम्पर्क स्थापित कर लेती है या यों कहें कि इलेक्ट्रान न्यूक्लीयस में विलीन हो जाता है, तो, स्थिति बदल जाती है। व्यक्ति की क्षमता सूर्य की तरह

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

श्री दामोदर रायजी वर्धा के मध्यशीतलहरी में आये। संभवतः दिन में ही सारनाथ श्री केशवठाकुर के यहां थे। उनके कार्य स्थे। आज प्रातः धनापालन एवं रामावतार द्वारा बिजली बिल घर स्पर्श दाखिल कराया।

× × ×

→ अणु-अणु में प्रखर हो उठती है। सृष्टि के सूर्य और न्यूक्लियस के गुणधर्म समान हैं।

भारतीय दर्शन के अनुसार मनुष्य शरीर इस ब्रह्माण्ड का लघु स्वरूप है। सृष्टि का सबकुछ शरीर में भी स्थित है। उपनिषदों में भी कहा है कि सूर्य ही आत्मा, अन्तर्यामी और सनातन है। ये वैज्ञानिक उपलब्धियाँ वेदों और उपनिषदों एक तथ्यों का प्रमाणीकरण हैं। आत्मा हृदय के निकट नहीं संपूर्ण शरीर के अणु-अणु में व्याप्त है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

श्री दामोदर राय से रामवचनराय-प्राचार्य के त्यागपत्र और उलझन में पड़ने तथा गावँवालों की नीचता की खबर मिली।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गणतंत्र दिवस

सायंकाल दामोदर राय से मिलने के लिये. प्रमोद तथा
श्री राधाकृष्ण राय- वकील रेवतीपुर आये।
बहुत दिनों के बाद तेजुई के श्रीकृष्ण कुमार 'सिंह' एम.ए.
सहसा आये। पहले तो नहीं पहचाना, बाद में पहचानने पर
महत्व की बातें हुईं। उन्हें तथा तेजुई के उनके साथी
को - 'वेदाध्यापन' बोध-दीपक की प्रतियाँ दीं।
उन्होंने शिक्षा मंत्रालय केन्द्रीय द्वारा - मेरी पुस्तक की
कुछ प्रतियों के लेने का द्वार का स्वागत किया।
दूध ३-०० आने। तरकारी - १ रु० ४ आने। केवल ५० पैसे -
वैद्य जी के यहां गये - दवा लिया - दामोदर राय भी गये थे।
श्री सोंगीराय के लिये - दो पाव मय बनवाया तथा
कुछ चूर्ण ले कर चक्रपाल द्वारा भेजा। एक दरतीजक
भी लिफाफे में बंद करके श्री सोंगी राय के पास उनके
द्वारा भेजवाया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज ६ रुपये की यह डायरी आयी। श्री रामकोश पाण्डेय को एक पत्र लिखा। दूध तीन रुपये। तरकारी १ रु० ७ आने। Indian Express. 50 पैसे। श्री भोगीराय शर्मा को

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

तरकारी १रु०४ आने। दूध २रु० ४ आने। आजमगढ़ के श्री लालधर यादव 'मल्लार्जुन' जो एम.ए. करके डा० श्यामजी तिवारी के निर्देशन में भोजपुरी लोककथाओं पर शोध कर रहे हैं, हमसे मिलने आये। उनसे घंटे भर तक बातें हुईं। उन्हें अपनी पुस्तकें- 'बउधायन बोधदीपक' तथा 'महाकाव्य-बउधायन - विद्वानों की दृष्टि में' भी प्रीत्यर्थ दिया। डा० सु० कु० च० के नाम भोजपुरी की खुली चिट्ठी की प्रति तथा श्रीराम विद्यालय को भोजपुरी व्याकरण अर्पित किया। उनके विमोचन समारोह के समाचार का जनवार्ता दिखाया - ७.१२.८० के जनवार्ता में डा० त्रिवेणी राय का लेख - 'भोजपुरी का मानक महाकाव्य 'बउधायन' भी दिखाया। वशिष्ठजी का लेख भी जनवार्ता में दिखाया। ९. [illegible] ५० पैसे। राजा बाबू को [illegible] दिये।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २९ जनवरी सन् १९८१ माघ कृष्ण ९ संवत् २०३७

रा. माघ ९, शक १९०२ फ. १३८८ ने. १६ गते

आज सिर में दर्द रहा। श्री भोगीराय का पत्र छोड़ गया। भोजन बनाया खिचड़ी। अमरूद - ५० पैसे। तरकारी १ रुपैया। दूध २ रु० ४ आने। रामायण - २५ पैसे। गोंद दानी - २० पैसे। श्री पं० रामजतन जी आये... श्री रामलखन शर्मा के अभिनन्दन की चर्चा हुई। अभिनंदन ग्रंथ में मेरे लेख के छपने की बात आयी... लेख पढ़ा गया तथा अविकृत रूप में छपेगा, "श्री शंकराचार्य का आचार दर्शन - पुस्तक पुनः पढ़ता रहा। पैसे की कमी खल रही है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

भोजन किया। पढ़ते रहे। सब्जी १ रुपये। दूध २ रु० ४० पैसे। अखबार ५० पैसे। अनिमाइज़ा २५ पैसे। डा० अखिलकुमार आंजनेय को तथा पं. गणेश चौबे को पत्र लिखा। I. Exp. में अरुण शौरी का महत्वपूर्ण लेख। पत्र एवं पत्रकार के कर्तव्य के संबंध में पढ़ा। वेदान्त की पुस्तक पढ़ा।

'हमारा चरित्र हमारे अतीत इतिहास की समष्टि है।'

'संकुचित मन को विशाल करना स्वार्थी से निस्वार्थी बनना यही वेदान्त का मर्म है।'

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार ३१ जनवरी सन् १९८१ माघ कृष्ण ११ संवत् २०३७

रा. माघ ११, शक १९०२ फ. १३८८ ने. १८ गते

पट्तिला ११ शैवों की

आज डा० अखिल कुमार आंजनेय का पत्र एवं पं. गणेश चौबे का पत्र लिफाफ़ा में बंद करके सुरेश को छोड़ने को दिया। दूध २ क० ४ आने पत्र-४०पैसे दियासलाई पत्र क २४ पैसे। गंगा के जगदंबा गटकाते हुए विभा के डेरे से आ पहुँचा। समाचार के बाद पुन: चेतगंज डेरे पर गया।

आज श्री फौजदार राय का पत्र मिला। साथही तिमही के श्री रामगणेश पाराडेय जी का पत्र मिला। दिल्ली से श्री जगदीश नारायण श्रीवास्तव - विहार के निकट-मजुदही के - एक लेखक का पत्र मिला। वे गतवर्ष भोजपुरी-अकादमी के अधिवेशन में पटने में मिले थे। * * *

वृद्धावस्था दूसरों की दया पर न गुजारना पड़े" इसकी व्यवस्था युवावस्था के परिश्रम और कर्तव्यशीलता पर निर्भर करती है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १ फरवरी सन् १९८१ माघ कृष्ण १२ संवत् २०३७

रा. माघ १२, शक १९०२ फ. १३८८ ने. १९ गते

षट्तिला ११ वैष्णवों की

आज भोजन बना किया। अगवेपानौका (मंगावँ का) विद्या के यहां चेतगंज कई दिनों से आया ठहरा है। आज यहां आया था... दिन में पढ़ते लिखते रहे) सायंकाल चननी के श्री रामवचन राय जी आये। इससे बड़ी प्रसन्नता हुई। वे महान् आत्मा हैं। सदाचार की प्रतिमूर्ति हैं। अखबार ५० पैसे दूध आया किन्तु २००० ८ अंक बाकी रहे। रामवचन राय जी जलपान ले आये।

उनके मांगने पर मैंने उन्हें 'छान्दोग्य उपनिषद्' (गीता प्रेस का) तथा बृहदारण्यक श्री आदिमर्षि की टीका दिया। अन्य बातें होती रहीं। उन्होंने श्रीरामनिधि राय की श्रद्धा एवं उनका स्नेहपूर्ण अनुरोध सुनाया कि महाशिवरात्रि बाद स्वामी जी को चननी बुलाया जाय। मैंने जयंती (४ मार्च के बाद) चलने का निश्चय उन्हें सुना दिया।

श्री रामवचन राय जी ने यह बताया कि मैं 'बड़ुआयन-बोध-दीपक' का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कर रहा हूँ। भाषासंशोधन के बाद उसके प्रकाशन की भी व्यवस्था कर रहा हूँ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

३ प्रदोष

भोजन वहां किया गया। प्रातः ८ बजे के करीब मुरादाबाद कॉलेज के प्राध्यापक-श्रीविन्ध्याचल रायजी आ गये। उनसे समाचार हुआ और डा० उपाध्याय प्रधान द्वारा 'बउधायन-बोध-दीपक' की समीक्षा लिखवाने की पूरी चर्चा होती रही। यह कार्य मैंने अचल जी के समक्ष पेश करके उत्तर-दायित्व उन्हींपर डाल दिया।

आज मौका जगदंबा के साथ विद्या का छोटा लड़का मनोजकुमार आया- मैंने उसे अपनी पुस्तकें ① 'बउधायन-बोध-दीपक' तथा ② 'महाकाव्य-बउधायन' 'विद्वानों की दृष्टि में' हस्ताक्षर करके दे दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ३ फरवरी सन् १९८१ माघ कृष्ण १४ सवत् २०३७
रा. माघ १४, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २१ गते
मासशिवरात्रि व्रत

आज प्रातः पिपरा के लोगों से भेंट हुई। श्री अवधबिहारी गारा - तथा श्री जगदीश राय. अपने पिता को काशीलाभ कराने लेकर आये हैं। वैद्य जी आये उन्होंने बूढ़े को देखकर कहा कि नाड़ी गंभीर है ठीक नहीं है। दवा होरही है।

मुझे भी दवा देगये। पूर्णभी देख गये। भवनप्रकाश भी किया। जगदंबा का टिकना संभव नहीं है। प्रो. रविन्द्र न. शर्मा के स्वतंत्र वचन में नहीं रह सका वह यहाँ क्या टिकेगा। दूध आया वाकेवहा।

रात में कुकुरहा के श्री रविन्द्रनाथ (केदार पहाड़िया) जज से चार ही वाहन आये। उन्हें विश्राम दिया। सम्पूर्णता उन्ह दि आगमन के प्रारम्भ भी बिल्कुल ठीक आये. जो श्री राजनारायण के साथ २० वर्षों से कार्यरत हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

स्नान-दान-श्राद्ध की ३० । मौनी ३०

आजदिन भर भी लालबाबा पाण्डेय की प्रतीक्षा करते रहे।
किन्तु शाम को निराश होना पड़ा कोई आया नहीं।
रघुकेशानन्द सिंह का उद्दण्ड और बदतमीज [illegible]
[illegible] के तगादा में आया। उसके अनुचित व्यवहार पर
आज उसे फटकारना पड़ा। श्रीधर शाम को आये और
उनसे संपूर्ण हिसाब करना पड़ा। आज चूर्ण [illegible]
चकमा दे कर चला गया। गोइड़ा के लोग
डा० योगेन्द्र के साले की पत्नी तथा उसकी मौसी
आई और आये। किसी तरह काम चलानी
पड़ी। हाथ खाली है। एक पैसा पास में नहीं।
बड़ी कठिनाई हो रही है।
कुसुम्हा के [illegible] दयाराम पाण्डेय के लड़का
लड़का - के [illegible] रवीन्द्र कल रात में ९० को
आया - आज [illegible] गाड़ी से 9.9.? से दक्षिण
चले आया है। उनसे पहले [illegible] बातें [illegible]
डा. [illegible] - उसे 'वेदव्यासभाष्य-दीपक' तथा
महाकाव्य 'वेदव्यासम्' - विद्वानों की दृष्टि में की
प्रतियाँ दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ५ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल १ संवत् २०३७

रा. माघ १६, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २३ गते

पञ्चकारम्भ २६।१५ से

आज भोजन बना लिया। डा० भोगीन्द्रनाथ जी एवं
श्री स्वामी शिवानंद को पत्र - पत्र लिखा।
श्री विजय बहादुर महाधूर्त है. वचन कहकर बदलना
देता और आता नहीं। ऐसा पतित कहीं देखा
था। आज केदार राम - शैलेन्द्र - बहुत दिन के
बाद अचानक पहुंचा। - के लोग भी आये। बहुत सी
बातें हुईं। कुछ वैद्य जी के यहाँ दवा लाने के
लिये आये थे। केदार राम से बहुत बातें हुईं।
आज प्रातः कुम्हरा का लड़का - गया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ६ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल २ संवत् २०३७

रा. माघ १७, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २४ गते

आज भोजन करते-करते श्री राजनीतिराम के पिता का परमपद हो गया। ज्येष्ठ पुत्र जगदीशराम ने अंत्येष्टि की। सायंकाल यहीं मठ में निवास किया। प्रातः ५ बजे ही उठकर गये। बालरूपये नागेन्द्र द्वारा लिये गये पैसे राजनाथ से संकेत करके मांगा क्योंकि हाथ खाली था। १० रुपये पूजा आदि खर्च दिया। १० सेर चावल १० सेर पक्का गेहूं भी दे गये।

आजही डाक में सुरेश प्रयाग गये। डा० उदयनारायणराय जी को पत्र तथा 'वडुआभगवोधदीपकं' तथा महाकाव्य की सम्मति-पुस्तिका भेजा। श्री गोवर्धनाथ शर्मा को भी ये पुस्तकें तथा संक्षिप्त पत्र भेजा।

दूध २ रु० ४ आने। तरकारी ७५ पैसे। रामावतार को ३० पैसे चाय के लिये।

आज स्वामी सहजानंद विद्यापीठ-गाजीपुर के प्राचार्य डा० कपिलदेवनाथ का पत्र मिला कि महाविद्यालय पत्रिका के लिये एक लेख भेजें।
"स्वामी जी का जीवन दर्शन और किसान समस्या"

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार ७ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल ३ संवत् २०३७

रा. माघ १८, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २५ गते

आज भी भोजन बना विश्राम किया। सिमरी का कोई नहीं आया। शय्या खाली है। दूध का कई दिनों का बाकी १२ रु० ५० पैसे दिया। अखबार नहीं आ सका। बुढ़िया को १ रु० देकर उस का कमरा धोवाया। गोइंठा-बीछ की नियों का भी · जीवन देने आती हैं उसका पल गया।

आज श्री कौकंदा राम जी · एडवोकेट का भावपूर्ण पत्र मिला। तथा दिल्ली से श्री जगदीश प्रपन्न विद्यार्थी व· (तिनका केपासका) का पत्र मिला।

✓ विविध नैतिक गुणों का अनुशीलन ज्ञान का पथ प्रशस्त करता है। भौतिक कर्म द्वारा संस्कृत होने पर हमारा आंतरिक व्यक्तित्व नैतिक गुणों के रूप में अभिव्यक्त होता है।

* * *

✓ शौच से हमारे स्वभाव में मार्दव आता है, उपवास हमें दया का भाव देता है, त्याग हमें उदार तथा दानशील बनाता है, तप हमें संयम देता है, और संतोष दूसरों के प्रति घृणा का भाव दूरकर सब के प्रति सौहार्द भाव उत्पन्न करता है।

* * *

✓ जो सत्य में विश्वास करता है वही अभय हो सकता है। जो हृदय से अभय है वही व्यवहार में ऋजु हो सकता है तथा अहिंसा का अनुशीलन कर सकता है। ये सब मिलकर मनुष्य को विनयशील बनाते हैं। विनय दुर्बलता का नहीं नैतिक बल का चिह्न है। बलवान ही विनयशील हो सकता है।

RatGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः ८ बजे के करीब श्री रामनिधि पांडे. सिमरी-रामपट्टी रामचन्द्र शर्मा. रेवटा के छोटे भाई के साथ आ गये। उन्होंने पिपा और शेष - ब्रजकिशोर के कलकत्ता से आने पर देने का संकेत किया। कुलदीप नारायण राय कश्यप तथा परमहंस स्वामी बटुक को पत्र लिखकर तैयार किया। दूध २ रुपये ४ आने। रामावतार को २५ पैसे।

ॐ ॐ ॐ

✓ 'सर्वैषणा परित्यागो- संन्यासाख्यो'। वृ० भा० ४-४-७

वास्तविक संन्यास समस्त कामनाओं का त्याग है। वेदान्त में कामना को समस्त अनर्थों का मूल माना गया है। काम्य विषयों की भांति कामनाएं भी अनन्त [redacted] हो सकती हैं किन्तु उनका मानसिक मूल एक ही है और अहंकार, फलाकांक्षा तथा कर्तृत्वभावना के रूप में व्यक्त होता है। अस्तु, कामनाओं के त्याग का वास्तविक अर्थ फलाकांक्षा तथा कर्तृत्व की भावना का त्याग है। यह वेदांत का मूल सत्य है और वेदांत के समस्त सिद्धान्तों से इसका सामञ्जस्य है। यह त्याग की वास्तविक भावना ही वास्तविक संन्यास है। वास्तविक संन्यास एक आध्यात्मिक वृत्ति है जिसका लक्षण सर्वकामनाओं का त्याग है। ऐसा संन्यास जो हमारे अस्तित्व को अहंकार और अज्ञान से ऊपर उठाता है आध्यात्मिक साधना का एक केन्द्र है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ९ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल ५ संवत् २०३७

रा. माघ २०, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २७ गते

पञ्चकांत ३८।३८ पर। बसन्त ५

आज वसंत पंचमी रही। जगद्गुरु के श्री नवीन्द्रनारायण शर्मा स्नानार्थ अमौढ़े से आये। समाचार हुआ और गये। उन्हें बक्सर में जयंती के अवसर पर चलने को कहा। केवल गाजीपुर की पत्रिका "निवेदिता" के लिये निबंध लिख रहा हूँ। आज १० बजे रात में कुशेश्वर राम - प्रयाग से आये। पर मैं लिखने में व्यस्त था बातें नहीं हो सकीं। दूध २ रु० ४ आने। दो लिफाफा ४० पैसा।

'अविनय दुर्बल मनुष्य की अपनी दुर्बलता की असहिष्णुता की द्योतक है।'

'हमारी नैतिक भावना के लिये ईश्वर की कल्पना आवश्यक है।'

'वेदांत के अनुसार ब्रह्म हमारी सत्ता का चरम सत्य है और ब्रह्मानुभव जीवन का परम श्रेय है।'

'ब्रह्म परमेश्वर से परे है किन्तु परमेश्वर ब्रह्म के अन्तर्गत है।'

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

दिन में भोजन बना किया गया। कुबेरनाथ
को तीन सौ रुपये (तीन नम्बरी नोट) दिया कि वे
दीनानाथ झाला - Educational Printers के मालिक
को बकाया के मद में दे कर रसीद ले लें। अबतक
"वेदान्त बोध-दीपक" के मुद्रण मद में ३६०० रुपये दिये
जा चुके। दूध रु० ४ आने। लिफाफा चार १ रु०
४० पैसे। श्रीरामावतार को चाय के लिये ३० पैसे।
आज कुबेर० की व्यस्तता से प्रेस का रुपया नहीं दिया
जा सका। कल दिया जायेगा। [redacted] २'
डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा को एवं पं० यदुनाथ पाण्डेय
श्री तिवारी को पत्र लिखा। प्रयाग का शांतानंद
का समाचार सुना कि श्री कौशलदार राय के यहां गये थे
कि पंचायत करके वे उन्हें मठ का अधिकारी अध्यक्ष
बनवा दें। उन्होंने तिरस्कार कर हटा दिया। उन्हें
सावधान रहने का संदेश भेजा। चिन्ता बनी है
किन्तु भगवान ही रक्षक हैं। बेटी मोदा का विवाह करेंगे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सिर में विशेष दर्द। यह व्याधि कष्ट देती है। इसकी कोई उपयुक्त औषधि नहीं मिलती। डा० योगेन्द्र, ज्योतिषी जी. परमहंस राम. बहुमतका [illegible] जी के पत्र डाक में छोड़ने के लिये कौशिल्या को भेजा। क्योंकि वह जाने वाले हैं. देते जाते हैं सकते हैं। आज भी बचत नहीं कर सके। महाराज के मुंशी जी श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा (तिवारी) शीश महल [illegible] को एक पत्र बालाजी के उत्सव तथा धांधली के संबंध में भेजा तथा उनकी पुस्तक "बटुआचार्य बोधः दीपक" की प्रति एवं सम्मति पुस्तिका भेजा। वे कौशिल्या संचालयों सही में मिले तथा पेमपूर्वक पूर्ण सहायता का जवाब आश्वासन वचन कहला भेजा। खैरवार के श्री कालीप्रसाद पाण्डेय, एवं राजकुमार पाण्डेय को पत्र लिखा। लाइफबॉय साबुन २ रुपये. दूध २ रु० ४ आने मूंगा ५० पैसे. रामावतार पाप ४ आने। बूढी का मोतीका प्राणायाम वाली ७ रुपये. तथा ८ रुपये रुपये-कलम १५ दिन। [illegible] रुपये रामावतार को चाय के लिये. बाहर रहने के समय में जब मैं वकालपत्र रखूंगा। आज [illegible] को भोजन के लिये ५ सेर गेहूँ दिया। सिंघोरा कुम्हारिन के पत्र का उत्तर लिखवा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

भीष्माष्टमी

आज भी बक्सर नहीं जा सके। मुकेश चंचल बहुत हैं, अपने उत्तरदायित्व का वहन नहीं करते। पर क्या करना होगा। ये लोग सच्चे और नैष्ठिक सेवक हैं। व्यवहार में ठोकर खाकर ही जीवन में कुछ सीखा जाता है। बड़ी व्यस्तता है। एक सप्ताह से दवा भी छूट गयी है - भोजन बनाना-खाना- पढ़ना-लिखना सभी में [illegible] जाते हैं।

आज सहसा (गाजीपुर-शेरपुर के) कानपुर आश्रम में रहने वाले विद्वान और प्रगतिशील विचारवाले श्रीमान् नैष्ठिक ब्रह्मचारी जी आठ वर्षों के बाद एक अन्य ब्रह्मचारी संत के साथ आये। बहुत देर तक बातें कर के धर्मशाला में, जहाँ वे पहले से ठहरे हैं चले गये। मुकेश राम को ढूंढ रहे थे। अपनी पुस्तक "बउआमनबोध दीपक" की प्रति तथा महाकाव्य की समालोचिका उन्हें दिया। मठ-मंदिर के पुजारी लड़के को [illegible] का ५ रुपये पारिश्रमिक दिया। कुछ २ रु० ४ आने मूंगा ५० पैसे। धनुका ५० पैसे। मुकेश [illegible] बड़ी रात को आये। कुछ देर तक बतकूचन होता रहा। अंत में विश्राम किया गया। आज काशीप्रसाद वाला पत्र तथा सिसौटा गोपाल जी का पत्र [illegible] डाक में छोड़वाया। स्वामीजी वाला [illegible] लिखता रहा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज कैसे जाते। प्रात: काल ही श्री शौनक ब्रह्मचारी जी अपनी सहयोगी लेन कैसा घ आ गये। वे विन्ध्याचल महाविद्यालय हीरपुर से मिलन के लिये डा० प्रो० ऐश्वर्य वी प्रधान के डेरे पर मैं जान मांगने आये और लौटे। वे कलानिधि हैं गतवर्षों से। वे "भारतीय दर्शन में प्रकृति के तीन गुण और मानवजीवन में उनका उपयोग विषय पर कानपुर डी.ए.वी. कालेज के माध्यम से शोधकार्य कर रहे हैं। विषय प्राय: पूर्ण हो गया है। आज लीपे का अन्य विष्ठ अंश लिखा। कृष्ण. २ क० ४ आने. रामायण को चार आने। कुंजा ५० पैसे।

× × ×

" वास्तविक संन्यास समस्त कामनाओं का त्याग है। वेदांत में कामना को समस्त अनर्थों का मूल माना गया है। काम्य विषयों की भांति कामनायें भी अनन्त हो सकती हैं किन्तु उन का मौलिक मूल एक ही है अर्थात अहंकार, फलाकांक्षा तथा कर्तृत्व भावना है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १४ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल १० संवत् २०३७

रा. माघ २५, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ३ गते

जया ११ शैवों की

आज भी शैलेन्द्र ब्रह्मचारी जी दोपहर तक रहे।
भोजनोपरान्त कानपुर गये। मैं प्रातः वैद्य जी के यहाँ
गया... अपने लिये १५ दिनों की दवा लिया।
दुबे बहुत दिन बाद आये। सूर्योदय प्रिंटिंग प्रेस वाले
शिवरात्रि का निमंत्रण पत्र छाप कर दे गये। दूध
२ किलो ४ आना। रामावतार की नाप ४ आने।
श्री कृष्णचन्द्र मिश्रा [illegible] जी तथा पं. [illegible]
प्रसाद जी ज्योतिषी को निमंत्रण तथा पत्र भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १५ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल १२ संवत् २०३७

रा. माघ २६, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ४ गते

जया ११ वैष्णवों की

आज प्रातः जल्दी एक्सप्रेस पकड़ने के लिये
मोगलसराय आये। श्री कुबेर राम शर्मा पहुंचाने
आये.. टिकट लिया... गाड़ी में हमें बैठाकर
कुबेर काशी लौट गये। मैं बक्सर उतरकर पैदल
आश्रम पर पहुंचा। राह में श्री रामविलास मिश्र
जी [illegible] से कचहरी पर भेंट हो गयी।
वे अवकाश प्राप्त कर चुके। उनसे बातें भी किया।
उन्होंने स्वामीजी के जयंती समारोह में आने का
वचन दिया। [illegible] रजिस्ट्रार श्री नर्मदेश्वर राय जी
के यहाँ भोजन करके [illegible] गये। वासुदेव जी
तथा श्री केदार राय से भेंट हुई। श्री राजेन्द्र शर्मा जी
आ गये हैं। सम्भवतः [illegible] गया है।
श्री पा० [illegible] जी के लिये पोस्टकार्ड पूर्ण
पता भेजने के लिये दे आये।
काशी मठ से जैसे ही चले कि देवा के पूज्य बाबू
श्री स्वामीजी के भतीजे श्री नारायण शर्मा आये
[illegible] का [illegible] मठ के कार्यक्रम
किये। पान लेकर उन्हें विदा किया।
विचार गोष्ठी के लिये आमन्त्रण [illegible]
के लिये [illegible]।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १६ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल १३ संवत् २०३७

रा. माघ २७, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ५ गते

प्रदोष

आज प्रातः कलपुरा गये- वहां से वसुधारा पिपरा के लिये अमवलिया उतरकर पिपरा पहुंचे। वहां राजनीति राय. जगदीश राय. अवधबिहारी राय प्रभृति लोगों से भेंट हुई। भोजन विश्राम किया। तैयारी चलत है। सिकरी के मैथिल पंडित कौन हैं- कर्मकाण्ड आदि हैं। यह मर्यादा की नयी मान्यता है। राजनीति राय जी की सहृदयता और अवधबिहारी की उसके कठिन परिश्रम के लिये धन्यवाद।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १७ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल १४ संवत् २०३७

रा. माघ २८, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ६ गते

व्रत की १५

आज आंगन में गये। श्राद्धकृत्य देखा। पूजा में सम्मिलित हुआ। भोजन भी स्वतंत्र किया। श्राद्ध श्रद्धापूर्वक एवं सुंदर हुआ। रात्रि विश्राम किया। गाँव की प्रथा अच्छी नहीं है।
श्रीरामनाथ-त्रिपाठी से भेंट हुई। श्रीलालबिहारीरायजी की धर्मपत्नी का स्वर्गवास हुआ है अतः वे शाहजहाँपुर-अमवा से यहां वापस आये हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १८ फरवरी सन् १९८१ माघ शुक्ल १५ संवत् २०३७

रा. माघ २९, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ७ गते

४ स्नान-दान की १५। ग्यारहवीं शरीफ

प्रातः श्रीहनपंडित के साथ पकला के लिये भोजनो-
-परान्त प्रस्थान किया। अवधबिहारी-नागेन्द्र
घड़ेघाले कागज लेकर आये। बहादुरबल द्वारा
कुलपुरा उत्थान - खड़गधारी एवं वासुदेव शर्मा
आदि से मैंटेडई राशि विधान न किया।
आश्रम के मामले की बातचीत हुवे। कुलपुरा के
श्रीमान बिहारी लाल को ५० रुपये भी दे दिये
किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार १९ फरवरी सन् १९८१ फाल्गुन कृष्ण १ संवत् २०३७
रा. माघ ३०, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ८ गते

आज प्रातः भोजन करके [illegible] से पक्षन
कचहरी जाकर पेंशन लिया। सिलवर जयन्ती की
८०० रुपये। श्री नर्मदेश्वर राय जी के यहां
आये। पेंशन के ८० रुपया तथा ८०० रुपये तत्काल
उनके पास रख दिया। डॉ० मार्कण्डेय राय जी से
भेंट हुई। उन्हें भी निमन्त्रण पत्र दिया।
इसके बाद सिगरा के पं० कमलेश पाण्डेय के
द्वार विवाह [illegible] के साथ [illegible] सिद्धि के
लिये चलना। साथ [illegible] और वहाँ से
पैदल [illegible] - राम [illegible] पहुँचे।
श्री कमलेश पाण्डेय के यहाँ विवाह किया।

बचपन में सिगरा का [illegible] [illegible] कारण
मिला। उसके [illegible] के सहसा [illegible] की
[illegible] चकित हुआ और अत्यन्त प्रसन्न हुआ।
[illegible] थे। अब सिगरा जाने पर कौन
ढूंढा जायेगा?

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः जलपान करके रामायण मानस यज्ञ के प्रसंग में - सती दुःखी भई गई - प्रवचन तथा उपदेश किया। हरिनारायण शर्मा के यहाँ प्रवचन गोष्ठी हुई। उसके बाद पं. विश्वनाथ शर्मा के यहाँ चिन्तन मिलन की गोष्ठी हुई। श्रीरामप्रताप शर्मा से भेंट हुई। वहीं मिश्र जी के श्री यमुना लाल जी बहुत दिनों के बाद मिले। उनसे बातें हुई। तदुपरान्त मन्त्र शिष्य श्री भुवनेश्वर शर्मा के यहाँ जाकर भोजन विश्राम किया। रात को भी वहीं रहे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः जलपान कर के श्री कुबेरेश्वर स्वामी के झारे से
चौगाँव स्कूल के पास · यज्ञशिविर की झोंपड़ी में
आये। एक घंटे तक रामायण के संबंध में प्रवचन उपदेश
हुआ। लक्ष्मीनारायण पाण्डेय के यहां भोजन किया।
श्री गणेश पांडे के बड़े लड़के से भेंट हुई। वह अहमदाबाद-राज्य
में रहता है। अपराह्न रामचन्द्र पाण्डेय-यदुनन्दन
पाण्डेय के आग्रह-अनुरोध पर गये। वहीं
विश्राम किया। शिवप्रसाद जी से बहुत दिन के बाद
भेंट हुई। बहुत सी बातें हुईं। बड़े आदमी के लोगों
यदुनन्दन-शालिग्राम शिवरत्न · यदुनन्दन पांडे
एवं उनके लड़के को देखा।

बकुलाहाँ का चंदा या धार्मिक पूजा

(१) कौशलदेव पाण्डेय · ५) (६) गुप्तेश्वर पाण्डेय - ३)
(२) कृष्णबिहारी पाण्डेय · ३) (७) रामभरोस पाण्डेय ४)
(३) जनार्दन पाण्डेय - ५) (८) गुप्तेश्वर पाण्डेय · २·५०·
(४) दीपनाथ पाण्डेय - १५) (९) शिवपूजन तिवारी १५·२०
(५) शिवदत्त पाण्डेय — २) (१०) गंगासागर पाण्डेय · ११·२०
(११) शिवऋषि पाण्डेय — ५) (१२) रामभवन पाण्डेय - २)

८८ रुपये २५ पैसे
८ रुपये ३४ पैसे } = ७५ रुपये कुल

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २२ फरवरी सन् १९८१ फाल्गुन कृष्ण ३ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन ३, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ११ गते

प्रातः जलपान भोजन करके बक्सर के लिये
प्रस्थान किया कृष्णा झा से पूजा ७५ रुपये मिले।
७० रुपये कुंदेश्याम शर्मा तथा दो रुपये घनश्याम शर्मा
ने दिया था। १५ रुपये चंदा - रामायण-यज्ञ में
बलीराहिद की सावत में अग्निशमनार्थ दिया।
श्रीरामाश्रय पाण्डेय की गाड़ी से बक्सर सिंगेट तक
आये। वहां से रिक्शा द्वारा बक्सर सब्जीमंडी की टंकी
तक - तीन रुपये रामाश्रय ने दिया। वहां से डा०
स्वामीनाथ तिवारी की गाड़ी से आश्रम पर पहुंचे।
गेहूँ करीब १२.१४ पसेरी कुंदेश्याम शर्मा एवं आ केदारों
के यहां से मिला है।
बलदेव के रिक्शा से कलपुरा - केला ३.५० संतरा
१ रुपया। बक्सडीह एवं कलपुरा के बच्चों को
बांटने के लिये। रात को कलपुरा रहे। जलपान
श्री बालमुकुंद व शर्मा के यहाँ किया।
श्रीचन्द्रदीप पाण्डेय से भेंट हुई - वहीं डा० सिद्धनाथ
तिवारी से भेंट हुई। बड़ी रात्रि सत्संग की बातें हुई।
बलदेव को रिक्शा भाड़ा ५ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रात: श्यामथिराजी के यहां भोजन किया। ८० रुपये उन्हें
श्री के मद में प्राप्त: किया। इस प्रकार कुल ८० रुपये
श्री के लिये दे चुके। आश्रम पर लौटे।
रविशंकर से बातें हुईं। कचहरी गये। रामप्रकाश
के लिये। किराया के ३७० पैसे चुके।
ग्यारह जन - निमंत्रण लिख कर भेजा।

(१) अखिल कुमार राय आजमगढ़· (२) रामगोविन्दराय·
(३) रामेश्वर राय· (४) रामवचन राय - (छितौनीराय)·
(५) गुलाब चन्द्र - पहलवान (६) गंगाप्रसाद शर्मा· कुंभ
(७) देवीदयाल चौधरी - आरा (८) प्रो० तेजनारायण कौल
(९) श्री रामदेव राय - केराकत· चोकरा
(१०) डा० कामेश्वरनाथ वकील - गाजीपुर·
(११) पं० बद्रीप्रसाद शर्मा - उन्नाव

बीस रुपये केदार मल्लाह - सोमेश्वरनाथ वर्मा
को मजदूरी के रूप में दिया। वह शुक्रवार २० ता० से
१. तिवारी का काम कर रहा है →
रात में बाबतपुर के श्री विश्वनाथ राय से भेंट हुई।
उन्हें निमंत्रण दिया। छपरा के शास्त्रियों रामदेव राय
आदि· केराकत· तथा बलदेव राय जी· रघुवीर राय
को निमंत्रण दिया गया।

आज कचहरी में लौटी समिति के रामदेव पांडे
तथा उनके सहयोगी मिले। श्री रामदेव पांडे को
१२० रुपये चंदे की एकत्रित रकम दी तथा
७५ पैसे की गोदना खरीद कर दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज फल दो रुपये। सिंघाड़ा दो रुपये। साग-सब्जी ७५ पैसे। अखबार १ रु० ३० पैसे। 'आज' 'ऑर्गनाइज़र' एवं "Times of India"। लिफाफा का ७० पैसे। दूध दूधवाली को दो रुपये।

आज लोहार लोग आये सागवान का उखाड़कर काटा। अर्थात कच्ची लकड़ी काटी गयी।

सायं काल जनार्दन राम आये और इंजिनियर आज भी नहीं मिला।

अंचीता होने का खड्गपाणि शर्मा पटना से लौटती आयन पर आये। रसोईघर बनने की सलाह हुई। १०० रु० अलग से उन्हें सीमेंट-बालू आदि के लिये दिया। २० रुपये उन्हें ही बब्बूलाल को पेशगी देने के लिये दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज जनार्दनराय के डेरे पर गये। श्री चन्द्रदीप पाण्डेय से भेंट हुई। मेला-पत्रिका दिया।
टाइपिस्ट ने आज भी लौटा नहीं दिया। महाधूर्त है।
उप सिद्धनाथ तिवारी से भेंट हुई। बिन्दवी की भी चर्चा किया। वे होमियोपैथ दवा देंगे।
फल दो रुपये। नियुताग दो रुपये। गौड़ लोग को लकड़ी काटने तथा चीरा करने का कागज प्राप्त हुआ। दूध २ रुपया मूजा-मोमबत्ती सलाई १ रुपया।
बच्चों को मनकोन अमिया बदाम के रुपये।
सायंकाल खड़गधारी शर्मा से भेंट हुई। इलाहाबाद बैंक के हेड क्लर्क-इनटी के अर्थ-उनसे मैनेजर श्रीराधा कृष्ण राय के Motivated स्थानान्तरण की बात मालूम हुई। फागू राय को भी निमंत्रण दिया। रामपुर के मुखिया जी का बशिष्ठनारायण राय को निमंत्रण दिया गया। गणेशसिंह एवं श्री चन्द्रहास राय को भी निमंत्रण दिया गया। आज भी खड़गधारी को पचास रुपये दिया। लोहारों की मजदूरी तथा सीमेंट ३० रुपये।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २६ फरवरी सन् १९८१ फाल्गुन कृष्ण ७ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन ७, शक १९०२ फ. १३८८ ने. १५ गते

आज बगीचा · कलुआ का पुत्र किसी नक्शा दर्शित कागज दे गया। कागज एकदम झूठा है · दस रुपये पानी में गये। लेकिन समय पर नहीं भेजा जा सका। आज भी लौंडे-का की जोड़ाई हुई · बगान साफ होती रही।
दूध दो रुपये। रिक्शा २ रुपये। केला दो रुपये।
छः रुपये ४० पार के दो बल्ब।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भी आँधी हुई। दिन में साइकल पं. कुलदीप नारायण राय 'झड़प' घर के आजमगढ़वासी विद्यार्थी कविपुंगव-भोजपुरी-'कौशिकायन'; सत्कायन के लोकार्पण को लेकर आ गये। घंटों बातें हुईं। चन्द्रशेखर 'मिश्र' जी अध्यक्षता ग्रहण कर रहे हैं। मुख्य निर्देशक: श्री सत्यनारायणलाल होंगे तथा अध्यक्ष श्री सर्वेन्द्रपति 'त्रिपाठी' जी होंगे।

आज रजिस्ट्रार के यहां पेंशन के लिये 800 रुपयों में से 450 रुपये लिया। 20 अस्सी रुपये बलदेव को दो मास दिसंबर-जनवरी का वेतन दिया।

२० रुपये के दाम मलाई - भोजन नाश्ता - दूधवाला कुल ४० रुपये के दाम को दे चुका।

आज से गोविन्दा का दूध ले रहा हूं सबेरे।

केला दो रुपये। रिक्शा डेढ़ रुपये। खड़गधारी को 60 रुपये दिया रंग आदि के लिये - पुताई हेतु।

ईश्वरदयाल का गोपाल आया। ईश्वरदयाल की पत्नी ने उन्हें पागल कर - बहका के अलग हटा दिया है। उन्हें कागज के जरिया भी जो भुलावा दिलाया समझा-समझावा देना है। ईश्वरदयाल ठगे से पड़ गये हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज स्वामी शिवानंद सरस्वती के प्रपौत्र नागेश्वर शर्मा उनका पत्र एवं निमंत्रण पत्र लेकर आये। मिले। वे व्यस्त हैं। सिद्धनाथ राय स्वयंभू नेता का.मु.इ. दल के कारण एवं व्यवहार की भी चर्चा उन्होंने की है - अपने पत्र में। इससे इन मनचले लुक्कड़ युवानेताओं के व्यवहार-चरित्र एवं नैतिक स्तर के संबंध में आरोपण का भाव स्पष्ट ज्ञात हो जाता है। ये समाज के घोर शत्रु। अपने घृणित स्वार्थों की पूर्ति के लिये कुछ भी कुकर्म कर सकते हैं।

* * *

रिक्शा ९) रुपया · स्वामी २.५० · केला दो रुपये।

आज रसोई घर जोड़ने का कार्य पूरा हो गया। बगल की सफाई भी एक स्थान पर पहुंच गयी। दरवाजे की मरम्मत के लिये - सीमेंट बालू आ गया। डा० अ० कु० अंजनेय जी आये तथा अपने कार्य के लिये स्वामीजी की शिक्षाप्रद कृतियें मांग कर ले गये।

(१) क्रांति और संयुक्त मोर्चा (२) किसान कैसे लड़ते हैं (३) किसान सभा के संस्मरण (४) स्वामी सहजानंद सरस्वती — आचार्य धर्माजी शास्त्री (५) जमींदारी प्रथा का खात्मा कैसे हो? आदि। उपन्यासों की कॉपी।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज १०० रुपये रजिस्ट्रार के मार्फत अपने पेंशन के मद में से लिया। १५० रुपये पहले ले चुके हैं। अब ६०० पेंशन में से २५० रुपये उनके पास शेष जमा हैं। २५ रुपये लेडग ? को लोटा-जूता बनियान आदि के लिये दिया। २५ रुपये श्याम बिहारी राय के मकान लो. सिंघाड़ा तथा ओक के मांड़े के लिये दिया। दूध-चीनी कलन एवं आज का चार रुपया, दो पैसा करीब ७० पैसे। आज कानपुर के श्री जमुना प्रसाद जी आये। उनसे दुर्गाप्रसाद की धर्मपत्नी को समझाने के लिये अपना संदेशा भेजा तथा उन्हें बुलवाया।
आज घर का ताले ? हुई। सफाई की हुई। -

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

विजया ११ सबकी

आज खपड़े के घर का पूरा ठाट होकर कुछ छवाई हुई। स्वामी सुगतानंद प्रयाग से आ पहुँचे। कृतपुर गये थे कुछ व्यवस्था के लिये। बाजार से २ किलो दाल मंगाया। पांच किलो घी मंगाया जा चुका है। पोचारा थोड़ा हुआ। आज कई दिनों से गाए का अवधबिहारी आया है, यह अत्यन्त श्रद्धालु भक्त, सेवक और परमार्थी है। उसकी कर्मठता से प्रसन्न हूं। धूप उठी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ३ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन कृष्ण १२ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन १२, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २० गते

आज खड़गधारी नहीं रहे किन्तु आदमी का पूरा प्रबन्ध
करके गये हैं सहायार्थ। आज पूरी धवाई होगयी।
ब्रह्मदेव, अल एवं केदार पोतन का कार्य करते
रहे। चोपाटा का कार्य विधिवत् पूरा होगया।
आज श्री मुसाफिरलाल तथा दामोदरराणजी
आ गये। कृष्णा अवधबिहारी को मैजम दिवा
दो तथा दो फावद मंगवाया। शिवशंकर के यहाँ से
पाँच किलो चीनी आयी। रजिस्ट्रार का राम मंगाये
गये।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ४ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन कृष्ण १३ संवत् २०३७
रा. फाल्गुन १३, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २१ गते
महाशिवरात्रि व्रत । पंचकारम्भ ५०।४३ से । प्रदोष

आज भी कुछ पोंछाए एवं पालने का कार्य हुआ। जयंती का भोजन भंडार बना। श्यामबिहारी भंडार की व्यवस्था करते रहे। ५५ किलो आटा पकाया गया। दही भी गाढ़ा पहुँच गया है। सिमरी के दस व्यक्ति आये। पं. सूर्य देनारायण शर्मा भी आये। चांदनी आयी।
पं. पद्रीप्रसाद शर्मा ने शिवजी की पूजा की। झंडा फहराया गया। दो झंडे "ॐ" के गड़े। १२ बजे तक संपूर्ण समाज ने भोजन किया। सभा की कार्यवाही विधिवत संपन्न हुई। इस बार प्रायः सभी गणमान्य इर्दगिर्द के आये। वो बक्सा के केशव शर्मा प्रो० सीजनारायण कुवँर तथा रामाशंकर पांड़े: शीवनाथ पांड़े सिमरी .. आदि आये। मेरे बारी के माई भीरा सचिदानंद: श्यामबिहारीराम भी आये। विनोद . मधुमंगल . बैकुंठ लाल आदि आये। खर्च बहुत हुआ।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ५ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन कृष्ण १४ संवत् २०३७
रा. फाल्गुन १४, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २२ गते

जयंती के बाद दिन भर टिपकारी होती रही। मिस्त्री बुलाकर
कांम बनवाने का विचार किया। सबों के सामान उन्हें
वापस लौटाये गये। आज सुस्ती और शिथिलता
रही। सीमेंट की चिन्ता लगी रही। पर कोई व्यवस्था
नहीं हो सकी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज यमुना मिश्री के प्रेमपूर्ण आग्रह पर उनके यहां अन्न भोजन करना पड़ा। कुछ तो दिक्कत और परेशानी होता रहा। चाँवर एक बार तैयार हुआ श्री रामभरोसे पाण्डेय समिति से आये और ३०० रुपये पुस्तक के मद में दिया। ५० रुपये अपनी रामायण की कोठरी के लिये दिया।

मैंने ३० रुपये केदार मल्लाह को दिया। २५ रुपये बच्चन कोहरी के लड़के को दिया। ये पैसे उनकी मजदूरी के थे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज झड़प जी और गारा के श्री अवधबिहारी के साथ बक्सर से चलकर राजगुरुमठ में १ बजे पहुँचे। कानपुर जाना था किन्तु सुरेश राय के तिकड़म और चौबे से कार्यक्रम भंग हो गया। बड़ा क्रोध एवं पश्चात्ताप हुआ।

रेल भाड़ा २१ रुपये। बक्सर में रिक्शा ४ रुपये। काशी में रिक्शा तीन रुपये। दूध ४-५० रुपये। रामवचन के चाय ५० पैसे। तरकारी १ रु० ५० पैसे।

डा० भोलानाथ शर्मा, पं० गणेश चौबे, बंगाली संगत, पं० रास बिहारी राय शर्मा - पटना। भोजपुरी साहित्य सम्मेलन - जमालपुर - ईस्ट गार्डिनर रोड - पटना - १। स्वामी शिवानंद सरस्वती पटना - ब्रह्मर्षि समाज कानपुर तथा [illegible] शर्मा - [illegible] के पत्र, जो पहले से आये थे - रामवचन का [illegible] मिले।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पञ्चकांत ५७।१० पर

आज क्षोभ में पड़ा रहा किन्तु धीरे धीरे मन को शांत एवं स्थिर किया। विधाता के विधान के आगे चारा ही क्या है? अभी मेरा कानपुर पहुँचना ईश्वर को मंजूर नहीं था।
रामपलन को चाय १ रुपये। दूध तीन रुपये। धूपबत्ती ५० पैसे। [illegible] काटी २ रुपये। सुरेश की मूर्खता की पोल खुली; वह कुछ महत्वपूर्ण कार्य करने में असक्षम है। जहां जीवन मूल्यों, नैतिकता, चरित्र आदि की मर्यादा का ह्रास होता जा रहा है वहां सफलता की आशा बेकार है।
किन्तु क्रोध एवं क्षोभ उचित नहीं है, मुझे धीर शांत और उदार ही बने रहना ठीक है। गोस्वामी जी ने लिखा है →"तव मायावश जीव जड़, संतत फिरइ भुलान।
तेहि पर क्रोध न करिय प्रभु, कृपा सिंधु भगवान॥"
भगवत् इच्छा प्रबल है। प्रभु की इच्छा के बिना तृण भी नहीं हिल सकता।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज लिफाफा का टिकट १ रु० ४० पैसे। तरकारी १ रु० ३० पैसे।
दो पत्र- एक डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा को तथा दूसरा
मौरीशस अकादमी के देवाक पं० इन्द्रदत्त त्रिपाठी को लिखा।
~~[illegible]~~ दूध १ रुपया दिया। दो रुपये बाकी हैं।
सिमरी के मानस यज्ञ की 'विज्ञप्ति' का मसविदा
लिखकर तैयार किया और 'मधुप' जी को दिखाया।
आज श्री नृपेन्द्र त्रिपाठी घर जाने के पूर्व भेंट करने
आया। उससे अवधविहारी के आजमगढ़ आने की बात
मालूम हुई। डा० रामवचन शर्मा का कार्ड पत्र
मिला है। दाल १ रु० २५ पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १० मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल ५ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन १९, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २७ गते

आज डा० रामतपस्या शर्मा · पटना-टिकियाटोली को
तिमरी के रामायण सम्मेलन के कार्यक्रम के संबंध में लिखा
पत्र 'मड़ई'जी द्वारा छोड़ने को भेजा। तरकारी १रू०३०पैसे।
दाल ४रू०४ आने। दूध का कल आज लेकर ५ रुपये दिया।
मड़ईजी को रिक्शा भाड़ा - पूर्वाञ्चल मेल जाने के लिये।
[illegible] जी दिन में आये। उन्हें सिमटी की नौकरी तथा
[illegible]० रुपये पेशगी के दिये। १०० रुपया उनका बकाया
दिया जो लेटरपैड तथा · निमंत्रण कार्ड का बकाया रह गया
था। रामावतार बा के बीस रुपये सीमेंट में के अधिक
लौटा दिया। स्वास्थ्य इन दिनों ठीक नहीं रहता।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ११ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल ६ संवत् २०३७
रा. फाल्गुन २०, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २८ गते

आज प्रातः जलपान १ रुपये का मूंजा। दाल १.२५ पैसे. तरकारी १ रु० ५० पैसा। दूध तीन रुपये। लिफाफा ५ वक्स ७५ पैसे। रामायवतार की चाय ५० पैसे।
भोजन बना लिया। अपराह्न में बनुआ के शिक्षक समाज श्रीगंगाप्रसाद शर्मा; श्रीपरिनारायण शर्मा. हीरा शर्मा आदि के द्वारा सबको संबोधन पत्र लिखा।
ताला बनाई ४ रुपये। अयवाग ५० पैसे। रवतीपुर के पते पर प्राचार्य रामवचन राय को पत्र लिखा। इलाहाबाद देउरीकलाँ के पं. राधिकाशरण जी को पत्र लिखा।
सुरेश राय अंधेरा होने पर आये और मुँह और वर्को पीछे से दण्डप्रणाम किया: स्वं तुरंत अपने कमरे में चले गये।
अपराधी छिपता है। क्या करना होगा?
क्षमा एवं शांति के अतिरिक्त दूसरा उपाय कोई नहीं है। बलात् किसी का स्वभाव नहीं बदला जा सकता।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार १२ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल ७ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन २१, शक १९०२ फ. १३८८ ने. २९ गते

आज फणीन्द्रकुमार के दर्शन हुए। नेपाल का मौखिक समाचार संक्षिप्ततः मिला। पुजारी को पांच रुपये दिया। कुछ चावल आटा दिया। दूध तीन रुपये। सिमरी की नोटिस छपकर आयी.. कुल बिल. १४० रुपये। ४० दिया.. १०० बाकी है। झड़प जी लिखते पढ़ते रहे। बुद्धि - विचित्र हैं - बिल्कुल [illegible]रदामी। किन्तु सर्वत्र से उदासीन रहना ही उचित है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार १३ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल ८ संवत् २०३७
रा. फाल्गुन २२, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ३० गते

होलाष्टकारम्भ

श्री कुलदीपनारायण मऊपके साथ. शैठवेज स्टेशन के पूर्व टी. इंगलिशिया लाइन आकर गाजीपुर की बस पकड़ा तथा गाजीपुर - दामोदर राय के डेरे पर पहुँचे। वे हमलोगों के स्वागतार्थ पहले से उपस्थित थे तथा सभी का व खानपान प्रबंध किया था। भोजन विश्राम हुआ तब तक उपाध्याय में भी विश्वरूप शर्मा एवं पं. सूर्यनारायण शर्मा (सिमरी) भी पहुँचे।

रात में उनलोगों से। कृष्णचन्द्र राय से तथा स्वामी सहजानंद विद्यापीठ के प्राध्यापक डा० मांधाता राय और पं. रामचन्द्र शर्मा. से भेंट और बातें हुई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

खरमास आरम्भ

प्रातः गंगापार रेती से नित्यक्रियानिवृत्त होकर हम सभी
झड़पजी, शर्माजी, विश्वनाथ आदि डेरे पर पहुंचे। जलपान
किया। आज का भोजन के० सी० राय, व्यवस्थापक
स्वामी सहजानंद विद्यापीठ के यहां हुआ। भोजन के लिये वहां
[illegible] के निवास पर पहुंचने पर सहसा उद्दांत-दुर्वृत्त दयानंद-
(कुंडेसर के देवनाथ) पांच सात सौ रुपयों की रेशमी पोशाक
पहिने आ धमके। उनके भतीजे वे बैरगढ़ से आ रहे थे।
पहले तो उन्होंने अपनी आपबीती गाथा में अनेक व्यंग कहे पर बाद
में स्वभावानुसार कुछ खा पी श्री स्वामी सहजानंद विद्यापीठ पहुंचे।
सभा का - अर्थात् किसान गोष्ठी का कार्यारंभ हुआ। जिलाधीश
श्री सुबोधनारायण झा ने उद्घाटन भाषण किया। अनेक
वक्ताओं के व्याख्यान हुए। जिनमें डा० मांधाता, प्राध्यापक उक्त महाविद्यालय
. झड़पजी, स्वामी दयानंद, कविवर हृदयेश जी, डा० विवेकीराय आदि थे-
दयानंद ने अपनी कलही वाणी में उटपटांग बातें कहीं - अंत में मैंने
अध्यक्षीय वक्तव्य में समन्वयात्मक और सारगर्भित बातें कहकर प्रभावो-
त्पादक वातावरण में सभा समाप्त कराया। व्यवस्थापक के० सी० राय के
धन्यवाद ज्ञापन के बाद समारोह सभा विसर्जित हुई। कार्यालय में
स्वामीजी के जीवनदर्शन पर शोध कार्य के लिये मैंने एक वार्षिक
देने का संकल्प सुनाया। बाद में जिला मजिस्ट्रेट की
धर्मपत्नी से स्वामीजी के संबंध में शोध कार्य की लम्बी बातें
हुईं। रात में स्वजातीय ब्राह्मण-परिषद के गठन के संबंध
में विचार विमर्श हुआ। हरदेवराजी, डा० विवेकीराय आदि भी थे।
[illegible] से आगे और [illegible] विचार विमर्श का
कार्य संपन्न हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः दामोदर राय के डेरे से झड़पं जी के साथ रोडवेज के स्टेशन
आये। पं. सूर्यनारायण शर्मा, श्री विश्वरूप और अशोक कुमार
डुमरी भी थे। ११ बजे उजियार पहुँचे। डा० आंजनेय केसरी
के, जलपान भोजन हुआ। रामगोपाल राय साहब भी आये
श्री रामरीझन रसूलपुरी के सम्मान के संबंध में बातें भी
होता रहा। उपरान्त बक्सर आश्रम पर लौटे। सिमरी से कि-
के दूत बनकर आने की बात मालूम हुई। संतरा १ किलो लिया।
झड़पं जी को भाड़ा सहित अन्य मार्ग व्यय के लिये १५ रुपये
दिया। कल्याण गये। दो रुपये ब्रह्मदेव को दिया। रात में
खड़गधारी एवं श्यामबिहारी आदि से भेंट और बातचीत।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १६ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल ११ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन २५, शक १९०२ फ़. १३८८ ने. ३ गते

आमलकी ११ सबकी

प्रातः विद्यापति के साथ बक्सर होते- सिमरी के लिये प्रस्थान। दो पत्र लिखकर- डा० रामनन्दन शर्माजी एवं स्वामी शिवानंद सरस्वती को राजेन्द्र के द्वारा भेजा। राजेन्द्र को भी एक पत्र लिख भेजा कि मैं २७ मार्च को अपराह्न पटने [illegible]गा।- सिमरी की बस पकड़कर सोनवर्षा उतरे। बूंदा-बांदी के बीच दो कोस पैदल चलकर- रामपट्टी में श्रीमान् केवलजी - रामायणशर्मा के दरवाजे पर पहुंचा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १७ मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल १२ संवत् २०३७

रा. फाल्गुन २६, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ४ गते

प्रदोष

पं सूर्यनारायण शर्मा के पुस्तकालय में भेंट किया। श्री विश्वरूप शर्मा और उनसे रामायणयज्ञ के संबंध में अनुकूल बातें हुईं। पं· विश्वनाथ शर्मा आदि को भी सूचना दी गयी। नमोनारायण तथा शेषनाथ पाण्डेय, आदि से बातें हुईं। रात्रि में श्री रामचन्द्र पाण्डेय मिले। उत्साहवर्द्धक बातें तो हुईं। जलपानादि विश्राम किया। रत्नेशजी के 'सत्यासत्य' महाकाव्य की भूमिकाओं को पढ़ा।

डा० रामतपस्या शर्मा को पत्र लिखा। मु०प्र०म० अ०शि० शास्त्रीजी आये... मानसयज्ञ-व्यवस्था की योजना बनायी

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रात: सूर्यनारायण शर्मा से मानसयज्ञ के संबंध में कुछ बातें हुईं। समर्थन्ता देते हैं, भीतर जो राजनीति हो। दूधीपट्टी-बघुवाड़ा के श्रीरामनारायण भी थे। दिन में पंडित विश्वनाथ शर्मा आये। बातें होती रहीं। पं. काशीनाथ जी. मोहनपंडित आदि से बातें हुईं। श्री गुलाब शर्मा द्वारा बीकानेर रामायणी तथा ... भगवती प्रसाद द्वारा शीतला प्रसाद शर्मा को पत्र दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज आठ बजे प्रातः दुखीपट्टी-बनुवाड़ा-श्रीरामराम शर्मा के दरवाजे पर बैठक हुई। रामायण-यज्ञ के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। वे लोग आपस में संगठन करके निश्चय करेंगे तथा सामूहिक सहमति से सहयोग की बातें तय करेंगे। उनकी यह बैठक २२ता. रविवार को दिन में होगी। पं. रामजनम शर्मा-रहीमपुर को पत्र लिखवा-रामायण के संबंध में नोटिस भी भेजी।
सायंकाल-यज्ञ झोपड़ी-बकुलहाँ-आश्रम पर रामपट्टी-हाजीपुरा-खैरा-बकुलहां के कुछ सज्जन लोगों की बैठक हुई। चंदा की तथा बांस काटने आदि की बातें निश्चित किया जाय में तय होती रहीं।
श्रीरामप्रताप यादव बड़े चैतन्य एवं कूटनीतिक दांवपेंच में उठते बैठते नजर आये। यह इनके पतन का लक्षण है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार २० मार्च सन् १९८१ फाल्गुन शुक्ल १५ संवत् २०३७

स. फाल्गुन २९, शक १९०२ फ. १३८८ ने. ७ गते

होलिकादहन । स्नान-दान-व्रत की १५

आज भी यज्ञस्थली की झोंपड़ी पर दिन में स्वामीजी के संरक्षण के संबंध में कुछ चर्चा हुई। कुछ पुराने लोग पुरावृत्त सुनाते रहे। कल दिन में पुनः जुटने की सूचना पं. काशीनाथजी; पं. विश्वनाथ शर्मा तथा श्री हरिनारायण पाण्डेय आदि को भेजी गयी। आज खैरा रामवृक्ष पाण्डेय के परिवार के सदस्य श्री रमेश पाण्डेय के यहां भोजन किया। वे उ०प्र० पुलिस सेवा में P.S.I. पद का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। आज होलिकादहन था अतः लोग उसी धुन में विक्षिप्त तथा व्यस्त थे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वसन्तोत्सव

आज प्रातः श्री हरनारायण पाण्डेय, काशीनाथ पाण्डेय और शिवपूजन शास्त्री तथा अन्यान्य लोगों के एकत्रित अखाड़े में स्वामी जी के संस्मरण की बहुत कुछ बातें अंकित की गयीं जिनके आधार पर उनका संस्मरण लिखने का यत्न होगा। भोजन विश्राम किया। अपराह्न में श्री [illegible] जी के साथ उनसे भेंट करने गये। भेंट हुई। उन्हें [illegible] की एक प्रति भेंट की तथा साहित्य पत्रिका भी दिया। वहाँ से लौटकर शौचादि से निवृत्त होकर रांची विश्वविद्यालय में हिंदी विभागाध्यक्ष डा० वचनदेव कुमार जी को स्वामी जी के मानस हंस में २० मई सेमिनार के बीच प्रवचनकर्ता के निमित्त समय देने की प्रार्थना से युक्त पत्र लिखा और अभिनन्दन पत्र उसी पत्र में डालकर भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २२ मार्च सन् १९८१ चैत्र कृष्ण २ संवत् २०३७
रा. चैत्र १, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ९ गते

६ राष्ट्रीय वर्षारम्भ

आज श्री उच्चमाध्यमिक विद्यालय सिमरी के निकट यज्ञशिविर की झोंपड़ी पर चारोपट्टी के प्रधानों की बैठक हुई। रामायणयज्ञ के संबंध में व्यवस्थासंबंधी परामर्श ११ बजे तक होता रहा। दोपहर में अरवार रामपट्टी रामाश्रम के यहां भोजन किया और [illegible]गर के पं. रामकेदार शर्मा को रामायण सम्मेलन के निमंत्रण के रूप में पत्र लिखवाकर तैयार किया।.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज यज्ञ· कार्यालय· सिमरी में सातों गावों के प्रतिनिधियों की बैठक.. सम्पन्न के बाद पन्द्रह सदस्यों की एक कार्यसमिति बनी। दक्षिणी क्षेत्र में जाने की समिति बनी। कलकत्ता जाने की समिति बनी। पट्टी·पट्टी की कार्यकारी उपसमितियाँ बनीं ·कल परसों से यज्ञशाला का निर्माण होने लगेगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रात: ६ बजे मौजीपताल सिमरिया बक्सर के लिये प्रस्थान करके रामाश्रम की गाड़ी से आश्रम पर पहुंचा। कुछ लोग रामरेखा पाड़े· मनोज गाय· जलधारी आदि कतवारा कमरपुर· करहेती· इटाढ़ी· रामजीहा· बोक्सा का क्षेत्र घूमने प्रचार करने तथा चंदा आदि के लिये आये तथा दिशाल मंगाये। देव को नाव के लिये ३० पैसे दिया।, संतरा ५ रुपये रिक्शा दो रुपये· दूध घी की तीन रुपये। मोमबत्ती· दियासलाई ५० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः रामेश्वर पांडे - त्रिमूर्ति हरिनारायण पाण्डेय के
साथ... नृपेन्द्रनाथ · रामजी आदि को लेकर कल्याण-कामरूप
की यात्रा से लौटकर आये। ये लोग हरदुआ · बोकसा रमजीहा ·
आदि भी गये। १५ रुपये नृपेन्द्र के पास से श्री रामेश्वर पांडे -
रामाश्रय पांडे के घर मे मिलो पूजा प्राप्त किया। कल्याण गये ·
महेन्द्र को चिकित्सा के लिये २ रु० ३५ पैसे। १ रुपया [illegible]
कल्याण गये · श्यामबिहारी · धर्मराज से भेंट। भोजन विश्राम।
संध्याकाल के श्री भीष्म पाण्डेय से भेंट · समाचार। वीरपुर-श्री
शर्मा · उमाकान्त शर्मा आदि को पत्र लिखा। पं · राधिकाप्रसाद
पाण्डेय को सिमरी के यज्ञ में आने के लिये पत्र लिखा।
रिक्शा से कल्याण से आश्रम पर। रिक्शा भाड़ा · १·५० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज अपराह्न रविन्द्र कुमार आये मिले। उन्होंने परिवार का समाचार कहा। सायंकाल भट्टजी एवं रामगोपाल राय आये... विचार विमर्श हुआ... मौर्य में पढ़ने की मात्रा कमती है। ..... रिक्शे की हड़ताल से शहर में आवागमन अस्तव्यस्त है। ... रिक्शा-टैक्सी के मालिकों में मतभेद हैं। नवी के बकवास की लोग.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः रात्रि वाराणसी एक्सप्रेस से मैं 'मड़प' जी एवं श्री [illegible] तथा [illegible] राय के साथ पटना पहुँचा। स्टेशन पर उन्हें स्वामी सहजानंद स्मृति [illegible] समिति के कार्यालय में पहुँचा। श्री [illegible] शर्मा [illegible] उन्होंने [illegible] स्वागत किया। [illegible] ... मैंने फलफूल व [illegible] का (संतरा-केला) खरीदा। सायंकाल रिक्शा द्वारा फुलवारी [illegible] के [illegible] के पास श्री [illegible] राम शर्मा के डेरे पर पहुँचा। श्री शिवानंद जी के आश्रम पर श्री [illegible] राय जी का एवं 'मड़प' जी का [illegible] किया। रिक्शा ३ रु० ७५ पैसे। श्री [illegible] जी से मैंने रवं [illegible] हुई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शीतलाष्टमी

प्रात: रिक्शा से राजेन्द्र प्रसाद- स्टेडियम के पास प्रो० डा० गोपालराम के डेरे पर पहुंचा। उनसे समिति के कार्यक्रम के संबंध में विचार विमर्श हो एवं निश्चय हुआ। वहां से राष्ट्रभाषा परिषद कार्यालय गये। श्री राधा वल्लभ शर्मा अनुसंधान पदाधिकारी रा० राष्ट्रभाषा परिषद के कमरे में घंटों बहुत बातें होती रहीं। अकादमी की गोपनीय बातों के संबंध में कुछ जानकारी हुई। राष्ट्रभाषा परिषद से कुछ महत्वपूर्ण ग्रंथ की खरीदा। ३० रु० ७० पैसे का निर्धारित मूल्य के - लट्ठा जाती: → पुस्तकें कुल ५३ रु० ४० पैसे की रहीं पर कमीशन घटाकर उपरोक्त मूल्य देना पड़ा। आचार्य श्रुतिदेव शास्त्री से भी समारोह के कार्यक्रम के संबंध में बातें हुईं। उन्होंने समय देने का वचन दिया।

① मध्य काशी का इतिहास- वासुदेव जी · ② खंड.
③ क्रांति को ता - दामाद ·
④ भोजपुरी, कवि और काव्य ·
⑤ भोजपुरी लोक की निन्दा · डा० शशि शेखर तिवारी ·
⑥ भोजपुरी · संस्कार गीत · राधावल्लभ शर्मा ·
⑦ सायंकाल के पूर्व भोजपुरी-अकादमी गया। पं० श्यामसुन्दर त्रिपाठी से भेंट हुई। वे प्रसन्न थे। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का था। अब वे संशोधित नियम के अनुसार वे भी मिश्र-कम्मा: होंगे। शाम को पुन: वापस लौट आया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Sunday the 29th March 1981.

रविवार २९ मार्च सन् १९८१ चैत्र कृष्ण ८ संवत् २०३७

रा. चैत्र ८, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १६ गते

आज ९ बजे अन्तर्जनपदीय-परिषद्, उज्जियन का
प्रथम अधिवेशन - स्वामी सहजानन्द सरस्वती स्मारक
समिति में पं० रवीन्द्रपति त्रिपाठी की अध्यक्षता
में सम्पन्न हुआ। श्री राम टीका रघुवंश जी; श्री शुकदेव
शर्मा जी, [illegible] विहंगम · [illegible]
आदि का स्वागत हुआ। [illegible] संग
[illegible]। डा० गोपाल जी, प्रा० अर्जुनसिंह
प्रा० व्रजकिशोर आदि उपस्थित थे। प्रथम सत्र
विधिवत् हुआ। राम जी ने फोटो खींचे। अपराह्न में
पं० हृदयनारायण मिश्र जी अध्यक्ष थे। सत्र
पूर्णतः सफल रहा। कवि सम्मेलन हुआ.. रात में
बहुत आंधी होने पर [illegible] के साथ
[illegible] ४ [illegible] [illegible] को
[illegible] पहुँचा। [illegible] विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः भोजनोपरान्त 'पाण्डेय' जी के साथ
श्री स्वामी सहजानंद स्मारक समिति- कार्यालय-पटना
पहुँचा। वहाँ से अर्जुन प्रसाद सिंह के डेरे पर पहुँचा-
कार्यक्रम तय हुआ। वहीं पुनः डा० राम लखन शर्मा
से भेंट और १० ता० को ११ अप्रैल आने की बात तय रही।
लौटते समय राह में श्री आचार्य प्रियव्रत शर्मा से
भेंट हुई और १७ ता० को उनके कार्यक्रम का निश्चय हुआ।
पुनः समिति कार्यालय आये और तब भोजपुरी अकादमी
कार्यालय में जाकर नये अध्यक्ष श्री सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी
को माला पहनायी। वहीं सत्यनारायण लाल जी से
भेंट हुई। बातें पुस्तक कालेज होती रहीं। मैंने अध्यक्ष तथा
निदेशक से दो नये पुस्तक का भी देने को कहा।
किन्तु अन्त में निदेशक महोदय ने प्रेम तथा श्रद्धा-
सहानुभूति दिखाई और जिम्मेदारी लेने तथा निश्चिन्त
रहने को कहा। सायंकाल समिति में स्वामी चिदानंद
से - समिति की कार्यसमिति तथा ट्रस्ट में स्वामी
सहजानंद सरस्वती की पुस्तकों का प्रतिनिधित्व रखने
की बात हुई। सायंकाल योगीराज शास्त्री के डेरे पर
पहुँचा। जलपान विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ३१ मार्च सन् १९८१ चैत्र कृष्ण १० संवत् २०३७

रा. चैत्र १०, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १८ गते

आज कुल वालिद सौजपुर-शरद पकड़ का दवखाना
राजेन्द्र ने रिक्शा कराया तथा व्यवस्थापक के ५ रुपये दिये।
मुन्नी वैद्य जी को २५+३ कुल २८ रुपये दिये हैं।
कश्यप जी का पुलिस लाइन्स उतारना। रोजगार के
उद्योग तथा भागवत का। भोजन विश्राम किया।
संध्या ५ रुपये का मिला। धूप आदि दो रुपये। रिक्शा
१.५० ५०, पैसे।

भगवान्— भग— ज्ञान, वैराग्य, ऐश्वर्य, धर्म, यश
तथा श्री। (षट् संपत्ति)

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वुधवार १ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र कृष्ण ११ संवत् २०३७

रा. चैत्र ११, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १९ गते

पञ्चकारम्भ १६।५ से । पापमोचिनी ११ सबकी

आज सपईं के वकील तथा सिमरी के जनार्दन राय वकील आये। उन्हें रहने के लिये मकान नहीं मिल रहा है। चार पांच महीने तक आश्रम में रहना चाहते हैं। अतः निवेदन युक्त अनुमति देनी पड़ी। किन्तु वे लोग खरचा स्वयं देंगे। शिव शंकर के यहां करीब १५० रुपये लिये। किन्तु गलत रुपये मिले। नोट खराब हैं कल कचहरी में बदलना होगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Thursday the 2nd April 1981.

गुरुवार २ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र कृष्ण १२ संवत् २०३७

रा. चैत्र १२, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २० गते

प्रदोष

कचहरी में गये रुपये बदलने गए एक नंबरी को शेष दस दस की नोटें लिया। सायंकाल दूध दो रुपये। सात रुपये भोला को कलेवा का दिया.. तीन रुपये डालिया वाले अहीर के दूध के लिये दिया। ये दस रुपये ब्रह्मदेव के द्वारा दिये गये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मासशिवरात्रि व्रत

आज प्रातः बनारस एक्सप्रेस से रु.४० देकर टिकट लिया और वाराणसी उतरकर मठ में पहुँचे। कद्दू एवं टमाटर [illegible] भोजन बनवाना किया। राजेन्द्र बेनीपुर वाले आ पहुँचे। उन्होंने भोजन बनाया और साथ-साथ किया भी। गुंजासाहु [illegible]तानंद - तमालपुरा के श्रीराम ओझा शागिर्द लोग मठ में आये ठहरे। यह खबर मालूम हुई। यह रामावतार भी शातिर है। केवल रुपये पाने के लालच से यह सब उड़मंग करते तथा मृतजीवी बने रहते हैं। किन्तु यह अच्छा नहीं है। आगे से सजग रहना होगा। एजुकेशनल [illegible] प्रेस का मैनेजर भी अवकाश[illegible] उदण्ड है आया रुपये के तकाजा में। औद्धत्यपूर्ण व्यवहार करने से उसे डांटना पड़ा - यह सब कुछ नासमझी या उतावली - भूलेराम भी है जो बहुत चंचल और यथार्थ व्यवहार-बोध से दूर हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार ४ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र कृष्ण ३० संवत् २०३७

रा. चैत्र १४, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २२ गते

स्नान-दान-श्राद्ध की ३०

आज प्रातः ज्योतिषी जी के परिवार ने भोजन बनाया। तरकारी दो रुपये। दूध तीन रुपये। घी १ किलो डालडा बेस १४ रुपये। मूंगा १ रुपया। लिफाफा ७० पैसे। भोजन विश्राम। डा० श्रीगोविन्दनाथ शर्मा एवं रामवचन राय जी को पत्र लिखकर लिफाफे में बंद किया। ॐ कार का विवेचन-चिन्तन किया। माण्डूक्योपनिषद् देखा और माण्डूक्यकारिका का स्वाध्याय किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार ५ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल १ संवत् २०३८

रा. चैत्र १५, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २३ गते

पञ्चकांत २१।३८ पर। विक्रमी वर्षारम्भ

भोजन बना। साग दो रुपये। आज से नवरात्रारंभ हुआ। पं. पद्मनाभजी पूजा कर रहे हैं। अतः प्रयाग के मुकदमों तथा "बउधायन" के प्रकाशन की चिन्तन एवं धारणा वृत्ति पर आनन्द रही। प्रवचन ५० मिनट। भगवान् को जाप ५० मिनट। दूध ३ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Monday the 6th April 1981.

सोमवार ६ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल २ संवत् २०३८
रा. चैत्र १६, शक १९०३ फ. १३८८ ने २४ गते

आज तरकारी दो रुपये। वेदांत चिन्तन - माण्डूक्यकारिका का स्वाध्याय। मठ की व्यवस्था के संबंध में चिंता। अन्य बातों की चिन्ता। भोजपुरी ग्रंथों के प्रकाशन की चिन्ता। दूध· तीन रुपया। कोयला· ११·५० लिफाफा - १·४०· रामावतार के बच्चों को जलपान [illegible] लिये १ किलो १० पैसे। चीनी ३·५०· मक्खन ५० पैसे। लिफाफा ·७० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः आठ बजे श्री कमलाकान्त शर्मा; गाय अपने
पुत्र अरुण के साथ आये। इन्हें भोजन विश्राम दिया।
'बउधायन बोध-दीपक' एवं सम्मतिपत्रिका की चर्चा
करने पर पुस्तकों की प्रतियां उन्हें भेंट की। तरकारी
दिन में दो रुपये। पेड़ा एक रुपया। ज्योतिषी जी को।
आज श्री स्वामी शिवानंद सरस्वती, परम श्री गंगावरणाश्रम
पटना: डा० वचनदेव कुमार काशी के पत्र आये।
डा० पी० गय० को भेज देने की रसीद भी आयी।
श्री जनार्दन लाल [illegible] से सायंकाल उनके परिवारिक [illegible] की
बातें हुई। गनीत रविदत्त की चर्चा चली काशी
में। पं० इन्द्रदत्त त्रिपाठी एवं सदैव [illegible]
त्रिपाठी जी को पत्र लिखकर तैयार किया।
तरकारी दो रुपये। दूध 4.50. अखबार 0.50।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Wednesday the 8th April 1981.

बुधवार ८ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल ४ संवत् २०३८

रा. चैत्र १८, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २६ गते

मौलवी कमलाकान्त प्रातः गये। १० रुपये बलात् दिया।
दिन में बहुपर की स्त्रियां आयीं। सच्चिदानंद की पत्नी
रामजी की लड़की तथा कैलाश-पांडे आदि की स्त्रियां
१४ रुपये पूजा में मिले। तरकारी दो रुपये। दूध लिया
रुपये ३ अखबार ५० पैसे। सायंकाल डा० गोविन्द
अपनी पत्नी कमिश्नर रामजी और श्री लक्ष्मण उपाध्याय
लक्ष्मीनारायण सहित पधारे। ये सिंगापुर से
आये हैं। रात को रहे भोजन किया - विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

गुरुवार ९ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल ५ संवत् २०३८

रा. चैत्र १९, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २७ गते

डा० योगीन्द्रनाथ भोजनोपरान्त १२ बजे गये। कचहरी गये। बच्चों को जिलेबी ३ रुपये। तरकारी ५ रुपये। दूध तीन रुपये। दाल २ कि० २० पैसे। गुड़ २ कि० २० पैसे। पुजारी को पाँच रुपये वेतन दिया। सायंकाल पं० राधिकारमण पाण्डेय, उमाकान्त के पुत्रपौत्र के साथ काशी से आये। भोजन बनाया, खाना खाना न किया। दूध ३ रुपये। अखबार ५० पैसे। पं० हृदयनारायण त्रिपाठी एवं सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी और पं० गणेश चौबे का पत्र डाक से छोड़वाया। न तो अनुभव का कोई आया और न सिमरी का ही। पाण्डेय से बातें - पुस्तक और निबन्ध ले गये किन्तु लौटाया नहीं। डा० योगीन्द्रनाथ ने अचार बनाया। १½ किलो च्यवनप्राश दिया।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः ५ बजे नींद तमये। बाद में गाढ़ निद्रा छूटा:
स्नान किया। सहसा श्री ~~[illegible]~~ श्री गुलाब शर्मा.
महासमुन्दपुर। इन्द्रजीत शर्मा, सत्यजीत शर्मा, शिव विला
प्रसाद आदि गाँव से आ पहुँचे। इन्द्रजीत ने श्रा
के ५० रुपये रक्खा और सत्यजीत ने ११ रुपये दिये।
श्री गुलाब शर्मा ने अपने ५ दी माताजी जानें
वाल अही - १ मई से ३० मई तक। जब शांताजी के गुड़े
की सेवा हुई और रमाशंकर का श्रीराम मैथा
अन्न उराया और मगधोर के बाद संस्कारी बना
उसके आधीन के पंजाब में काम-धन्धा है। वह प्रसन्न
पापी है। रामावतार को चाय के लिये १ रुपये
दिया। श्रीमती शीला राय: पाण्डु से बदल-बदल
ज्योति [illegible] के पास जिला आ गये।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार ११ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल ८ संवत् २०३८

रा. चैत्र २१, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २९ गते

महाष्टमी

सच्चिदानंद के घर भी मिलने गईं। ताकारी २ दो रुपये छ० पैसे. दूध तीन ४ पाँच लिये। हवनसामग्री - ५.५० की। रात में हवन हुआ। भागवत - पाठ: - जो स्त्रियों के मातृ-च आदि। मं रोचक का भागवत भी प्रयाग गये। रामायण के समारोह मनायेंगे। सायंकाल उमा भी का लड़का आयुर्वेदाचार्य आया। कल उसकी सेवासदन में अन्तर्परीक्षा है। कवीन्द्र [illegible] का यादव पूर्वांचल के संवाद का पता लगाने के लिये भेजा कि मेरा निबंध तो लौटा न लावें। सुरेश आ गये। पंडित कालिकाप्रसाद वैद्य को संदेश भेजा। सच्चिदानंद के मकान के विषय में पं. रामजन्म शर्मा को रजिस्टर्ड पत्र भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १२ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल ९ संवत् २०३८

रा. चैत्र २२, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ३० गते

श्री रामनवमी

आज भी उन्हीं का लेखका रहा। पिपरा का
नाती भ्रू आया। और एक लड़का के साथ। वह
विश्वविद्यालय की लिखाई का पता लगाने
आया है। लड़के महा उदण्ड और कुपथ्य गामी हो
गये हैं। दवा की दवा औषधि भी है।
दूध २ रु० ०५ पैसे। तरकारी २ रु० ५० पैसे। पोशाक
... को मल्ला व चौधरी ... का चार
रुपये। दो रुपये पंडा को दिया। कहारों को
मूर्ति ... पांच रुपये दिया। राम बहु
को ... रुपया। पानी आदि चार रुपये
अखौरी के लड़के को दिया। कल ... से
यादव - पूर्वांचल ... वाले को उसकी कोठरी
का बकाया २०० रुपये दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १३ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल १० संवत् २०३८

रा. चैत्र २३, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १ गते

आज प्रातः मौजा गाढ़े उमरी के पैया के साथ बयान के लिये चला। ज्योतिषी जी के दूध के लिये ४ दिन का धनदेव राम / बकाया को जिम्मा दिया। रिक्शा भाड़ा १०० ४ आने। दिवस उमरी का लेइ का बनाया। नताबा - बयान ५० पैसे। ब्रह्मदेव को ७५ पैसे। रिक्शा को ३५ पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Tuesday the 14th April 1981.

मंगलवार १४ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल ११ संवत् २०३८

रा. चैत्र २४, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २ गते

कामदा ११ शैवों की

आज संक्रांति के दिन 'अनूप' जी आनेवाले थे. नहीं आये। राम जीवनराय जी सीधे लखनऊ से आये। सायंकाल श्री आंजनेय जी भी आये। कोई खास बात नहीं हुई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १५ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल १२ संवत् २०३८

रा. चैत्र २५, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ३ गते

कामदा ११ वैष्णवों की

आज विद्यापति . श्री गणेश पाण्डे तथा शास्त्री जी के साथ सिगरौ के लिये प्रस्थान। जनके पूर्वीभाग महावीर स्थान के सामने उत्तर - लकड़ी के टालवाले से गाड़ी का झंझट। सिगरौ पहुंचने पर . रामायण के आयोजन में शिथिलता देखा। दूसरे दिन की बैठक के लिये . सेवका . भोजन प्रबन्ध हुआ। श्री गणेश पांडे की बेकली देखी।

अपराह्न डॉ. स्वामीनाथ तिवारी और रामउग्र राय से मिलें। वे लोग कुछ स्वयं आये और सब ढंग की - राजनीतिक - सामाजिक चर्चा होती रही।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार १६ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल १२ संवत् २०३८
रा. चैत्र २६, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ४ गते

श्री महावीर जयन्ती

महाशिवजी के शिविर पर लोगों को सुटायचा ललकारा
कलकत्ता - आयोजन को तेज किया.. अपराह्न वक्त में
गोप. पं. सूर्यनारायण शर्मा से मिले.. अभी तक हाल
समाचार उन्हें बतलाया प्रीति किया। अपेक्षाकृत
तेज हुआ अवस्था। रामचन्द्र, भूपेन्द्र तथा
राजेन्द्र आदि को कार्य के लिए प्रोत्साहित किया।
राजेश कलकत्ता जाने को तैयार हो रहे हैं।
कल प्रातः कामेश्वरलाल के साथ जायेंगे।
टिकट भी नहीं मिल सकी। जोखिम
आवश्यक है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Friday the 17th April 1981.

शुक्रवार १७ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. चैत्र २७, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ५ गते

श्री महावीर जयन्ती। गुड फ्राइडे

आज हस्तमुद्रण के क्रम पर श्री विश्वरूप से मिले
और बातें करके उन्हें प्रीति किया - कुन्दनाशर्मा
के यहाँ गये.. वास्तु व आदि से बातें होती रहीं
पं. विश्वनाथ शर्मा भी मौजूद थे। सर्वत्तिका
मक्ष की सफलता चाहते हैं। बाजार में लौटकर
सूर्यनारायण शर्मा से भी पुनः मिले।
उनकी सहानुभूति प्राप्त करने का यत्न किया।
वे राजनीतिक खिलाड़ी रहे हैं... पैंतरे पर दाव
बदल जाते हैं। अतः किसी मसले पर स्पष्ट
नहीं करते हैं। अभी सब बातें कोशिशें होती
हैं। वे श्लेष-युक्त भाषा में हाँ और न के बीच
में अपना मन्तव्य प्रकट करते हैं।
आज सप्तकाल रेवा की गोष्ठी बैठक
में भाग लिया.. बहुत लोग जमा थे।
चंदा-वसूली देने का मौका व तय हुआ। कल में
बुलाया गया। सभी कार्य हुए। लौटकर
रामाश्रय के दोबारा पर विचार किया।
आज राजेश्वरी कलकत्ता गये। वापस
शास्त्रीजी पटना गये। पुरुषोत्तम दे को
रजिस्ट्री का कागज भेजा। मैंने लौट कर भी पत्र लिखे
गयी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वेदप्रकाश: विश्वनाथ के घर पर गये। सायंकाल श्रीविश्वनाथ, श्री बद्रीनाथ शर्मा तथा - हरिनारायण एवं चकवाड़ा के श्री रामनारायण से मुलाकात हुई। श्री रामेश्वर के घर पर लौट, विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १९ अप्रैल सन् १९८१ चैत्र शुक्ल १५ संवत् २०३८

रा. चैत्र २९, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ७ गते

स्नान-दान की १५

आज विद्यापति भूपेन्द्रनाथ शास्त्री के साथ कलकत्ता द्वारा बक्सर आश्रम पहुँचे। [illegible] के श्री वीरेन्द्रजी आये थे। उन्होंने विधिवत् सपत्नीक दीक्षा ली। उन्हें कादिशाक्रमतंत्र की दीक्षा दिया। पं. मधुसूदन पाण्डेय जी अपने मझौले भाई [illegible] के साथ आये। वहीं विश्राम किया, अनेक बातें हुईं। भोजन हुआ उसके बाद तत्काल ही तमलेश्वर का कुण्ड भी आया। [illegible] शीतलांशु [illegible] [illegible] की ओर से [illegible] है; [illegible]। साथ के इन बातों के [illegible] भी थी। कोई बात नहीं हुई। मुलाकात [illegible] देकर चला गया। श्री त्रिवेणी जी को [illegible] दक्षिणा दिया — ब्राह्मण पूजन के लिये। —

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज लेखक के शीतला प्रसाद शर्मा तथा
बड़ौदा के श्री शंकर शर्मा - व्यास (रामायणी) को
उनके पते पर पत्र लिखा गया। दूध-भीली फल
५ रुपये। स्वामीजी और सिमटी- निबंध लिख
रहा हूँ। पं. रामजतन शर्मा को पुनः
श्री सच्चिदानंद शर्मा के यज्ञ के संबंध में पत्र
लिखा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज डा० राम नवलखा शर्मा को पत्र लिखा तथा उसमें कार्यक्रम की नोटिस भी डाल दिया। दूध-चीनी तीन रुपये। फल दो रुपये। रिक्शा भाड़ा दो रुपये। लिफाफा २रु० ८० पैसे। आज चन्दनी के श्रीरामकिशोर राय जी को पत्र लिखा। आज जनार्दन राय आए गये और कल श्री चन्द्रदीप पाराउँचे से मिलकर कुछ ज्ञातव्य वर्षों के संबंध में स्पष्टीकरण करेंगे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज शिवपूजन शास्त्री पटने से लौटकर आये। श्री ब्रजकिशोर जी का पत्र मिला। उन्होंने प्रातक के संबंध में जो बातें पूछी थी उसका स्पष्टीकरण लिखते हुए उन्हें तुरंत आज ही पत्र भेजा। श्री स्वामी शिवानंद जी को भी पत्र भेजा। शास्त्री जी से सवारी मांगा और मैं उनके रहना-का ही सिमरी चला जाऊंगा। मंजोफर की यात्रा स्थगित रहेगी।. आज सकहुला के श्री श्रीनिवास राय मिले. उनके भाई यहाँ ओवालतियर हैं। वे वहीं आया करते हैं। श्री [illegible] का कुशल संदेश उन्होंने कहा।. कल फिर आकर मिलने की बात उन्होंने कही।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज दोपहर मंत्री जनार्दन राय आए थे
जनपदीय कार्यालय से मिलकर आये। स्पष्टीकरण
की बातें पूछा और लिखकर भी जवाब उन्हें दिया।
उन्होंने श्री रामसुंदर राय एवं श्री देवीदयाल जी०
को भेंट एक-एक पहुँचा दिया। दूध चीनी
फल आदि उपयोग। पं राम कृपाल शर्मा
के बलीपुर तथा पं. रामचन्द्र शर्मा गाजीपुर को
पत्र लिखा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Friday the 24th April 1981.

शुक्रवार २४ अप्रैल सन् १९८१ वैशाख कृष्ण ५ संवत् २०३८
रा. वैशाख ४, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १२ गते

आज सिकटी पहुंचे। नागमत्त-मस्जिद आदि की
समीक्षा की। रामगोविन्द के यहां दोपहर भोजन किया और
सायंकाल कृष्णकान्त शर्मा के यहाँ ठहरे। प्रातः पं. विश्वनाथ
शर्मा, राम प्रताप शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, दुर्गानन्दन
शर्मा आदि से भेंट करते मझौ-खिरकियां पहुंचे।
लोगों से बातों की विवेचना किया और सायंकाल
अपने स्थान पर लोगों से मिलकर राजनीति
की चर्चा करते रहे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार २५ अप्रैल सन् १९८१ वैशाख कृष्ण ६ संवत् २०३८

रा. वैशाख ५, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १३ गते

प्रातः यज्ञशिष्ठि पि. पत्र. कार्यों का देखरेख किया और सातों पट्टी के प्रत्येक प्रतिनिधियों से मिलकर यज्ञकार्य के संबंध में बातें किया। उनकी विभिन्नता को दूर करने के लिये कहा बहु प्रार्थना की। कृष्णगोपाल जोशी आया। दो पहर तक विश्राम रहकर कृपेश्वर शर्मा के साथ [illegible] बैठे। रवीन्द्र मुखर्जी आये। रवीन्द्र का [illegible] वकील चेक को भेजवाया। पं. रामभक्त शर्मा के पत्र का उत्तर लिखकर [illegible] पर चाह नहीं सका। अपराह्न आचार्य [illegible] श्री शिवनाथ, विश्वनाथ पं. विश्वनाथ शर्मा. पुरुषोत्तम शर्मा. जनार्दन जी रामनारायण जी आदि से मिले। यज्ञ के बारे में [illegible] का विवेचन किया। काफी थकान लग रहा है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Sunday the 26th April 1981.

रविवार २६ अप्रैल सन् १९८१ वैशाख कृष्ण ७ संवत् २०३८

रा. वैशाख ६, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १४ गते

श्री राजेन्द्र मिश्र को पत्र देने और डा. [illegible] प्रसाद
किया। श्री [illegible] को पत्र एवं सूचना मैं [illegible]।
स्वामीजी की सामग्री जुटाता रहा। [illegible]
विचार करते। [illegible] देखते 11.30 का समय हो गया।
श्री [illegible] और [illegible] के [illegible] और
शान्त किया। दोपहर में स्वाध्याय एवं पठन का योजना
[illegible] किया। सायंकाल श्री [illegible]
शास्त्री, [illegible], श्री जनार्दन मिश्र, [illegible]
[illegible] - [illegible] को [illegible] की चर्चा
[illegible] को [illegible] करने के
संबंध में विचार किया।
[illegible] विचार से [illegible] उचित है। [illegible]
[illegible] करते [illegible] - [illegible]
[illegible] को मान्यता देते। [illegible] उचित और
आवश्यक है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

अक्षय ३। श्री परशुराम जयन्ती

अपने अंतस्थान में त्रिलोक यन्त्रवाली, वेगवान जगत का ज्ञान कराने वाली वीणा बज रही है। अन्धे और बहरे रहे घड़ियों में तथा दुष्ट कर्मों में लीन प्राणी अटल-पथ का पार नहीं कर पाते:

चुवत अमी रस भरत ताल जहँ सब्द उठै असमानी हो।
सरिता उमड़ी सिंधु को सोखै, नहिं कछु जात बखानी हो।
चाँद सुरुज तारागण नहिं वहँ नहिं वहँ रैन बिहानी हो।
— अंतस्थान.

बाजे बजैं सितार बाँसुरी ररंकार मृदुबानी हो।
कहै कबीर भेद की बातैं बिरला कोउ पहिचानी हो।
करि पहिचानी फेर नहिं आवै जमजुलुमी की खानी हो।।
— कबीरवाणी, १११

(कबीर: हजारीप्रसाद द्विवेदी)

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

कबीर →

'पानी में मीन प्यासी। मोहि देखत लागे हँसी॥
सुख-सागर नित भरी रहत है, पलपल रहत निरासी।
कस्तूरी वन में मृग खोजत, सूँघि फिरत बड़ घासी।
आत्म ज्ञान बिनु नर भटकत है, कोई मथुरा कोई कासी॥'

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वेद कहता है कि यदि भगवान को नहीं जाना,
तो वैदिक कर्मकाण्ड, यज्ञ अथवा ऋचाओं का पाठ व्यर्थ
है :→ 'यस्तन्न वेद किमृचा करिष्यति'
ऋ० १।१६४।३९

औ पै जानकीनाथ न जाने।
तौ सब करम धरम श्रमदायक ऐसेहि कहत सयाने।
→ ।।विनय० २३६।।

जरा मरणधर्मा शरीर में सोये हुए जीव। उठ,
जाग्रत हो।
'इयं कल्याण्यजरा मर्त्यस्यामृता गृहे।
यस्मै कृता शये स यश्चकार जजार सः'।।
— अथर्व० १०।८।२६.

जागि रे औध जागि रे।
चोरन को डर बहुत कहत हैं। उठि उठि पहरे लागि रे।
— कबीर० ग्रं.
।।पद-३५०।।

'जागि जागि [redacted] जीव जड़ जोहै जग जामिनी,
देह गेह नेह जानि जैसे घन दामिनी।। विनय।।७२।।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

१

गो० तुलसीदास →

'आनंद सिंधु मध्य तव बासा।
बिनु जाने कस मरसि पियासा॥
मृग भ्रम बारि सत्य जिय जानी।
तहँ तूँ मगन भयो सुख मानी॥
— विनय॥१३६॥

प्रभु अच्युत को च्युत करने वाले, बलवानों में शिरोमणि और भक्तों का उद्धार करने वाले हैं:

'मन्ये त्वा यज्ञियानाम् मन्ये त्वा अवनं च्युतानाम्।
मन्ये त्वा सत्वनामिन्द्र केतुं मन्ये त्वा वृषभं चर्षणीनाम्॥'
ऋ० ८।९६।४॥

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १० मई सन् १९८१ वैशाख शुक्ल ७ संवत् २०३८

रा. वैशाख २०, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २८ गते

सिगरा में श्री रामचरित मानस-यज्ञ - आज प०
रामनक्षत्र शर्मा आये और उनका प्रवचन हुआ।
प० रामन वक्ता विश्वविख्यात अलौकिक विद्वान
एवं ब्रह्मर्षि वंश विभूषित तथा सम्भूत हैं। इनकी
नम्रता सादगी और दार्शनिकबुद्धि अद्वितीय है।-

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ११ मई सन् १९८१ वैशाख शुक्ल ८ संवत् २०३८
रा. वैशाख २१, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २९ गते

आज श्री· गंगा शरण सिंह जी· सांसद आये· और ७½ से· ९ बजे तक उनका प्रवचन हुआ। ये· विलक्षण महापुरुष, योगी देशसेवक और प्रकाण्ड विद्वान हैं। इनका आश्चर्यकारी प्रवचन डेढ़ घंटे तक सुना। गंगा शरण सिंह के साथ ही अर्जुन प्रसाद सिंह आये। इनका कार्यक्रम कराते हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

~~आज~~ डा० गोपाल राय जी आये। डा० गोपाल राय जी मेरे विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने अपने प्रयत्न से इतनी उन्नति की है। ये मौलिक चिन्तक, सुधी समालोचक एवं क्रान्तिकारी साहित्यकार हैं। इन का प्रवचन अत्यन्त ओजस्वी, प्रभावकारी और क्रान्ति के प्रतीकस्वरूप विद्वानों के शब्दों में हुआ।

आज प्रो० अर्जुन सिंह का प्रवचन हुआ और कानपुर के कवि श्री कैलाश वाजपेयी की कवितायें हुईं। अब प्रतिदिन श्री सूर्यनारायण शर्मा आ रहे हैं। ये संगीत की आवश्यकता बताते तथा व्याख्यान देते हैं। पहले तो इन्होंने कोई सहयोग नहीं किया अब नेताजी बनते और अकल की बदहजमी दिखाते हैं। ये वस्तुतः कपटी जीव हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १८ मई सन् १९८१ वैशाख शुक्ल १५ संवत् २०३८
रा. वैशाख २८, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ५ गते

श्री बुद्ध जयन्ती

आज यज्ञ की पूर्णाहुति- स्वामी हरिनारायणानंद एवं श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही का सहर्ष आगमन. अतिथियों का सत्कार- सभा का आयोजन एवं संबोधन। अपराह्न रात में श्री विश्वनाथ राय जी का प्रवचन. श्रुतियों के अर्थ पर विवाद... कीर्तन से सुलझाव- समाधान.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १९ मई सन् १९८१ ज्येष्ठ कृष्ण १ संवत् २०३८

रा. वैशाख २९, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ६ गते

ब्रह्म भोज - सुव्यवस्था - बहुत लोगों का भोजन।

साधुसंतों की विदाई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

 रामनारायणजी

आज सायंकाल श्री सत्यनारायण [illegible]
औरों के [illegible] के बाद सायंकाल [illegible]
ताल्लुकावाली के विवाद को भुलाकर की समा-
[illegible] किन्तु कठिनाइयां [illegible] विवाद के [illegible]
हैं- उनका [illegible] एवं रंज होगा। [illegible]
बाद- [illegible] समाधान [illegible]
सहमति!

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

~~प्राप्त: मिश्री के अध्याय ... ...~~

~~...~~ मिश्री में ही . . . .

'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय'

मुद्रक- भारती प्रिंटर्स
नवीन- शाहदरा- दिल्ली
110032.

प्रकाशक- मार्कण्डेय मिश्र- परमार्थ-शोध

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज श्री रामाश्रय की गाड़ी से सिलीगुड़ी से चलकर [illegible] । रविशंकर के यहाँ सामान रखकर - चौरंगाघाट पहुँचे। गंगा पार करके श्री राधेश्याम काशीराम पाण्डेय रामकृष्ण ब्रह्मचारी और ब्रह्मचारी प्रणवानंद के साथ [illegible] गुफा पर पहुँचे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार २५ मई सन् १९८१ ज्येष्ठ कृष्ण ६ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ ४, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १२ गते

१० पञ्चकारम्भ ५५।२० से

आज ब्रजबिहारी शर्मा द्रोणाचक दक्षिणटोला बेगूसराय ने दीक्षा ग्रहण की। शिष्य बने। द्वादशाक्षर मन्त्र एवं गायत्री का उपदेश किया गया। प्रातः शिवानन्द जी से भेंट - वक्तव्य की बातें - 'बहुभाषा बोध दीपिका' एवं 'श्री स्वामी सहजानन्द सरस्वती अभिनन्दन एवं स्मृति ग्रन्थ' प्रबन्ध में लिखा। दा० उपेन्द्र राय कार्यकर्ता के पुस्तक की गंदगी साफ कराया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज पीरपुर से सायंकाल छतरपुर लौटकर श्री योगीराज शर्मा की बोरिंग पर रहके। धर्मदेव से भेंट-समाचार। आम का जलपान।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार २७ मई सन् १९८१ ज्येष्ठ कृष्ण ८ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ ६, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १४ गते

प्रातः जलपान के बाद बक्सर आश्रम पर। श्यामबिहारी को उनके पचपन बकाया दे दिया। रिक्शा भाड़ा दो रुपया। फल तीन रुपये। जलपान दो रुपये। सायंकाल पुनः कृतपुरा गये। खड्गधारी से रजिस्ट्रार के सीमेंट के विषय में बातचीत। बोरिंग पर रुके। वासुदेव शर्मा से भेंट।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज पुनः कम्बल वापस। प्रदीप द्वारा योगी राम शर्मा को पत्र भेजा। पुस्तक भी भेजा. योगी और स्वामी जी के संबंध की - ग्रन्थ समिति द्वारा प्रकाशित।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार २९ मई सन् १९८१ ज्येष्ठ कृष्ण १० संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ ८, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १६ गते

आज वत्सराश्रम पर रहे। राधाकृष्ण पाण्डेय वकील से भेंट। बलिया के रवीन्द्रनाथ और रामजी शर्मा [illegible] से भेंट। संस्कृत विद्यालय खुलने की चर्चा। [illegible] जाल और खिचड़ी प्रपंच की रही। जलपान - फल दूध [illegible]।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पञ्चकान्त १४।५३ पर। अचला ११ सबकी

रोज भोजन विश्राम - रीजस्ट्रा से सामाजिक बातें। सिमरी से गेहूं चावल दाल आदि लेकर नथुनापांडे की गाड़ी आयी। अन्न रजिस्ट्रार के यहां रखवा कर सायंकाल सिमरी गये। अपनी झोंपड़ी पर विश्राम किया. अभ्यास विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ कृष्ण १४ संवत् २०३८
रा. ज्येष्ठ ११, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १९ गते

मासशिवरात्रि व्रत

आज प्रातः

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ कृष्ण ३० संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ १२, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २० गते

वटसावित्री व्रत

आज प्रातः सिमरी से चले और ध.सं. केन्द्रीय आश्रम बक्सर पर पहुंच गये। पुनः आठ बजे नन्दकिशोर शर्मा एवं रणजीत शर्मा से भेंट होने पर उनके साथ चौसी के लिये प्रस्थान किया। दुमांव-नारायणपुर होकर दिन में ठहरकर शाम को चौसी पहुंचकर विश्राम किया। बड़ा कष्ट हुआ। काफी धूप लगी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2.

सायंकाल को श्री हृदय चन्द्र ठाकुर एवं उनकी पत्नी तथा ज्योति चन्द्र को द्वितीय बार की दीक्षा दी गयी। आरती कार्यक्रम की।

× × ×

"परं क्षिपति दोषेण वर्तमानः स्वयं तथा।
यश्च क्रुध्यत्यनीशानः स च मूढतमो नरः॥"

— जो स्वयं दोषयुक्त होते हुए दूसरे पर दोषारोपण करता है और असमर्थ होते हुए भी क्रोध करता है, वह मनुष्य सबसे बड़ा मूर्ख है।

"भ्रष्टश्रीः स्वामिता राज्ञो, यस्य दान्ता न मन्त्रिणः।
तथा विनिता दायादा, दुष्टाः पुत्रादयोऽपि च॥"

— जिस शासक के सचिव संयमी नहीं, राज्याधिकारी विनीत नहीं, पुत्रादि संबंधी दुष्ट हैं, उसका स्वामित्व नष्ट हो जाता है।

"कटु रटति निकटवर्ती वाचाटष्टिट्टिभःपटुर्यत्र।
अपसरणमेव शरणं मौनं वा तत्र हंसस्य॥"

— जहाँ पर निकट में ही बैठकर टिटिहरी जोर-जोर से कटु शब्द रट रही हो, वहाँ से हंस का चला जाना अथवा मौन रहना ही उसके लिये एकमात्र गति है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

~~आज रात में [illegible] विचित्र पक्षी को देखा [illegible]।~~

* * *

'मनसा सिव्यति इति मनुष्यः' — जो मन से मन अपने और वस्तुओं अथवा दूसरों को सी ले, वह मनुष्य है। जैसे सूई धागा डालती चली जाती है, टांके सिल देती है उसी तरह मनुष्य भी। इस तरह कुछ न कुछ मात्रा में हर मनुष्य दार्शनिक है; इस देश में दार्शनिक विचारों के मूल सूत्र उपनिषदों यहां तक कि वैदिक सूक्तों में भी मिलते हैं। मगर एक सुसंबद्ध वैचारिक शृंखला के विकास में थोड़ा समय लगा, जो ईसा से कई सदी पूर्व प्रारंभ होकर सातवीं सदी तक अलग-अलग निकायों के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी थी। उल्लेखनीय दार्शनिक पद्धतियाँ कुछ इस प्रकार हैं — लोकायत, सांख्य, न्याय, वैशेषिक, योग, मीमांसा, वेदांत, जैन और बौद्ध आदि जिनकी स्थापना का श्रेय क्रमशः बृहस्पति, कपिल, गौतम, कणाद, पतंजलि, जैमिनी, बादरायण, वर्धमान और गौतम बुद्ध जैसे दार्शनिकों को दिया जाता है।

* * * *

भारत के ऋषियों के मन में प्रारंभ में ही यह बात स्पष्ट हो गयी थी, कि इस पूरे ब्रह्मांड में वायरस से लेकर सूर्य तक सब कुछ जुड़ा हुआ है। यहां स्पंदित रूप

→ (पृष्ठ २[illegible] में)

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रात: ४ बजे बीसीपुर से नटवार आये। विक्रमा ठाकुर से भेंट... जीप से विक्रमगंज। ११ रुपये पूजा में प्राप्त। रिक्शा ९.५० विक्रमगंज से सहसरांव - श्री चन्द्रमणि तिवारी के डेरे पर। पवन आदि। रात में बिहार के नृपेन्द्र कुमार शर्मा से भेंट। सायंकाल श्री पवन शर्मा एवं मडवा चन्द्रमणि त्रिपाठी गया से आ पहुँचे। उनके आने से सन्तोषपूर्ण व्यवस्था हुई। नृपेन्द्र शर्मा आदि भी रात को आये। पता चला कि कुमारिल शर्मा तिथि खराब हो गयी थी। उद्घाटन का निश्चय हुआ। रात में कुमारपुर के श्री विंदेश्वरी प्रसाद सिंह जो आरा में कृषि महाविद्यालय में प्राध्यापक हैं उनसे परिचय हुआ। चर्चा हुई। नटवार से सत्संग में धर्म चर्चा ... बीसी पे करीब दो सौ रुपये तथा पांच बोरी अन्न मिला। (विक्रमा शर्मा बीसी नटवार में मिले तो जीप पर चढ़ाकर हमें विक्रमगंज भेजा तथा ११ रुपये पूजा में दिये)

सहसरांव में महासमिति की बैठक -

युगप्रवर्तक जननायक स्वामी सहजानंद सरस्वती की प्रतिमा पवन जी - चन्द्रमणि त्रिपाठी, कपिलदेव शर्मा अतिरिक्त जिला जज - श्री विंदेश्वरी प्रसाद सिंह आदि को दिया।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः स्नानध्यान के बाद रामचन्द्र लाल ठाकुर बरलौटे चलते समय वकील साहब को रुपये दिये। ट्रैक्टर से भूपेन्द्र कुमार के साथ चलकर १० बजे पिपरा पहुँचे।

—— × —— × —— ×

→ परमाणु को विराट के इस तार से जोड़नेवाले इस तार को भारतीय ऋषि ने ऋत कहा, ऋत वह नियम है जो सबको धारण किये [redacted] है, अपने में समाए हुए है और क्योंकि यह नियम अनवरत निरंतर और अटूट है, इसलिये सनातन होना इसकी उपाधि मानी गयी। एक बार ऋत या सत्य का सनातन गुण पकड़ लेने के बाद भारतीय ऋषि एक तरह की सार्वभौमिकता का पक्षधर बन गया।

× × × ×

धर्म शब्द मजहब या रिलीजन से भिन्न है। मजहब का अर्थ है कुछ निश्चित निर्देश – 'कमांडमेंट्स', निश्चित विश्वास, जिन्हें न अपनाने या जिनपर न चलने से आदमी उस मजहब का सदस्य बना रहने के काबिल न रहा। इस दृष्टि से भारत के बाहर, जो भी आस्थाएं पनपीं, यहूदी, ईसाई और इस्लाम उन्हें संप्रदाय कहना अधिक उपयुक्त होगा।

जबकि धर्म की सनातनता पर बल देनेवाले इस देश में कोई निश्चित निर्देश या विश्वास को अनिवार्य नहीं बनाया गया। यही कारण है भारतवर्ष में इतनी अधिक प्रार्थना-पद्धतियाँ, इतने अधिक संप्रदाय, इतनी भिन्न भिन्न आस्थायें

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust Funding IKS-MoE-Grant-2

→ उपनिषदों के युग से लेकर आजतक आती आ रही हैं। भारत के सनातन धर्म में सैकड़ों शाखायें हैं, मगर धर्म, और सनातन है, इनमें से किसी एक के द्वारा →

→ परिभाषित नहीं होता, क्योंकि वह स्वयं शाखागत या संस्थागत नहीं है और यदि नहीं भारतीय दृष्टि को आधुनिक से समझा जाय, तो ऐसा भी स्पष्ट लगता है कि सनातनता को माननेवाली यह दृष्टि देश और काल की सीमाओं से भी बंधी नहीं है। .... × × × ——→

→ ×× सनातन दृष्टि के आधार ×× →

सनातन दृष्टि के चार प्रमुख आधार भेद हैं- वेद, स्मृति, सदाचार, और आत्मानुकूलता। भारतीय दर्शन मानता है कि वह और ठहरा हुआ है, उसे भी ही ज्ञान नहीं कहा जा सकता। हाँ, वह परिभाषित केवल वेद से होता है, इसलिये कि वेद के उत्स में प्रार्थना है, और प्रार्थना कुछ नहीं स्वयं मनुष्य के भीतर से उमड़ता हुआ महत या विराट है। और स्मृति के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी इस तक आया है। स्मृति का व्यावहारिक रूप ही सदाचार है और वह भी नियम विनियमाधीन नहीं, वरन् आत्मानुकूलता का सहगामी है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारतीय दर्शन ने ज्ञान को, अनुभव को, आचरण से जोड़ते चलो जाने पर बल दिया। ज्ञान आचरण में उतरते ही आदमी को तत्काल वर्तमान में ले आता है और वर्तमान में आते ही साफ होने लगता है कि निरंतरता है, इसलिए अतीत हो रहा है, और कुछ है, जो अभी नहीं था, अब वर्तमान बनकर भासित हो रहा है। यह स्पष्ट होने लगता है और साथ ही साथ यह भी लगने लगता है कि स्थूल जिन चीजों का अनुभव, या सूक्ष्म होती हुई संस्कार बन रही है। यही कारण है कि भारतीय दर्शन को अखंडता के साथ साथ संस्कार या पुनर्जन्म या जन्मान्तरता भी तय करना पड़ा।

× आज जगत में, राजनीति राम के नाम · दुनिया अधिकार- प्रेमनो निर्माण पर आधारित हुआ पड़ा। लोक एक रिश्ता. सू. नाम श. रिश्ती, श्रीवदकामवाये बाढ़. योगी राम. पटना।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

११ आज पिपरा से पिपरी पहुँचे। श्री लालचन्द्र शर्मा से भेंट.. केशव. राजऋषि. रामजीत, श्री निवास उपाध्याय से भी भेंट हुई।.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ११ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ सुक्ल ९ संवत् २०३८
रा. ज्येष्ठ २१, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २९ गते

श्री गंगादशहरा

आज श्री पिपरी- श्रीराम एकबाल से १२१रु० ५०पैसे दो वर्षों के अँगऊँग के मिले।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार १२ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ शुक्ल १० संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ २२, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ३० गते

श्री गंगादशहरा

आज भी पिपरी में ही विश्राम किया रामजीलाल ने पन्द्रह रुपये दिये। पांच रुपये राजगुड़ी ने दिये। रामजी .. पिपरा की बारात आने लगे तो दस रुपिये दिया। पांच रुपये राजाराम या अन्य किसी ने दिये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १३ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ शुक्ल ११ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ २३, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ३१ गते

निर्जला ११ सबकी

आज प्रातः पियरी से कागद आये। चलते
समय श्री लालचारी रानी को १० रुपये दिये।
रिक्शावाले को पांच रुपये। शोभा एवं केशव को
पांच पांच रुपये दिये। घर में १५ रुपये मिले।
रामनगर वाले पहुंचाने कोल से आये। वहां कोई साधन
नहीं मिला तो पैदल मोहनपुर के जगदीश राम
के साथ पैदल चले। ८ बजे चलकर कड़ी धूप हवा का
सामना करते हुए डुँगरी पहुंचे। नरेश राम के द्वार
पर चन्द्रदीप राम बैठा था। जहां युवकों की मंडली
जमी। ताश खेल रही थी। मैंने मानसिक क्लेश
अनुभव किया पर सोचा चलो... यहां के युवक
वशिष्ठ गोत्रीय मिश्र। मूलतः 'गागर' कहे जाते हैं।
डुंगरी से सायंकाल बहुरा पहुँचे। विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १४ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ शुक्ल १२ संवत् २०३८
रा. ज्येष्ठ २४, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १ गते

प्रातः श्री सच्चिदानंद प्रदोप शुक्ला के यहाँ भोजन किया। आज १०० रुपये धनादेश से - डॉ. देवराय 'जगवाणी' के नेशनल विज्ञापन विभाग के नाम भेजा जो उनका बाकी था। १०२.५० पैसे लगे। वासुदेव ड्रीलिंग को १० रुपये। ५०. पैसे भागंदस के पंप के अगोली मे ड्रीलिंग की।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १५ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ २५, शक १९०३ फ. १३८८ ने. २ गते

आज परमहंस शर्मा के यहाँ भिक्षा हुई। सायंकाल रामउचित शर्मा· आये शायद दिलाया· माचो पांच रुपये दे गये। आज साहेब दयाल और रामउचित के यहाँ बिदाई हुई। परमहंस को १५०० ९५५७ लिफाफा के लिये दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज श्रीनारायण- मुखिया ... गंगाप्रसाद के यहाँ भिक्षा हुई। दोपहर में मुखिया जी भी आ गये। सच्चिदानंद के यहाँ रहना तो ठीक ही है किन्तु वे रहते हैं तभी कुव्यवस्था रहती है। सायंकाल भी श्रीपतिनारायण भी विभूतिनारायण आदि से भेंटवार्ता। रात में रेडियो से ये बात सुना कि काबुल के पुत्र ... [illegible] संवैधानिक समाक्षेत्र से विधान सभा के सदस्य चुन लिये गये। [illegible] से देर काल तक ... [illegible] नैतिकता आदि के संबंध में बातें होती रहीं। मध्य रात्रि में अनुभव किया कि सच्चिदानंद: पुनः [illegible] का पुराना रोग अब भी छूटा नहीं है। उन्हें [illegible] में [illegible] नाबालिग पर आक्रमणात्मक रूप में सबर इसी भी [illegible] में दवा और पूजित [illegible] कर जा सकता है। [illegible] कि अब कैसे [illegible] चलूँ। अब सोचता हूँ कि किसी रूप चलना पलना [illegible] का कारण हो सकता है।

[illegible] वदन्ति [illegible]

" साधारणात् स्वमनिमा दसारात् लोकं [illegible] कामसुखा न [illegible]। इन्द्रियवासनेः पवनेरितस्य लोकस्य कामैः न हि तृप्तिरस्ति।
कामैः सतृष्णस्य हि नास्ति तृप्तिः [illegible] पीतं सरवस्य वह्नेः
(११. १२)
लोकस्य कामैः न वितृप्तिरस्ति [illegible] [illegible]

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १७ जून सन् १९८१ ज्येष्ठ शुक्ल १५ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ २७, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ४ गते

वटसावित्री व्रत (गुजरात में)। शबेबरात

श्री विभूतिनारायण [redacted] ^ के यहाँ भोजन किया... सभी अमात उपाध्याय की बारात में आदमियाँ गये। पांच रुपये 'विभव' ने 'पावलगी' दी। उपेन्द्र एवं श्री रमाशंकर शर्मा दिनरात सेवा में ससम्मान उपस्थित थे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

गुरुवार १८ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण १ संवत् २०३८
रा. ज्येष्ठ २८, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ५ गते

आज नर्वदेश्वर के यहां भिक्षा हुई। वे मुस्तैद रहे। उनका बड़ा लड़का बच्चा होते हुए भी मुलायम और तेज है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार १९ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण २ संवत् २०३८
रा. ज्येष्ठ २९, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ६ गते

आज शिवमूरति शर्मा के यहाँ भिक्षा हुई। उनके भाई ब्रजबिहारी शर्मा ने पत्नी सहित दीक्षा ली। उन्हें द्वादशाक्षर मंत्र का उपदेश किया गया. उनके एक छोटे भाई को भी दीक्षा दी जो अविवाहित हैं और ज्वर से किञ्चित प्रभावित हैं। उन्हें पंचाक्षर शिवमंत्र का उपदेश किया. आज शिवमूर्ति शर्मा के घर २४ रुपये पूजा में मिले २५ रु० पं. बालकृष्ण शर्मा को [illegible] रुपया धनादेश द्वारा वाहक से भेजा। १ रु०. धनादेश शुल्क लगा। रमावल्लभ को भैया बालू के निमित्त के एक सौ रुपये की पावती भी लौट आ गयी. मिली। पं. राधिका शरण पाण्डेय को एक कार्ड भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

शनिवार २० जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ३ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ ३०, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ७ गते

आज बकुपुर में पूजा भी अवश्य होती रही। श्री विभूतिनारायण राय ने पूरा श्रम किया... श्री नर्वदेश्वर तथा रवीन्द्रनाथ और भानुप्रताप शर्मा पक्कन शुद्ध श्री रामेश्वर शर्मा आदि निष्ठापूर्वक लगे रहे।

अब तक कुल 1321 रुपये एकत्र होकर मिल चुके। राजकैलाश, श्री श्रीपति नारायण... श्री जगन्नाथ राय आदि की पूजा बाकी रही। श्री हृषीकेश शर्मा ने घोर उपेक्षा-पूर्वक केवल 10.50 ही भेजा। आगे भी नहीं। ऐसा ही... बच्चनराय शर्मा की भी।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २१ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ४ संवत् २०३८

रा. ज्येष्ठ ३१, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ८ गते

भोर में चार बजे ही नित्यक्रिया से निवृत्त होकर
मु० पू० मुखिया गंगाप्रसाद शर्मा तथा उनके पुत्र त्रिलोक
आदि के साथ.. मोहनिया पहुँचा। जन्मदूरण थे।
वहाँ से श्रीशिवशंकर राय... संगतवं भी बड़ी गाड़ी राय
(बस) पकड़कर १२ बजे फलपुरा उतरे। खड्गधारी
शर्मा; श्यामबिहारी शर्मा.. धर्मराज और मदनपाल,
श्रीभगवान शर्मा... वासुदेव शर्मा आदि मिले। कुशल-
समाचार हुआ। सायंकाल श्री अजयकुमार तिवारी के
साथ... वकील आश्रम पर पहुंचा। वासुदेव सिकसा
वाले मिले। फल ४ रुपये। दूध और अजय का
भोजन रिक्शा आदि ५ रुपये खर्च हुए।
रात में विश्राम किया।
विचार करने पर पता चला कि पांच रुपये रामअधि-
के तथा.. बीस रुपये नन्दपुरण के बजाय के क्रमशः
पाण्डेय और नर्मदेश्वर के जिम्मे रहे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

पञ्चकारम्भ १०।२५ से

प्रातः गोवाहाटी से ट्रेन पकड़कर पटना पहुँचे। ट्रेन में अत्याचार हुआ। पटना संग्रहालय के पास की श्री स्वामी सच्चिदानंद स्मारक समिति में स्नान कर पुनः फुलवारी गये। आश्रम में टिके असंस्कृत और अभद्र लोगों का व्यवहार घोर असंतोषजनक रहा।

भोजन विश्राम... श्री योगी शर्मा राजेन्द्र शर्मा के यहां जा रहे थे. तब तक श्री रूपेन्द्रकुमार शर्मा चिपरा... पहुँचे। बाद में उनके साथ पुनः स्वामी-स्मारक समिति में पहुँचे। वहां श्री पं. सूर्यनारायण शर्मा उपवा झड़पंजी. श्री शिववालक राय- प्राचार्य. रन्नूचक (भागलपुर) से भेंट। बाद में ब्राह्मण समिति की बैठक हुई. विचार विमर्श किया गया।

श्री स्वामीजी द्वारा श्री राम अयप्रसाद सिंह- उद्योगमंत्री से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया। रात में फुलवारी में विश्राम किया।. रेल भाड़ा ५ रुपये फल ४ रुपये। रिक्शा भाड़ा ८ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

श्री स्वामी सहजानंद स्मारक समिति के आचार्य और अपने शिष्य स्वामी शिवानंद के साथ ३, देशरत्नमार्ग पटना का उद्योगमंत्री राम जय प्रसाद सिंह जी से मिले। करीब १०.४० मि.प. दिन में। उनसे एकान्त में स्वामी जी के गीताहृदय प्रकाशन और श्री हेमंत कुमार शर्मा के कार्य के संबंध में बहुत आशाजनक एवं महत्व की बातें हुईं। उसके बाद पुनः मैथिली-अकादमी कार्यालय पहुँचे। वहाँ निदेशक पं. इन्द्रकान्त त्रिपाठी जी से भेंट हुई। उनकी बातों से पता चला कि अभी आगे 'बटुआमल' के प्रकाशन के संबंध में कोई विशेष प्रगति नहीं है।

अतः उसके लिये श्री योगीराज वर्मा से विशेष काम की बातें हुईं। श्री ब्रजकिशोर सिंह प्राचार्य पॉलीटेक्निक गुलजारबाग-पटना के प्राचार्य और श्री प्रसदीप्त के संपादक को पत्र लिखकर ब्रजकिशोर शर्मा को जिम्मा किया। एक पत्र बाद में टेहरी डुमरांव के प्रसिद्ध शिक्षाविद पं. रामबिहारी राय शर्मा को लिखते हुए... सिमरी से ही प्रकाशित 'युगप्रवर्तक जननायक स्वामी सहजानंद सरस्वती' की प्रति उनको भेजी। पटना में ५ बजे मिलते हुए शिवानंद को [illegible] का स्मारक और कीर्तन [illegible] दिया कि उद्योगमंत्री को पहुंचा दें।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

बुधवार २४ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ७ संवत् २०३८
रा. आषाढ़ ३, शक १९०३ फ. १३८८ ने. ११ गुते

आज प्रातः नृपेन्द्र कुमार शर्मा मिश्र के साथ पटना-
फुलवारी शरीफ.. कैम्पजेल से बक्सर के लिये चले।
बड़े कष्ट से शटल द्वारा बक्सर उतरे तथा रजिस्ट्रार
श्री सर्वेश्वर राय के यहाँ पहुँचे। क्योंकि आश्रम का फाटक
बंद था। फल x रुपये. नीबू ५० पैसे। रिक्सा १ रु० ६० पैसे।
जलपान करके नृपेन्द्र को भेज दिया, घर गये।
दोपहर के भोजनोपरान्त ग्राम के बुद्ध ब्रह्मदेव के रिक्शे
से छतुआ गये। रिक्सा दो तरफ १० आने। रात को
बोरिंग पर रहे। श्री रघुनाथ चारी आये तथा ज्ञान में
कुछ भी बातें हुई। आम चार रुपये। नीबू ३० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २५ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ८ संवत् २०३८

रा. आषाढ़ ४, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १२ गते

आज प्रातः कृतपुरा से रिक्शा से बक्सर के
लिये चले। सत्तूआम की गठरी... गाव डुमराँव
'ईश्वर ज्योति' विद्यालय के बीच रिक्शे से कूदी
[illegible] पड़ी। आश्रम से होकर गडीं गये / [illegible] के
यहां भोजन के बाद आश्रम पर लौटे।
तीन बजे कृतपुरा से श्री परशुराम के आश्रम से
साथ लेकर अंजोर के [illegible] में गंगापार [illegible] होते
५ बजे नदीहीं पहुँचे।
राह में गंगा के किनारे बक्सर बोट घाट पर
[illegible] तथा.. रामरेखा घाट मिले। अंजोर
पहुँच गये अंजोर के P.A.C. सिपाही
[illegible] भी मिले। बक्सर से चलकर
आश्रम से बक्सर लौटे।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

शुक्रवार २६ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ९ संवत् २०३८
रा. आषाढ़ ५, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १३ गते

१२ पञ्चकान्त ३४।१५ पर

आज शिवकुमार शर्मा के यहाँ भिक्षा हुई।
अपराह्न में उनके पुत्र… बृजनारायण पाण्डेय
शर्मा ने १० रुपये दिये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Saturday the 27th June 1981.

शनिवार २७ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण १० संवत् २०३८

रा. आषाढ़ ६, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १४ गते

आज शिवपरसन — सुदर्शन शर्मा के यहाँ भिक्षा हुई। स्त्रियों ने दर्शन किये... सच्चिदानंद ने सात रुपये दिये। सुदर्शन आदि की स्त्रियों ने १० रुपये दिये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

रविवार २८ जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ११ संवत् २०३८
रा. आषाढ़ ७, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १५ गते
योगिनी ११ सबकी

आज शंभूनाथ-परमेश्वर शर्मा के यहाँ भिक्षा हुई अपराह्न में भी श्रीधर शर्मा. अच्युतानंद शर्मा और राजेन्द्र शर्मा ने सपत्नीक दीक्षा ली। श्रीधर को द्वादशाक्षर तथा शैव दा को पंचाक्षर मंत्र की दीक्षा दी गई।

वृजवासी... ने २० ~~पैसे~~ रुपये (बीस) तथा केशव शर्मा ने १३.५० पैसे दिये।.

राम वृक्ष शर्मा — १०रुपये. परमात्मानंद पाराडेय ५रु०
सच्चिदानंद. शिवपरसण शर्मा - १७ - (१०+७) रु०
वृजनारायण शर्मा — १०+५= १५ रु०
श्रीधर शर्मा. ५+१० = १५/ रु०
राजेन्द्र शर्मा — १४) रु० सीताराम... १रु०
पूजा के कुल ११२ रुपये अंजोरपुर में मिले।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः परमात्मानंद पाण्डेय के यहाँ जलपान हुआ- प्रदोष
श्री पं. शिवकुमार शर्मा नरही तक पहुँचाने आये।
रुपये रिक्शा भाड़ा देकर नरही से उजियार आये।
रात में बलिहार के सच्चिदानंद तिवारी .. मिले ..
कोठियों के डाका कांड में डकैतों का पीछा करने में
किस किशोर युवक के भी प्राण गये थे बात
उन्होंने कहे। उसकी अंत्येष्टि में सहायतार्थ
मैंने दो रुपये दिये।
बक्सर आश्रम पर ... रात में जनार्दन प्रसाद ..
मिले। श्री राम सागर की ४५ रुपये बिजली बिल
दाखिल करने के लिये दिया - शेष बकाया लोग
.. देंगे। केला दो रुपये। रिक्शा दो रुपये।
आम पांच रुपये ... कुल्फी भी तीन रुपये।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

मंगलवार ३० जून सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. आषाढ़ ९, शक १९०३ फ. १३८८ ने. १७ गते

मासशिवरात्रि व्रत

श्री स्वामी हरिनारायणानन्द तथा योगीराज ओमप्रकाश को पटना-पत्र लिखा। श्री रामकेवल पाण्डेय-सिकटी-रामपट्टी को पत्र लिखा। भदैनी से आये श्री रामक्षितिजराय के भगिना श्री राय. चीफ इंजीनियर मिले और बृहस्पतिवार को भदैनी जाने का कार्यक्रम निश्चित हुआ। केला दो दर्जन. मिला १.५० पैसे। श्रीरामलगन से पता चला कि विद्युत बिल आज नहीं दाखिल हो सका। यह व्यवहार खेदजनक है। मुझे उन्हें कुछ उपालम्भ शब्द विवश होकर कहने पड़े। श्री ब्रह्मचारी रामसुंदर शर्मा तथा पं. रामनारायण पाण्डेय को स्वाई देउी इलाहाबाद पत्र लिखा

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १ जुलाई सन् १९८१ आषाढ़ कृष्ण ३० संवत् २०३८

रा. आषाढ़ १०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १८ गते

स्नान-दान-श्राद्ध की ३०

आज केला दो रुपये। आम तीन रुपये। जामुन ३)
सतपुरा नहीं जा सके। वर्षा होने लगी। अब
सोमवार को जाना होगा। सिर में दर्द।
श्री रघुकुल तिलक जी को अपनी पुस्तक
'वंशाधान बोध-दीपक' की प्रति और जी
सम्मान प्रीति का भी ओर किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

खड्गधारी शर्मा - कृतपुरा का पत्र। तथा श्री योगीन्द्रनाथ शर्मा को - शंगाडीह - बिलारी - आजमगढ़ पत्र। गौरी को ५० पैसे परसों के जलपान के दो रुपये पकड़ा तथा कुदारी का ईल का २ रुपये दिये रिक्सा वाले को।

रिक्शा से भौली... तारा चन्द के यहाँ, जहाँ श्री रामनिधि राय, जननी के टिके हैं। ये लोग बलुआ के श्री सच्चिदानंद राय के भी संबंधी हैं।

रात में वहां गंजेड़ों की मंडली और गंदगी देखकर बड़ा क्षोभ एवं मानसिक क्लेश भी हुआ पर मौन रहना ही उचित था। वर्षा में भीगते गया गंगा किनारे शौच तथा स्नान किया। विश्राम किया कुछ सामान्य सत्संग श्री रामनिधिराय से होता रहा। ११ बजे से प्रात: आठ बजे तक वर्षा होती रही। रामनिधि राय बहुत लगन दिखाई पड़े। श्रद्धा उनकी अपार है। कल उनकी दीक्षा होगी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रथयात्रा

आज प्रातः भीगते हुए गंगा तट गये। शौचक्रिया से मुक्त हो स्नान किया और स्थान पर लौटे। दीक्षा की तैयारी हुई। रात के वातावरण के लिये श्री रामकिशोर राय को हल्का उलाहना दिया।

८ बजे तारानंद के भीतर हवेली में गणेश-पूजनपाठ और रामकिशोर राय की दीक्षा हुई। उन्हें महावाक्य का उपदेश किया। व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखकर दो पन्नों में दे दिया। भोजन विश्राम किया। बाद में रिक्शा से मौलवीबाग होते हुए... अपने आश्रम (बक्सर) पहुँचे)। चलते समय लोगों ने पूजा के रूप में कुल ४२ रुपये दिये। १ पीली धोती नाहक दी। मैंने रिक्शा वाले को १ रुपया अपनी ओर से दिया। बच्चों के लिये केला - २.५०. मोटी को चाय ६० पैसे। ब्रह्मदेव-केदार को चाय के लिये १ रु० २० पैसे।

रामकिशोर राय को दो पुस्तकें। श्री स्वामी सहजानंद सरस्वती प्रगतिशील कर्मयोगी के - जीवनदर्शन एवं किसान समस्या वाली भी दे दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

आज कलुआ बाँधे। बोर्डिंग पर रहे; खड्गधारी से बातें हुईं अपने संबंध और उनकी पारिवारिक उलझनों की। रजिस्ट्रार के कार्य के लिये संकेत किया। केला २ क० ७५ पैसे। रिक्शा दो रुपये। अखबार १ रुपये।

आज स्वतंत्रता सेनानी सम्मान सम्मेलन रक्षा के समारोह में बंगाली हाई स्कूल में गया। जगदीश लाल.. मनोहरदास.. सच्चिदानन्द तिवारी; आदि से भेंट हुई। श्री जगन्नारायण त्रिवेदी मंत्री जिला सहकार आये थे। ताम्रपत्र वितरण हुआ। मुझे भी मिला।

कुछ लोग तरह स्वतंत्रता सेनानी समाज में घुसे मुफ्तखोरों और लुच्चों को लड़ते झगड़ते देखा। यह स्वतंत्रता की पारिमूर्ति डाॅक्टर इन्दिरा गांधी के मायाजाल का खेल और प्रदर्शन है। सत्ता के भय लोग और कुछ कभी कर सकते हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः कलुआ से लौटे; रीजस्ट्रार के यहां सांकेतिक भोजन... क्योंकि कलुआ संकुल हो चुकी थी। श्री वासुदेव शर्मा के निमंत्रण पर.. कवनाथ शर्मा के तिलकोत्सव में शामिल होने के लिए कलुआ पहुँचे। भाग लिया... जलपान किया.. कुंडेसर से तिलक आया है।... वे लोग कुलीन पर: गृहकलह से परेशान विपत्ति के मारे: यहां लुवाइयों का विवाह विवशतावश करते हैं। भाग्य प्रारब्ध जैसा होगा वह टाला नहीं जा सकता।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ६ जुलाई सन् १९८१ आषाढ़ शुक्ल ५ संवत् २०३८

रा. आषाढ़ १५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २३ गते

आज राजेन्द्र कृष्ण का आया... विधिगत ही
था। कोई महत्व की बात दोनों के बीच नहीं हुआ।
वकील श्री राधाकृष्ण पाण्डेय एवं श्री हरीन्द्र कुमार
शर्मा आये.. जनार्दन सत्य. अधिवक्ता तथा
एक लाल भी मिले। अखबार वाले को रु.50
रुपये दिया। विशा व क० केला दो रुपये।
जलपान तीन रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज राजेन्द्र से उनके परिवार की उलझनों के संबंध में पूरी बातें हुईं। वे अपने माता पिता से मेरा मन्तव्य और संदेश सूचित करेंगे।
सायंकाल - पिपरा के श्री रघुनन्दन ओझा और बिहार के वकील श्री [illegible] जनार्दन राय और उड़िया के अपने शुभैषी विद्वान तथा समाजसेवक - वरिष्ठ विद्वान डा० अभिमन्यु कुमार राय आंजनेय की आलोचना के विकास पर [illegible] [illegible] जाने के लिये भेजा। आज सिरिमा २३ रुपये का तथा ५ रुपये [illegible] मनीआर्डर भेजा साथ ही अपना टिकट का रजिस्टर्ड भेजा। १ रुपया रिक्शा भाड़ा दिया। जलपान [illegible] खर्च हुआ। अपने कामों में रिक्शा व्यय हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ८ जुलाई सन् १९८१ आपाढ़ शुक्ल ७ संवत् २०३८

रा. आषाढ़ १७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २५ गते

आज कचहरी गये पेंशन लिया फरवरी से जून तक की - १५०० रुपये। रिक्शा भाड़ा तीन रुपये। बृजदेव सिंह का पांच महीने का वेतन ५०० रुपये दिया। आज श्री राधाकृष्ण पाण्डेय जी के चलते एवं जनार्दन राय के चलते पेंशन मिलने में बहुत सुविधा हुई। स्वामी शिवानंद जी के यहाँ संघ के चलने के लिये श्री नागेश्वर सिंह से मिले और बातें हुई। वे परसों स्वामी हरिनारायणानंद जी का कार्यक्रम आगमन सूचित करेंगे। आज चन्द्रदीप राय से सोमेश्वर राजेन्द्र शर्मा तथा लेखपाल के चरित्र के संबंध में विशेष बातें हुई तथा शशिभूषण की मुक्ति के संबंध में बातें की मैंने। आम २.५० पैसे। रिक्शा तीन रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज श्यामा चैतारि आये। उनसे वार्तालाप किया। खड़गपाटी को संदेश भेजा। पर वे नहीं आये। आज काशी जानेवाले थे किन्तु आश्रम की व्यवस्था के कारण नहीं जा सके। रिक्शा दो रुपये। केला २.५०.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

आज भी बबुआ आश्रम पर रहे। केशवमाली के लिये. ३ रुपये. ·शिवमुनि को २.५०. बलदेव को आलमारी के लिये रिक्शा का २.५०. कदम मलाह को दो रुपये। · रविशंकर मिले. पटना गये। वे सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी से मिलेंगे-

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः स्नानादि निवृत्त होकर ब्रह्मदेव त्रिवेदी
से आगन्तुक विद्यार्थी के सा(थ) प. आ गये
आकर अपने मठ में पहुँचे। भोजन बनाया
किया। इसी बीच उपाधि वे [illegible] तथा
पं. कुलदीप नारायण शर्मा जी 'झड़प' आ पहुंचे
उन लोगों से कुशल समाचार के बाद
मैंने "वेदामृत" के प्रकाशन के संबंध में
अपने नवीन निश्चित विचार सुनाये।
इस पर वे [illegible] कहा कि मैं पटना
जाने वाला हूं - वहां से लौटकर पत्र दूंगा तब
तथा वचन उठाया जाय।
मेरा विचार है कि पाण्डुलिपि
लौटाकर स्वयं प्रकाशित किया जाय।
दूध का व. ५०. तरकारी दो तरह.
'झड़प' जी बनारस गये। वे १५ दिनों
के बाद पटना से होकर लौटेंगे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रामावतार को पूजा का बाकी ५.५० रुपये·
दूध का २) चीनी का · रु. ५०· आटा का
१ रुपये।. तरकारी दो रुपये । कल से
श्री राम शंकर जी कल सायंकाल ही आये। वहाँ
का समाचार मालूम हुआ। शिवजी के बैलों की
चोटी का प्रबंध समाचार मालूम हुआ। सेना के
सुरेश राम मिलिन हैं। उन का समाचार
जरूर है· वे दो मास से कमाये बंद कर के गायब
हैं। पैसों का हिसाब भी नहीं भेजा।

पुजारी· लड़के की पूजा के लिये उनके पिता को
१४ रुपये· जो अगले जून तक का पारिश्रमिक है। चावल
सात किलो दिया।
रामावतार को एक सिपरी धोती तथा कुर्ता के लिये
तीन गज महीन खादी दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भोजन बना और श्री रमाशंकर राय बटुक के साथ भोजन किया गया। पूजा के पैसे 1716 रुपये तथा पेंशन के 1200 रुपये मेरे पास आज हैं जिनमें 16 रुपये तो फुटकर खर्च कोयला तरकारी आदि में लगे। शेष 2900 रुपयों में से 2230 रुपये हनुमानघाट-बचत बैंक के खाते में जमा किया। शेष ऊपर अपने पास रक्खा। इस प्रकार आज खाते में पुराना बैलेंस- 83 रु० 5 पैसे + 2230 रुपये- मिलाकर 2313 रुपये (तेइस सौ तेरह रुपये) खाते में हुए।

जमा में रकम इस प्रकार थी →

100 के नोट	16	1600
50 के नोट	2	100
20 के नोट	15	300
10 के नोट	23	230
बाइस सौ तीस		2230

श्री रमाशंकर राय द्वारा सुरेश राय को 'जनवार्ता'-कार्यालय सहकारी भवन- नदेसर पत्र भेजा और उपालम्भ भी।
रात में [illegible] आये... बातें हुईं तथा चले गये। उनके बच्चे के बीमार होने की खबर है। उनसे मालूम हुआ कि 600 रुपये तथा 100 के दो धनादेश रकम में उनको प्राप्त हो चुकी हैं। कोयला 12 रुपये। दूध चार रुपये। गोंइठा दो रुपये।
श्री रमाशंकर राय द्वारा- बुटन के 20 रुपये जो कर्यदेवम् के पास हैं उनके लिये तगादा भेजा तथा शीघ्र निराले की पूजा का [illegible] भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

प्रदोष

आज रामअवतार के दामाद ने सायंकाल पानी के निकास के लिये नाली बनायी। मठ के पश्चिमी हाते में। दो रुपये एवं डेढ़ किलो चावल दिया। दूध 1.50. तरकारी डेढ़ रुपये। सुरेश प्रसाद आये। रविवार। आज सिर में दर्द। डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा को पत्र लिखा- तैयार किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2.

आज वैद्यजी के यहां गये। कौशिक नामहीन के वाद। दवा लिया उन्हें एक धोती जो दक्षिणा में मिली थी दिया। रामावतार की माँ दवा ले गयीं। तरकारी १.५०. दूध १.५०. आम २.५०. मूली १ का स्याही व सर्वगाटन - ५.७०। धागा १ रुपये का. मधु ५ रुपये। अखबार ५० पैसे। ये सभी सामान नरेन्द्र कुमार ले आये जो रांची से लौट कर कल हो लौटे हैं। उन्हें पुनः पटना जाने की सलाह दी मैंने। आठ आना जलपान. आठ आना - मजदूर का।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

आज तरकारी दो रुपये। भोजन विश्राम किया। अपराह्न श्री विश्वविद्यालय गये। अपने चातुर्मास्य के स्वाध्याय के लिये कुछ पुस्तकें खरीदीं। कमीशन बाद देकर १४५ रु० ४० पैसे लगे। बांस का कागज १ रु० १० पैसे। रिक्शा ७० पैसे। निम्नांकित पुस्तकें ली गयीं।

1. दिव्यजीवन - प्र० प्रि० तृ० अरविंद ६४-२०
2. अद्वैत वेदान्त में तत्व और ज्ञान - ५०-०
3. भक्ति का विकास - मुंशीराम शर्मा - ६०.०
4. प्रणव और अंतिम मुक्ति - जे० कृ० २०-०
5. ईशावास्य प्रवचन - अखंडानंद - ४-०
6. ईशावास्योपनिषद् - सातवलेकर - ५-०

१४५.४०

सायंकाल श्री नर्मदेश्वर राम - जीरजिस्ट्रार एवं उनके मित्र मालबाबू (कामरूप) आये। बक्सर का समाचार मालूम हुआ। शिवनन्दन बाबा जी गुड़हला के पुत्र ने रासबिहारी राम को २५०० रुपये दिया। शेष ५०० देगा और ३०० ललित विनोद देगा। अथवा खा जायेगा। अपराह्न गणेश सिंह रैकुआ के अपनी पत्नी तथा लड़के के साथ आये। उनकी पत्नी को आंख बनवानी है। गोलाघाट आश्रम - बालू गिरवा रहे हैं। बालू उत्तम है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरु पूर्णिमा

आज १० बजे तक वर्षा होती रही। किसी प्रकार क्षौर कर्म हुआ। विश्वनाथ मंदिर नहीं जा सके। दिन में नैमित्तिक श्री ज्वाला प्रसाद, जगन्नाथ जी श्री रामदुलार शर्मा अपने संबंधी सहित- तथा ज्ञानगंज से तिवारी के श्री वीरेन्द्रनारायण शर्मा- सपत्नीक आये। गुरुपूजा किया- दर्शन किया। रूपये दक्षिणा योगीराज- ने लिया। स्वामी शिवानंद सरस्वती जी स्वामी हीरा रामण जय- भारत साधु समाज; जी पत्र लिख भेजा। कल से ही सीमेंट का सिलेण्डर आया है। पत्थर की उखाड़ बुन में। उसे कह समझा दिया। वह कल चला जायेगा और वहां से पुनः सोचविचार- तथा अभिभावकों से बात करने के बाद लौटेगा।
श्रीगणेश सिंह जी इकौना की माता की आंख बनने के संबंध में कैंसर रोग- शैलपुर आनंदमयी चिकित्सालय को कह समझा दिया। अपराहन बक्सर के वकील श्री राधाकृष्ण पाण्डेय, मनोविज्ञान तथा उनके लड़के रामलाल ठाकुर- रामपुर बक्सर से आये- किसी और विचार विमर्श के बाद पुनः लौट गये। दूध ६.५० तथा रामावतार २५ पैसे। तरकारी २ दोहन। धूपबत्ती फूल प्रसाद दो रुपये। सलाई ८० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

आज प्रातः नरेन्द्र आ गया। श्री सिद्धेश्वर पाराडेय (रामपट्टी सिमरी) का लौटा - उसके द्वारा रामकौशल पाराडेय० को पत्र लिख भेजा। तरकारी नीबू. ५ रू० ५० पैसे। आज सायंकाल डा० विषेश्री राय एवं डा० मान्धाताराय० स्वामी सहजानंद विद्यापीठ के प्रो० आये रहे०। रायकृष्णदास की पुण्यतिथि पर काशी, हिन्दू विश्वविद्यालय में विचार गोष्ठी है। महादेवी वर्मा डा० विद्यानिवास मिश्र, स० ही० वा० 'अज्ञेय'. शंकरदयाल सिंह: गंगाशरण सिंह आदि पधार रहे हैं। सायंकाल श्री दामोदर राय जी भी आ गये। उनसे कुशल-समाचार होता रहा। सुरेन्द्र-बब्बर रात में ही आ चुके थे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पञ्चकारम्भ २३-५४ से

आज भी विद्वत् गोष्ठी रही और उप विवेणी राय जी
आदि प्रातःकाल से लेकर १० बजे रात तक उधर ही रहे।
१० बजे के करीब लौटे। रामचन्द्र राय दामोदर राय
भी थे। बड़ी भीड़ थी। सुरेश की मनबिगड़ी पत्नी
स्त्री अलग ही अपने मन का आ बैठी है। गणेश सिंह
अपनी पत्नी एवं माता के साथ अलग टिके हैं।
साग २ रुपये। चीनी आठ रुपये। रामावतार से
दूध ४.५० रुपये। रामवचनराय जलपान के लिये
ओम ले आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant 2

सोमवार २० जुलाई सन् १९८१ श्रावण कृष्ण ३ संवत् २०३८

रा. आषाढ़ २९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ५ गते

सोमवार व्रत

प्रातः सुरेन्द्र, श्री दामोदर राय तथा डा० विवेकीराय और डा० मांधाताराय गये। आज भोजन स्वयं ही बनाना पड़ा। गणेश सिंह की पत्नी ३ दिन रहेंगी: कल से बना देंगी। सिर में दर्द है।

डा० विवेकीराय से निश्चय हुआ कि भोजपुरी अकादमी के निदेशक को 'बउधायन' की समग्र पाण्डुलिपि शीघ्र लवटाने को तत्काल लिख दिया जाय। दूध १.५०. तरकारी १.५० रु०।

बक्सर के श्री राधाप्रसाद शर्मा अवकाश प्राप्त अध्यापक आ धमके। उनके साथ जगतपुर का एक [illegible] तथा वहीं के एक वयस्क भद्रपुरुष - जो नावनबांध के संबंधी हैं - थे। मैंने उन्हें (रा०-५०) अपनी पुस्तक 'बउधायन-बोधदीपक' एवं सम्मति पुस्तिका तथा युगप्रवर्तक जननायक स्वामी सहजानंद सरस्वती की प्रतिमा भेंट स्वरूप दी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भोजपुरी अकादमी के निदेशक को लिखे जानेवाले पत्र का प्रारूप तैयार किया। सिर में विशेष दर्द से आगे नहीं लिख सके। सुरेश अत्यन्त चंचल, अधपागल विक्षिप्त और भावुक हैं। ऐसे लोग प्रगति नहीं करते। आज गणेश सिंह बक्सर गये. अब रविवार को पुनः लौटेंगे विश्वविद्यालय के अस्पताल में ही उनकी नाक की आंख बनेगी। कहीं बने मैं तटस्थ हूँ। दूध १.५० [illegible]

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

बुधवार २२ जुलाई सन् १९८१ श्रावण कृष्ण ५ संवत् २०३८
रा. आषाढ़ ३१, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ७ गते

आज जगतपुर के श्री कवीन्द्रनारायणशर्मा आये। एक मेरी
बोरी में गेहूँ ले आये। श्री अक्षयवर शर्मा का समाचार कहा।
अपनी ओर से आम ले आये। विधिवाक कपन की एक
प्रतिलिपि शुद्ध तैयार करके लिफाफे में बंद किया।
फणीन्द्र सहसा आ गये। उनका सत्कार किया। भोजन कराया-
के पटना गये। दूध १.५०. तरकारी १ रुपये आयी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २३ जुलाई सन् १९८१ श्रावण कृष्ण ७ संवत् २०३८

रा. श्रावण १, शक १९०३ फ. १३८९ नं. ८ गते

पञ्चकान्त ४८-९ पर

आज निवेदक को निवेदनपत्र की शुद्ध प्रतिलिपि लिखकर तैयार किया... अध्यक्ष भोजपुरी अकादमी के नाम से प्रेषित करने के लिये लिफाफे में बन्द किया। बालू की ढोवाई पचीस रुपये. दूध १ का ५० पैसे. तरकारी चक्का ४ आने। रामावतार २५ पैसे खर्च हुए इस प्रकार बालू में कुल पर २५ रुपये लगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant 2

अपने वैद्यजी के पास गये सात दिन की दवा लिया। मठ से पैदल रामघाट पहुँचे और वहां से दवा लेकर इसी तरह उज्जैन मठ में आये। तरकारी १ रु० २० पैसे नीबू २५ पैसे। रामावतार के दामाद को खाना खाया आई चावल व कि० दाल ½ किलो। चाय को २५ पैसे। दूध १.५० अथवा १.६. ५० पैसे।

आज पं० हलधर त्रिपाठी एवं सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी को दो पत्र पाण्डुलिपि लखनऊ के संबंध में रजिस्ट्री किया। ६ रु० ३० पैसे लगे। मन को शान्ति मिली। छोटे का मन अच्छा था। पुनः छोटे गांव की किसी बीमार औरत और एक लड़के को पहुंचा गया। यह स्थिति बड़ी खराब और बुरी है। भजन और स्वाध्याय में बहुत बाधा पड़ती है। छोटे को बुलाकर समझा दिया कि लोगों का झमेला न लगावें। इन्हें शीघ्र दवा आदि लेकर घर पहुंचा दें।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज तरकारी नीबू दो रुपये। दूध-अपवन दो रुपये। दाना भूँजाई ५० पैसे। सोडा २५ पैसा। दिन में खिचड़ी रोटी भोजन किया। भोजन की सुव्यवस्था नहीं होने से भारी कष्ट एवं व्यवधान हो रहा है किन्तु प्रारब्धभोग तो पिंड छोड़ नहीं सकता। अभी मजदूरों की मालत के लिये तलाश हो रही है। यह अड़चन का काम है... देखें कबतक व्यवस्था होती है। मजदूर आते और चले जाते हैं। अभी किसी से बात तय नहीं हो रही है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज सुरेश अपनी धर्मपत्नी को लेकर चौरपड़ेचार्जे के बघेल शाड में रखने के लिये ले गये। नीला से नष्ट हैं। गणेश बच्चा रसे फाटक से आये। सिमति के श्रीअनन्त पाण्डे मिश्री एक युवक के साथ आये। शिवरात्रि को लोकन्द बैल वालों तथा विनायक लिखवायेंगे। दूध तरकारी अखबार ४ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार २७ जुलाई सन् १९८१ श्रावण कृष्ण ११ संवत् २०३८
रा. श्रावण ५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १२ गते

सोमवार व्रत । कामदा ११ सबकी

आज गंगेश भी गया. विश्वविद्यालय अस्पताल में
भर्ती हुई। ज खाने पकाने उनकी पत्नी आ गयीं।
पंडित मुनाभजी आये. उन का चोताले का
आपा ... दिन ... गायब रहा। दो रुपये दक्षिणा
का देकर पंडितजी को वापिस भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

१४ प्रदोष

श्री श्याम सेवक के इजलास की नोटिस आयी।
श्री भुवनानंद के बदले स्वामी योगानंद सरस्वती
के नाम थी। मुख्तार ले लिया। तदुपरांत
दूसरे लिफाफे में अपने एफिडेविट के साथ बंद करके
श्री रामचंद्र राव एडवोकेट पकड़ी आरा के नाम
भेजने को तैयार किया। दूसरा पत्र शिक्षा आयुक्त
वाला - विद्या के अपने की प्रतिलिपि के साथ
श्री ... को एक पत्र लिखा लिफाफे में बंद
करके रजिस्ट्री के लिये तैयार किया।
तीसरा सामान्य पत्र देवी दयाल चौधरी को
लिख कर लिफाफे में बंद किया। जलपान
२ रु० ५० पैसा दूध १.५० अनाज ५० पैसे।
~~आज बहुत से लोग कैलाश की पूजा तथा~~
~~बाल्मीकि राय की पलंग को पहुंची। वे लोग~~
~~मीरघाट पर उतरी थी। २० रु० श्याम सुन्दर~~
~~की सती ... तीन रुपये दिये। १० रुपये~~
~~मजदूर-बिजली को दिया।~~

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार २९ जुलाई सन् १९८१ श्रावण कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. श्रावण ७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १४ गते

मासशिवरात्रि व्रत

आज पं. रामसुंदर राय तथा योगीराज शर्मा के नाम के पत्रों की रजिस्ट्री हुई। ६ रु० ६० पैसे लगे।
डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा को पत्र लिखा। शेषनाग द्वारा
पं. सूर्यनारायण शर्मा तथा श्री रामनरेश को चिट्ठी
पत्र भेजा। पोस्टकार्ड लिफाफा २ रु० ६० पैसे।
आठ कार्ड द्वारा पं. राधिकारमण. डा० कि आत्रेय.
राजकिशोर. नर्मदेश्वर. प्रमोदकुमार. गांगुली. राजबहादुर
रामटेकरीजी. दामोदर राम मलतो. गुलाब शर्मा महावीरप्रसाद
स्वामी गोष्ठी के लिये पत्र भेजा। शेष कल भेजूंगा।
तरकारी-नीबू १ रु० ७० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

श्राद्ध की ३०

आज छीका पर मरम्मत-पलास्तर का कार्य प्रारंभ हुआ। दरवाजे की दीवाल में दो स्थानों से गड़हा पड़ी। अतः दिन भर जोड़ाई चलती रही। डा० भोगी कृष्णाचार्य शर्मा का अंतर्देशीय पत्र आया। सूजा मंगाया ·६० पैसे। रामावतार का रिक्शा भाड़ा ७५ पैसे। गेहूँ पिसाई १ रुपया। बाबू राम जी तिवारी-केदारनाथ की पत्नी तथा वशिष्ठराय की पुत्रवधू आयीं। रामकृपाल शा की पत्नी के बीस रुपये खर्च किये जो बाकी थे। तीन रुपये पांच पैसे इमरती के दिया। १० रुपये विशी को दिया। तीन रुपये दूध के लिये। डा० भोगी कृष्णाचार्य के पत्र का उत्तर लिखा। कल थोड़ा ज्वर होगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ३१ जुलाई सन् १९८१ श्रावण कृष्ण ३० संवत् २०३८

रा. श्रावण ९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १६ गते

स्नान-दान की ३० । सूर्य ग्रहण

आज कार्य वर्षा से बंद रहा। सायंकाल सहसराँव के विधिवेत्ता पं. चन्द्रमणि तिवारी आ पहुंचे। उनके लड़के जो यहाँ पढ़ते हैं उन्हें ले आये थे। वे रात को रुके रहे। दिन में गणेश सिंह भोजन पश्चात् वापस गये। तरकारी दे गये। दूध ३/ कम आये। दिन में शिवनारायण बीमार। प्रातः ग्रहण के समय साढ़े छः से ९ बजे जप हवन पांच हजार किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल १ संवत् २०३८

रा. श्रावण १०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १७ गते

आज बिजली वाले को जलपान २.५० रुपये।
तरकारी १ रु० ७५ पैसे। राजा बनारस २५ पैसे चाय।
बिजलीवाले ८.३० बिल० ल मझौली गये।
~~[illegible]~~. दियासलाई अदरक मिर्ची। २८ रुपये की
ईंट मंगानी पड़ी—चूना भी कमी। मजदूरी ३.५०।
दिन में महाप्रभु के श्री इन्द्रजीत एवं
समरजीत आये। दिन भर रहे। समरजीत
अस्वस्थ हैं। उनमें विकार है। केवल भी व्याकुल
दया की व्यवस्था के लिये संकेत किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ३ संवत् २०३८

रा. श्रावण ११, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १८ मते

ईद

आज भी दिमाग अस्वस्थ होती रही। दोपहर की पत्रपत्रिका सूचना आयी। केवल दो नाम बची। गणेशसिंह आचार्य आ गये। वकील का समाचार मालूम हुआ। तकरीबन दो रुपये इच्छ तीन रुपये। मुकदमे की चिंता। श्री गंगा प्रसाद जी को पत्र लिखा - लिफाफा में बंद किया।

आज रघुवीर शर्मा महावीर जी के कलकत्ता गये। उन्होंने ५० रुपये पूजा किया। २० रुपये उनकी पत्नी ने दिये।

आचार्य किशोरीदास वाजपेयी :→

(१) हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द-विश्लेषण
प्र० → राजधानी ग्रंथागार नई दिल्ली - १४

(२) हिन्दी शब्द मीमांसा - मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ : नई दिल्ली

(३) अच्छी हिन्दी - मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

(४) हिन्दी व्याकरण - मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

(५) हिन्दी निरुक्त - वाणी प्रकाशन

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ३ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ३ संवत् २०३८

रा. श्रावण १२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १९ गते

सोमवार व्रत

आज भी पत्रालेखन का कार्य हुआ।
६०) रुपये मिली को दिया। तरकारी ०.७० दूध १.५०
मालवीय नगर का कार्य शर्मा - सहसा आ पहुँचे।
उदयपुर का एक लड़का जो उन के गुरुजन भाई का
मिला हुआ सा घर था।
रात में विलम्ब किया और आया। उसके भोजन
बनाने की बात तय हुई। उन्होंने मासिक वेतन।
गंगा प्रसाद शर्मा : बहुत को फल छोड़ गया।
दूध २ रु० ४ आने। उमरावती : ५० पैसे। रामधाम
गुरुवा का लाने के लिये। ज्योतिषी जी को ४ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ४ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ४ संवत् २०३८

रा. श्रावण १३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २० गते

आज दरवाजे का पलास्तर प्रायः पूरा हो चला।
मिस्त्री-मजदूर को ६० रुपये (१०+५०) दिया गया।
सायंकाल भोजनोपरान्त आनन्दमयी अस्पताल
में भर्ती हुए। साँप काटने के दवा के आने पर उनकी
दवा के लिये पचास रुपये दिया। यह रकम दूध की
दी गयी। मूँगा ५० पैसे गुड़ ५० पैसे अक्षरौली को।
आज भिक्षा का धारा प्रवाह - किसन अपने ठेले पर
रखवा भरा अन्नादि भोजन सामग्री रात्रि को
ले आकर पहुँचा गया। १२ रुपये लगे।
१ क्विंटल चावल, एक क्विंटल गेहूं, दाल १/२ क्विंटल।
एक बोरी चना। इतना भिक्षा का अवशिष्ट
अन्न आया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ५ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ५ संवत् २०३८

रा. श्रावण १४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २१ गते

नाग ५

आज दूध ५ रुपये। साइनबोर्ड लिखने की पेशगी १० रुपये। शिलापट्ट में ४४.७५ लगेंगे।
आज भी समरजीत के यहाँ नहीं जा सके। श्रीतिवारी जी. पिपरी से लौटकर पुनः मठ में आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ६ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ५ संवत् २०३८

रा. श्रावण १५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २२ गते

आज भी कार्य होता रहा। दूध· तीन रुपये· साग दो रुपये। जलपान [illegible] पैसे। अखबार ४० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ७ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ६ संवत् २०३८

रा. श्रावण १६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २३ गते

आज मजदूर ने काम किया.. . पलास्तर का काम होता रहा। चूना ६ रुपये। दूध ७॥ रुपये। तरकारी २ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार ८ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ८ संवत् २०३८

रा. श्रावण १७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २४ गते

आज मजदूर नहीं आये। कवि वैद रहा। श्री दामोदरराव
रामनगीना राय सोरावं - पं. सूर्यनारायण शर्मा
आदि कल होने वाली चित्रगोष्ठी के लिये आये।
पं. रामनारायण जी इलाहाबाद से आये।
डा. उदय आज आये। कटाई साई 2.40 पैसे दिये।
बैंक से दो सौ रुपये - भोलानाथ मांझी का गां
निकलवाया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रस्तावित जिला गोष्ठी - ब्राह्मण परिषद की
मेरी अध्यक्षता में हुई। प्रातः बेलापुर के राजेन्द्रशर्मा
आये। तरकारी २५ रुपये। मसाला तेल ५ रुपये।
चीनी ५.५० रुपये। दही १० रुपये। दूध दस रुपये।
चायजलपान बीस रुपये।
गोष्ठी में पं. स्व० ना० शर्मा के अतिरिक्त पं.
अनुपम त्रिपाठी सदस्य एवं - बच्चनराय एडवोकेट
राजेन्द्र शर्मा एडवोकेट आदि। गाजीपुर से कै० सी० राय.
दामोदर नाथ. तथा अन्यान्य. सेमरा से पं बद्रीप्रसाद
शर्मा. बक्सर से जनार्दन राय. राधाकृष्ण पाण्डेय
वकील आदि आये। गुरुजी, रामअभिलाष राय. एम०
त्रिवेणीराय. अखिलकुमार 'आजेय' अस्वस्थ होकर
पधारे। गोष्ठी विधिवत हुई. सबका भोजन
सफल हुआ। परमंगा के पं० रामनारायण शर्मा
भी श्रद्धापूर्वक आये। कार्य विधिवत हुआ। मैंने
अपने भोजपुरी के पत्र - अफ्रयुगी के निवेदक एवं
अध्यक्ष - तथा लोकायुक्त की निर्णय की
प्रतिलिपि पढ़ कर सुनाया। उपस्थित लोगों ने इसका
अंजन आदि से समर्थन किया और ११ के
बाद बकासत्वन की शिक्षा देने का सुझाव दिया।
ब्राह्मणपरिषद की संगठनसमिति बनी।
मिश्री मजदूर को पचास रुपये दिया - इस प्रकार अब तक
१५० रुपये दे चुके। अन्तीम बार के - ५५ रुपये
देवाई का मैं पच्चीस रुपये और दूंगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १० अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल १० संवत् २०३८

रा. श्रावण १९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २६ गते

सोमवार व्रत

आज प्रातः आंजनेय' जी पिचे की रायबरेली गये।
पं. सूर्यनारायण शर्मा भी औरंगाबाद गये। वैजी
के पौत्र राजनारायण शर्मा भी गये।
पं. बद्री प्रसाद शर्मा ने तीस रुपये दिये। राजेन्द्र
भी दर्शनार्थ आया। गुलाब शर्मा नंदकिशोर
भी आये। नंदकिशोर ने दस रुपये दिये।
दिन में आज पलोस्तर-पोचारा का कार्य हुआ।
चूना रामराज १२ रुपये का मंगाया।
मेडपजी बाणपुर गये २२ को आयेंगे।
तरकारी दो रुपये, दही दो रुपये। अपवार दूध
३.५० रुपये। रहमान के तीन रोज काम रोक
से ही आये और नहीं हैं।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ११ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल ११ संवत् २०३८

रा. श्रावण २०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २७ गते

पुत्रदा ११ सबकी

आज मकान का कार्य मिस्त्री-मजदूर ने पूरा कर दिया। १०० मिस्त्री को दिया। चावलदाल भी दो तीन मूर्तियों के भोजन का दे दिया। मन्दिर से उतरा। पं. राधिकाशरण जी. आगरा-आइती प्राते. आ गये। स्वामी महेशदास जी; मौनी; श्री हरिदेवनारायण पाण्डेय - पनासा और राजकिशोर पाण्डेय - पनासा को पत्र लिखा. बाग के संबंध में तथा गेंदा-राजबहादुर-शान्तानन्द के उपद्रव के संबंध में। पं. इन्द्रनाथ त्रिपाठी को आवेदन [?] जिला - माण्डवी [?] रेकपत्र [?] अधीक्षक: डाकतार विभाग वाराणसी को दो रजिस्ट्री पत्रों के पहुंचाने तथा प्राप्ति स्वीकृति न लौटाने के संबंध में। १० रुपये रइयाँ के सीताराम को तथा ५० रुपये अखबार वाले को दिया। दस रुपया पंडित जी से उधार लिया। सिमरी का युदेवन [?] पाण्डेय घर से आया। आज प्रातः गंगा गये. दस रुपये पूजा दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज तरकारी दो रुपये। दिन में १२ बजे
वासुदेव शर्मा अभिनव. उनके बाद कटका के
भी हीरा शर्मा. वसूली हुई दाल लेकर
आये। उन्हें जल पिलाया- सत्कार किया।
बैंक से १०० रुपये कुंदवन द्वारा निकलवाया.
लिफाफा- दो मंगाया। दो रेवेन्यू टिकट
भी मंगाया। सायंकाल. डा० उदयनारायण
तिवारी जी तथा कलकत्ते से भीमसेन
पाण्डेय का पत्र आया। दूध तीन रुपये।
तरकारी १ रु० ५५ पैसे। आज कल्याण
के वासुदेव शर्मा आये। गोड़उर से केशव काउन
एवं उनकी पुत्रवधू तथा अन्य स्त्रियां आईं।
आज केशव के मूर्ख पुत्र ने उड़ती गलत खबर के
आधार पर कह दिया कि डा० त्रिवेदी राय मर गये
मुझे तो विश्वास नहीं हुआ. किन्तु चिन्ता में स्वप्न
उठते रहे नींद नहीं आयी। तर्क वितर्क से अंतःकरण
उद्विग्न बना रहा। अखबार २ रुपया। १ रुपया.
तरकारी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार १३ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. श्रावण २२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २९ गते

१५ प्रदोष

आज डा० उदयनारायन तिवारी जी को उनके पत्र का उत्तर दिया। श्री जगदीशनारायण शर्मा एवं महाराज काशी नरेश को पत्र-अंड़पजी के पत्र के साथ लिफाफा तैयार किया।
यूनिवर्सिटी कल खुल जायेगा। अभी संस्कृत में नामांकन नहीं हो रहा है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार १४ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल १४ संवत् २०३८
रा. श्रावण २३, शक १९०३ फ. १३८९ नै. ३० गते

आज डा० उ०ना० त्रिपाठी जी, श्री जगदीश नारायण शर्मा एवं डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा का मन घोड़वारा कुम्ह की स्त्रियाँ आईं। चार रुपये पूजा किया। तरकारी तीन रुपये। दूध आज से भी चेतीलाल का ८ रुपया। ईंधन सामग्री 1.50 पै०। डाक टिकट- 1.50. अखबार 1.65. 10 रु० 14 का [illegible]. गोंड़ा के लोग रात में गये। साबुन दो रुपये.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १५ अगस्त सन् १९८१ श्रावण शुक्ल १५ संवत् २०३८

रा. श्रावण २४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३१ गते

स्वतन्त्रता दिवस। रक्षाबन्धन। श्रावणी। पञ्चकारम्भ ४२-४३ से

ज्योतिषी जी चिपरी गये। अपराह्न में [redacted]
पुस्तकावलोकन किया। [redacted] रमेश झा बहुत
दुष्ट है। उदण्ड, लोलुप, चोर और अवारा है।
बहुत दिन टिकेगा नहीं।
दूध, तरकारी पांच रुपये। सिर में दर्द।
बरुआ की निमियां चर गईं। गोंड़र का बकरियों
के झुंड के साथ चर गया। SW योगीन्द्रनाथ
शर्मा आज ही अपराह्न को पहुंचे। कालाकांकर
[redacted] १ रुपया व०प० है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

~~[illegible]~~

~~[illegible]~~। ~~[illegible]~~। तरकारी २ रुपया दूध तीन रुपये। सर में विशेष दर्द। श्रीरामवचन राय को पत्र लिखा। जोशी राय को पत्र लिखा। सादा लिफाफा का ४० पैसा, तेल ५ रुपये। किरासन तेल के लिए पंडा के लड़के को ४ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भी ज्योतिषी जी नहीं आये. पिपरी पड़े हैं।
मैथिल खोइमा रमेश झा - वैशाली बड़ा ही दुष्ट है।
बहुत दिन तक टिकेगा नहीं पर सहना ही है। आज
डा० योगीन्द्रनाथ - खोड़ानी गये। प्रातः मैं वैद्य
श्री यदुनंदन उपाध्याय के यहाँ गया। उन्होंने निदान
किया पूजा दिलाया। योगीन्द्रनाथ भी साथ थे।
वैद्यजी बड़े नम्र शीलवान एवं संतलक्षण के हैं।
पं. बालकृष्ण शर्मा जैसे पूरी दिखा कर जानकी
करने के बाद दवा ली जायेगी।
डा० योगीन्द्रनाथ को रुपये पर्युमोंस के बाद दूंगा।
श्रीराजगोपाल के गई रामगोपाल एवं अपनी पत्नी
सहित आये।
उमेश बड़ा दुष्ट। नालायक और आवारा
लड़का है। उसने नारायणलक्ष्मण सबको परेशान
किया - अपमान एवं नागेन्द्र को भेजा।
दो छात्रों को जो उसके साथी एवं आवारा लड़के
हैं, उन्हें अगाल औरंगाबाद भेजना चाहिए
और अन्य लोगों को बुलाया।
कैसे कुटिल एवं पतित युवक है कि कुल की
प्रतिष्ठा का भी ध्यान नहीं दिखाते लोकलज्जा
का।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज अपने वैद्यजी · पं · बालकृष्ण शर्मा को
खुर्जी दिखाकर दवा लिया - सत्येन्द्र (राजकीबाग)
गया भी अपने दवा के लिये गया था - कुछ दिन
की दवा लिया। शिक्षा का काम पुस्तकों में
नीबूजी के लिये लिया। मधु पत्रकों। रिक्शा
२-३० बजे दिये। दूध - भोजन दोपहर। वे
वायुमंडल शर्मा बड़े हैं, मनस्वी हैं। वे
अपना मकान दिखाकर और गंगा लाभ भी हैं।

श्रीराजनारायण राय · मिला नाम भी कहते थे -
उन्हें उत्तर में कुछ लौकिक शब्दों में
अपनी आदत दिखाकर के संबंध में शब्दों
में कहा - वे मनहीमन प्रसन्न हैं। यह उस
जीवन के सत्य का बीज ही है जो भविष्य में भी
अंकुरित होगा। मैंने सत्येन्द्र से बातें हुई और
उन्हें पता चला कि राजनारायण ने
६०० रुपये दवा के लिए लेकर बालाजी
का सौदा किया - आज मैं पूरे दिन
भी भागा - हरिद्वार में दामोदर कहाँ
अपनी पूंजी को बचाकर रखो -
भागदौड़ी में सैकड़ों कैलाश
पूजा पुनः। और बातचीत
भावना की मनोवैज्ञानिक हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भी ज्योतिर्मा जी नहीं आये। उनका प्रयोग श्री रामारमण आया - कि असमर्थ हैं और - जानबाते हैं। मैंने कहलवाया कि कल २०.८.८१. को मुझसे भेंट करने के बाद ही जायेंगे तो ठीक है।

आज [illegible] का अकस्मात [illegible] विद्यार्थी सेवक का - युवक ... में कहीं निकल गया था - वह अपने असमय में भागने की ताक में लगा था। उसे आज ... मैंने उसे डांटकर जवाब दे दिया। उसका वेतन दिया. १५ रुपये। खाना मांगता था - डांटकर दूर किया। प्रातः श्री रामनारायण राय. अपनी पत्नी आदि के सहित गये। १० रुपये पूजा रूप में दोनों ने दिये। मैं इन लोगों के व्यवहार से प्रसन्न हूं। छतरपुर के वासुदेव शर्मा से - १५ रुपये उधार लिया - कोयला ४ पसेरी १२ रुपये। दूध-अखबार के रुपये कल परसों डाक से पैसे निकालना होगा। तरकारी के रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २० अगस्त सन् १९८१ भाद्रपद कृष्ण ५ संवत् २०३८
रा. श्रावण २९, शक १९०३ फ. १३८९ नं. ४ गते

पञ्चकान्त २।११ पर। हल ६

आज ज्योतिषी जी आये। उनसे बातें हुईं।
वे सोंगा पड़िया ले गये। कलायस्थान के लौटीं।
जलपान भी किया। उन्हें सलाह दिया कि
पेशाब की गड़बड़ी दूर करने के लिये सामान्य
कामेश्वर रसायन में अनुपान वाद ... लें।
× तारकाटी दो लिये।
पाटके पंडा और विश्वनाथ नड़ागे का तथा उनके
लड़के को पूजा करने का चावल-दाल गेहूँ-
दिया। पैसे दो-तीन दिन बाद दूंगा।
रामन् के पांडे की कल वाले के पत्रे पर उनके पत्रों
का उत्तर दिया तथा प्रश्न भी लिखे और
उद्योग योग 'बड़ उपादान' के संबंध में लिखा।
कल से ही अपने भोजन बनाना पड़ रहा
है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

हल ६

भोजन बना किया - १० बजे के बाद 'अ.श.' जी समती आ पहुँचे। अपराह्न में पं. सूर्य नारायण शर्मा के उनका बैंक से 200 रुपये (दो सौ) निकाला। १० रुपये वासुदेव शर्मा को दिया। दूध-तरकारी ५ रुपये। जल-वर्षा भी होगी। — ब्राह्मण परिषद की बैठक चलती है।

अपराह्न पं. इन्द्रदेव त्रिपाठी जी का पत्र आया। पाण्डुलिपि लिखने में अपनी असमर्थता प्रकट करते हैं। पर लिखना तो उन्हें पड़ेगा ही। प्रवचन - ५० मिनट।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार २२ अगस्त सन् १९८१ भाद्रपद कृष्ण ७ संवत् २०३८
रा. श्रावण ३१, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ६ गते

श्रीकृष्णजन्माष्टमी शैवों की

आज भी पं. कुलदीप नारायण मिश्र - पं. सूर्य नारायण शर्मा जी रहे। सात व्यक्तियों का भोजन बनवाया गया.. दोपहर में श्री जगदीश नारायण शर्मा जी रामनगर से आये. १२ बजे से तीन बजे तक मठ में रहे। सायंकाल श्री महाराज काशीनरेश ब्राह्मण-परिषद के प्रतिनिधि मंडल से नदेसर कोठी में मिलेंगे। २ बजे उनके मिलन का समय होगा। आडिटर साहेब पं. जगदीश नारायण शर्मा जी मालवीय ने अपने कार्यवाही की चर्चा की- कि सबका इस मठ में उन्हें स्थान मिलना चाहिये- मैंने उनकी इच्छा के अनुसार आश्वासन दिया। उन्होंने चलते समय ५० रुपये पूजा रूप में दिया। घी मंगाया ७०० ग्राम २३ रुपये। केला मंगाया। दूध ३ किलो. अखबार ५० पैसे। कल से ही रमाशंकर राम-लखन के साथ थे... आज भी रहे। भोजन विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २३ अगस्त सन् १९८१ भाद्रपद कृष्ण ८ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद १, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ७ गते

श्रीकृष्णजन्माष्टमी वैष्णवों की

आज ब्राह्मणसभा की विधान निर्माण उपसमिति की बैठक थी। काफी लोग आये। करीब १५-२० जनों के लिये भोजन बना - पूड़ी तरकारी। दही चीनी। तरकारी तरकारी पर करीब ५० पैसे। पत्तल आदि १रु० ५० पैसे। दही ४ रुपये।
सायंकाल दूध छपाव ४रु० ५० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भोजन सात व्यक्तियों का बना। पं. सूर्यनारायण
शर्मा. भड़भड़जी: रामजीलाल राय. आदि थे। बैठक के
फलस्वरूप तीनों व्यक्ति महाराज से मिलने बेतिया
कोठी गये। उसके पूर्व भोर में राजा साहेब के कनिष्ठ
भाई देवकी प्रसाद नारायण सिंह दो कर्मचारियों सहित मठ
में आये और उनके साथ नेपाल कोठी में कामेश्वर
से मिलने की बात कही।
किन्तु प्रतिनिधि मंडल को वहाँ पहुँचकर प्रतीक्षा करा
महाराज के नहीं आने से भेंट नहीं हो सकी।
वे लोग दो व्यक्ति लौट कर श्री सू. ना. शर्मा चले
गये।
अखण्ड तीर्थ गंगा में छोड़वाया।
श्री रामभरोसे पाण्डेय को कलकत्ता; श्री लक्ष्मीकान्त
तिवारी को सहसराँव और पं. राधिका रमण पांडेय को
देवरिया कलेक्टर का पता लेकर [illegible] पत्र लिखा।
रात में कमला कुमार गांजेय को एक पत्र
लिखा तथा उसकी नकल भी की। वह पत्र
श्री जगदीश राय को राजकुमार से भेजा गया। भड़भड़जी
घर गये। दूध तीन रुपये। कामता प्रसाद [illegible]
तरकारी के रुपये। अखबार ७० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २५ अगस्त सन् १९८१ भाद्रपद कृष्ण ११ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद ३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ९ गते

जया ११ सबकी

आज प्रातः पं. रामकेश [illegible] भाई श्री राधाकृष्ण जी आये। उनसे श्री जगदीशनारायण शर्मा - आडिट - रामनगर को तथा [illegible] को पत्र भेजा। तथा श्री कावेरिअम्मा को अपनी पुस्तकें - 'वेदान्त बोध दीपक', युगप्रवर्तक जगन्मान्य श्री स्वामी सहजानन्द सरस्वती: जीवनदर्शन एवं विचार-समष्टि" आदि भी भेजा। पंडित को वापसी मार्ग व्यय दिया। सहस्रार्ध से पं. चन्द्रमणि त्रिपाठी के लिये ... श्रीमान् [illegible] शर्मा व [illegible] सहस्र एवं मानस तथा सामान्य मनोविज्ञान - त्रिपाठी के [illegible] द्वारा पाया। लड़के द्वारा मौखिक संदेश कि त्रिपाठी जी 30 अगस्त को पधारेंगे। [illegible] 1,0,50 [illegible]।

~~आज सायंकाल~~

आज सायंकाल स्वामी [illegible]जानन्द परमहंस आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गोवत्स १२

आज तरकारी दो रुपये। अनन्नास दो रुपये।
कल सेठी भागलपुर के डा० मिश्र जो रामानन्द प्रखंड
में हैं - सपरिवार आये हैं। ठहरे हैं। आज परमहंस
कृष्णानंद ने बलात् हठात् ९० रुपये दिये। तेल ८० पैसे.
हींग-जीरा ५० पैसे। कोयला १ क्वि० १० पैसे।
आज शिक्षा अनुसन्धान को भेजे जाने वाले पत्र का
मसविदा तैयार किया। डा० योगीन्द्रनाथ
के यहाँ से रामजी लोहजलादि गया तथा शिवाजी
लौह ले आये। उन्हीं द्वारा योगीन्द्र को १५-२०
किलो अरहर की दाल तथा ५ किलो चावल को
कार्य से भेज दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २७ अगस्त सन् १९८१ भाद्रपद कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद ५, शक १९०३ फ. १३८९ नें. ११ गते

मासशिवरात्रि व्रत । प्रदोष

आज शिक्षा-आयुक्त को भेजे जानेवाले पत्र को संशोधित करके साफ किया और योगीराज के पत्र के साथ संलग्न करके लिफाफे में बंद किया एक पत्र उन्हें कल भी लिख कर तैयार किया था- वह भी लिफाफे में बंद किया। [illegible]·[illegible] दोनों[illegible] से दोनों पत्र कल छोड़े जायेंगे।

तरकारी- दो रुपये। दूध रु० ४ आने। रामा बहन को २५ पैसे। दंतमंजन- २ रु० १५ पैसे- उपवन ५० पैसे

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज· अरुण कुमार मिश्र.. गनौल ·भागलपुर-जो रोहतास के रामगढ़ प्रखंड में हैं.. वेरमेरी जवरट - के सामग्री आये थे... तीन दिनों के बाद रामगढ़ गये। उन्हें अपनी दो रचनायें.. 'वज्रआसन बोध-दीपक' - युगपुरुष कजनायक स्वामी सहजानंद सरस्वती - जीवन दर्शन एवं विचारात्मक की एक-एक प्रतियां भेंट की। वे ज्वलेपन ... रुपया दक्षिणा में दे गये। तरकारी २ रु० ५४ पैसे। सायंकाल ६.३० पं. रामभक्त शर्मा - रसीलपुर के प्रयत्न से कांग्रेस के महामंत्री एवं मूर्धन्य स्वतंत्रता सेनानी डा० रघुनाथ सिंह जी आये। उनका सत्कार किया। 'वज्रआसन' के संबंध में बातें हुई... मैंने वर्तमान स्थिति और गोस्वामी उनकी भी स्थिति बतायी। मठ के संबंध में उन्होंने दिलचस्पी ली। कैसे चलता है, कितने लोग रहते हैं? अंत में उन्होंने महाराज के रूप में हैं या नहीं इसकी जिज्ञासा की। मैंने यथाज्ञात स्थिति बतायी तब उन्होंने कहा कि मैं महाराज साहब से बातें करके पुनः आपसे मिलूंगा।

दूध· · जलपान रघुनाथसिंह २ रुपया· साबुन· २ रुपया। आज· अभ्यंक· ज्वाला, रावे ३.४० आ०जनेश तथा अन्य कुछ पत्र आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पं. रामयत्न शर्मा जी, अपराह्न आये। सामान्य समाचार होता रहा। तरकारी के रुपये। आटा पिसाई दो रुपये। दूध: दो दिन का ८.५०. अखबार ५० पैसे। श्री कृष्णानन्द परमहंस और वासुदेव शर्मा में षड्यंत्र गोष्ठी खूब जमती है। दोनों को बुद्धि का अजीर्ण है जिसके लिये कोई पाचक नहीं है।

श्री रामाधार राय जी तथा श्री रामवचन राय जी कोई नहीं आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज दोपहर में श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी जी सहसरावं से आये। उनसे गोरखपुरी अकादमी से हुए प्रकाशन के संबंध में पूरा विचार विमर्श हुआ। 'वेदभाष्य' के प्रकाशन कोष का भारी घपला उजागर हुआ है।

उसके बाद उन्हें अयोध्या के मामलों से संबंधित सभी जजमेंट- R.K. सक्सेना, यू.S. चतुर्वेदी, K.A. अब्बासी आदि और अनुभाग की प्रतियां दे दी ताकि वे सुन्दर अनुवाद तैयार करके देंगे तब पुस्तक प्रणयन एवं प्रकाशन का काम होगा। 'वेदभाष्य' के प्रकाशन और उसकी सहायता से संबंधित अन्य महत्व की बातें भी हुयीं! दूध रूका ४ आने अवश्य ५० पैसे।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ३१ अगस्त सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल २ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद ९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १५ गते

आज भी रुपया नहीं निकाला जा सका। वैद्य जी के यहाँ दवा के लिये भी नहीं जा सके। डा० उदयनारायण तिवारी जी तथा डॉ० हवलदार त्रिपाठी 'सहृदय' निदेशक मैथिली अकादमी को पत्र लिखने का प्रयत्न किया। पत्र का पूर्वप्रारूप तैयार किया।

भोजन बनाने में समय नष्ट हो जाता है। महामण्डल के पहलवान साहेब भी आये तथा कम्हीमा के मिश्र जी पधारे। उन्नाव से आ रहे थे।

अखबार ५० पैसे। दूध एक रु० ४ आने। पांच रुपये कोई ले गया याद नहीं। सादा लिफाफा २५ पैसे। तरकारी दो रुपये चार आने।

श्री शिवदत्त राय अंजोरपुर देहरादून मिलिटरी में है। मेरे शिष्य हैं। वे भी रात में पांच रुपये दे गये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल ३ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद १०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १६ गते

हरतालिका ३ व्रत

आज बैंक से १४० रुपये वासुदेव शर्मा द्वारा निकलवाया। दूध ३ रु० ४ आने। अखबार ५० पैसे। तरकारी दो रुपये ४ आने।

आज पत्रों की शुद्ध प्रतियाँ तैयार की गयी। सायंकाल राम प्रवेश-(वकील) आये हुये हैं। प्रो० सत्यनारायण सिंह का उदयप्रताप कालेज से एक कर्मचारी लेकर आया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज घाट के पंडा को १२ रुपया दक्षिणा तथा पूजा
के निमित्त दो माह जुलाई-अगस्त के १० रुपये।
कुल बाईस रुपये दिया। दो बाकी है। पं. हवलदार
त्रिपाठी जी के निवेदन पत्र की टंकित प्रतियां
तैयार कराया। राशन में ५.५०. गोंद १ रुपया.
तरकारी दो रुपये. तेल और हींग. १ रु० २२ पैसे.
डा० उदयनारायण तिवारी जी को इकरारपत्र. डा०
रामलखन शर्मा को पत्र भेजा। रामपूजन राय
प्राध्यापक को रेवतीपुर के पते पर पत्र भेजा।
पं. हवलदार त्रिपाठी को रजिस्ट्री द्वारा उनके
पत्र का जवाब भेजा। रजिस्ट्री की रसीद संख्या
२०२२. २.९.८१ हनुमानघाट - वाराणसी।
रजिस्ट्री शुल्क ३ रु०. ५ पैसे। कोयला १३ रुपया।
गदाधर राय जी का पत्र. श्री रामप्रवेश तिवारी द्वारा।
रामप्रवेश ने गाय और रकम व्यय वहन किया।
उन्हें 'दउआमन' की पद्धति की एक प्रति दिया।
सम्मति-पुस्तिका दिया... तथा [illegible] में पायी
स्वामी जी के संबंध की टीका दी। अड़ंग जी
का एक पत्र लिखवा के आया मांग गया हुआ।
रात में सिवाने से भी राम नरेश शाही एवं अन्य कुछ
लोग आये. एक को लेके। २ हजार पैसे द
सिंहे ४०० रुपये दे रहे थे किन्तु मैंने स्वीकार
नहीं किया। अच्छा समय बीत गया... लोग केवल
ठीक नहीं। आगे देखा जायेगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज श्री बालक के कान की ऋषि ५ टोंटी. सायं ६ पैंच में [illegible]
की मंगाया। कुल अचवन [illegible]। तत्काल [illegible]
[illegible] मिश्री के [illegible] शर्मा. - वासुदेव शास्त्री.
कलकत्ता को ले जाने के लिये आये। कारण है कि.
सन्मठी में आनन्द राम दास व वासुदेव राम के संबंधी [illegible]
तथा [illegible] में कष्ट है. जी की देखभाल के
लिये। कल गौरी दोनों जायेंगे।
बहुत दिन के बाद बालकराम के भी [illegible]
शर्मा. . ४. ८. ८. आये। [illegible]
कहा। शकुन्तला ने अपना मुँह [illegible] . . [illegible]
[illegible] भी [illegible] नहीं। अब
ये चाहते हैं कि राजनाथ से अपना [illegible] करावें।
. . . . .

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ४ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल ६ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद १३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १९ गते

अर्क ६

आज वासुदेव शर्मा २५ वें दिन आ गये। जाते समय ३० रुपये
भुजालय में दे गये। तरकारी नींबू १६५.७० पैसे।
खुशी का राम जीना इनाम आया ख्वे दवा लेकर गया,
शिवकुमार शर्मा · भोजन के बाद अपराह्न गये।
एक प्रति · व्युत्पत्तिवाद विषद तथा · सिमटी की कापियाँ
दिया। १० प्रति प्रतिक वेन्याग को अनुरोध किया।
मैंने ... में प्राप्त ले जाने को कहा।
दूध · अक्तूबर २४००७५ पैसे · रामावतार को भाग दिये पैसे।
चीनी · १०००.७५ पैसे।
जल · शीशी बिजली ... की टोटी। ५ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सुरेश के लिये सुरेन्द्र को संकेतपत्र लिखकर तैयार किया। प्रा० सकलनारायण सिंह को उनके पत्र के उत्तर में पत्र लिखकर तैयार किया। दूध २ रु० ४ आने। घी १२ रुपये। डायरी का तरकारी १.५० रु० अखबार ५० पैसे।

x x x x

धम्मपद खुद्दक निकाय का द्वितीय ग्रंथ है। यह बौद्धधर्म के सिद्धान्तों एवं साधना मार्ग को स्पष्ट करने वाली एक अमर कृति है। हिन्दुओं में जिस प्रकार का सम्मान श्रीमद्भगवद्गीता को प्राप्त है, उसी प्रकार का सम्मान बौद्ध धर्मावलम्बियों में धम्मपद को प्राप्त है। श्रीमद्भगवद्गीता एक स्वतंत्र रचना नहीं है, महाभारत का एक अंग है, उसी प्रकार धम्मपद भी स्वतंत्र रचना नहीं है। वह भी सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय का एक अंग है।

पर जहाँ श्रीमद्भगवद्गीता का प्रतिपाद्य ज्ञान, कर्म और भक्ति है वहाँ धम्मपद में केवल कर्म और वह भी सत्कर्म की महिमा प्रतिपादित है। श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दू धर्म का एक उच्चकोटि का ग्रंथ एवं उसका दर्शन अत्यन्त प्रौढ़ एवं गहन है। वहाँ दूसरी ओर धम्मपद बौद्धधर्म का एक अद्भुत अलौकिक ग्रंथ है तथापि उसका दर्शन [illegible] केवल नैतिक दृष्टिकोण तक ही सीमित है।

धम्मपद में २६ वर्ग हैं और ४२३ गाथायें या पद्य हैं। ये पद्य प्रारंभिक बौद्धों में प्रचलित [illegible] से एकत्र किये गये

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज बड़ा ही कष्ट बीता... उदयनारायण इतना मूर्ख एवं पागल है कि गंगाजल तक नहीं ले आया था। वैद्यजी के यहाँ गये। दवा लिया। रिक्शा भाड़ा 1रु० 60 पैसे। तरकारी नीबू 1रु० 4 आने। दूध 2रु० 8 आने। अखबार 50 पैसे। भूँजा भुँजाई 60 पैसे। रामावतार महाधूर्त, कुटिल और प्रच्छन्न डाकू है। कार्ड की चीनी लाकर बेंच खाता है। कभी देना नहीं चाहता। सामान का देकर फुसलाना चाहता है। दो लिफाफा का 70 पैसे।

× × × ×

धम्मपद में दो शब्द हैं. धम्म और पद। धम्म संस्कृत शब्द धर्म का पालि रूपान्तर है। धर्म शब्द की एक निश्चित परिभाषा नहीं है और भारतीय साहित्य में उसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग हुए हैं। धम्मपद ग्रंथ में इसका प्रयोग सदाचार के अर्थ में हुआ है। पद शब्द का अर्थ मार्ग है। अतः 'धम्मपद' का अर्थ धर्म का मार्ग हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सुरेश के लिये सुरेन्द्र को संकेतपत्र लिखकर तैयार किया। प्रो० सकलनारायणसिंह को उनके पत्र के उत्तर में पत्र लिखकर तैयार किया। दूध २रु० ४ आने · चीनी १२ रुपये. डायरी का तरकारी १.५०रु० अखबार ५० पैसे।

× × × ×

धम्मपद खुद्दक निकाय का द्वितीय ग्रंथ है। यह बौद्धधर्म के सिद्धान्तों एवं साधना मार्ग को स्पष्ट करने वाली एक अमर कृति है। हिन्दुओं में जिसप्रकार का सम्मान श्रीमद्भगवद्गीता का प्राप्त है, उसी प्रकार का सम्मान बौद्ध धर्मावलम्बियों में धम्मपद को प्राप्त है। श्रीमद्भगवद्गीता एक स्वतंत्र रचना नहीं है, महाभारत का एक अंग है, उसी प्रकार धम्मपद भी स्वतंत्र रचना नहीं है। वह भी सुत्तपिटक के खुद्दकनिकाय का एक अंग है।

पर जहाँ श्रीमद्भगवद्गीता का प्रतिपाद्य ज्ञान, कर्म और भक्ति है वहाँ धम्मपद में केवल कर्म और वह भी सत्कर्म की महिमा प्रतिपादित है। श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दू धर्म का एक उच्चकोटि का ग्रंथ है व उसका दर्शन अत्यंत प्रौढ़ एवं गहन है, वहाँ दूसरी ओर धम्मपद बौद्धधर्म का एक अत्यन्त आर्मिक ग्रंथ है तथा उसका दर्शन [illegible] केवल नैतिक दृष्टिकोण तक ही सीमित है।

धम्मपद में २६ वर्ग हैं और ४२३ गाथाएँ या पद्य हैं। ये पद्य प्राचीन बौद्धों में प्रचलित साहित्य से एकत्र किये गये

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज बड़ा ही कष्ट बीता... उदयनारायण इतना मूर्ख एवं पागल है कि गंगाजल तक नहीं ले आया था। वैद्य जी के यहाँ गये। दवा लिया। रिक्शा भाड़ा १रु० ६० पैसे। तरकारी नीबू १रु० ४ आने। दूध २ रु० ४ आने। अखबार ५० पैसे। भुँजा भुँजाई ६० पैसे। रामावतार महाधूर्त, कुटिल और प्रच्छन्न डाकू है। कार्ड की चीनी लाकर बेंच खाता है। कभी देना नहीं चाहता। बमभोल का देकर फुसलाना चाहता है। दो लिफाफा ७० पैसे।

× × × ×

धम्मपद में दो शब्द हैं. धम्म और पद। धम्म संस्कृत शब्द धर्म का पालि रूपान्तर है। धर्म शब्द की एक निश्चित परिभाषा नहीं है और भारतीय साहित्य में उसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग हुए हैं। धम्मपद ग्रंथ में इसका प्रयोग सदाचार के अर्थ में हुआ है। पद शब्द का अर्थ मार्ग है। अतः 'धम्मपद' का अर्थ धर्म का मार्ग हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

डॉक्टर रामावतार ने पांच दिन पूर्व कहा था कि
७ ता० को चीनी मिलेगी, अब आजकल
है कि १५ ता० को देने को कहा है। मतलब
इसी का तिकड़म और जाल है। कपूर जी
की धूपबत्ती १ रु० ५० पैसे। तरकारी ५० पैसे.
नींबू २५ पैसे। दूध · २ रु० ४ आना · मक्खन ५० पैसे.
के साथ के लोग जो पुत्रवधू तथा अन्य लोग गये।
सायंकाल · चीनी ७० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ८ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल ९ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद १७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २३ गते

आज क्रोध से कुछ भोजन नहीं बना प्रातः। दिन में केला 1.50 पैसे। नींबू .25 पैसे. चीनी 1 रु० 75 पैसे.
सायंकाल भोजन रोटी दाल चना व्यंजन भोजन किया. डब्बू और धूर्त राजा बालक को भी दिया।
दियासलाई .20 पैसे। दूध 1 रु० .50 पैसे। तरकारी 75 पैसे। सायंकाल पं. यमुना प्र पाण्डेय जी आतिथ्य आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ९ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १० संवत् २०३८

रा. भाद्रपद १८, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २४ गते

आज प्रातः स्नानपूजा ध्यान। तेल २० पैसे। फिर
हींग तम्बाकू [illegible] आदि २ रु० १५ पैसे। पंडा से चीनी
लाने को कहा। सुरेन्द्र एवं सकलनारायण सिंह
प्राध्यापक का पत्र डाक में उदयनारायण द्वारा डाला।
अखबार 'आज' वाले को आज १० रुपये दिया।
शेष बिल कल दूंगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पद्मा ११ सबकी

आज अखबार वाले का बीच पढ़ाया और रुपये दिया।
तरकारी १ रु० ६० पैसे। पंडा का लड़का बीमार है.
वही पूजा करता था... अब पंडा आराम करते हैं।
आज औंस जी के लिये कहा... दिन में विमल
के श्री जगदीशराम जी तथा अमरनाथ आये। वे
लोग कि देवविद्यालय से नागेन्द्र के यहाँ से होकर
आये थे।
दिन में भोजन बनाकर खाया गया। उपाध्याय डा० उदय
नारायण तिवारी जी का ५.८.८१ का अलोपी बाग
से लिखा पत्र मिला कि वे इस समय अपने को
"बौधायन" के समाचार के लिये लिख चुके हैं।
दूध २ रु० ७५ पैसे। दियासलाई २० पैसे। लिफाफा
१ रु० ५ पैसे। ५ पैसे रिक्शा वाले को। १० पैसे ज्योतिषी
जी का बाकी उन्हें दिया। अब आशा है कि
'बौधायन' के प्रकाशन की व्यवस्था में शीघ्र
हो जायेगा और अकादमी और कार्यों की
नीति क्रियान्वयन स्पष्ट हो जायेगी।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Friday the 11th September 1981.

शुक्रवार ११ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १२ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २६ गते

प्रदोष

भोजन बनाने में बड़ा कष्ट है। आज ज्योतिषीजी भोजनोपरान्त गये। प्रातः उन्होंने पूजा के लिये इन्कार किया। श्रीरामपारायण उनके पौत्र [illegible]।
अपराह्न आंधी होने पर [illegible] (बहराइच) के पं. श्री बैजनाथ पाण्डेयजी अपने [illegible] के एक युवक के साथ आ पहुँचे। २० वर्षों के बाद उनसे भेंट हुई। भोजन सामग्री दे कर [illegible]। दूध - २ किलो ४ आना। [illegible] ५० पैसे। [illegible] २५ पैसे। दिन में तरकारी १ किलो ५० पैसे। भाजी १ किलो ७५ पैसे। बैजनाथ पाण्डेय [illegible] होकर [illegible] हैं। भोजनोपरान्त [illegible] कि अपने [illegible] से [illegible] इनका [illegible] दें तो लेते आयें।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १२ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २१, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २७ गते

पञ्चकारम्भ १५-३९ से। अनन्त १४

आज प्रातः बैजनाथ पाण्डेय को ले जाना पड़ा।
तरकारी आदि दो रुपये [illegible] पैसे। भोजन
बनाया उस समय [illegible] बजे। बैजनाथ पाण्डेय को
खिलाना पड़ा। [illegible] का संकोच [illegible]
होता है। भोजन आज दोनों जून।
अपराह्न बहुआ के मुखिया जी ... गंगाप्रसाद यादव जी
आये। अस्पताल में उनके (भतीजा रामचन्द्र) लड़के को
जन्म हुआ है। ९० रुपये उन्होंने पूजा दी। दो रुपये
नामकरण के लिये दिया।
जन्म का समय - बुधवार सायंकाल ५ बजकर २४
मि.. पूर्वाषाढा नक्षत्र .. अन्तिम चरण है। ५.५.२९
धनराशि है। राशिनाम .. [illegible] रख दिया है।
आटा मिठाई एवं दातुन। ५० पैसे। दूध तीन रुपये
अखबार ५० पैसे। दन्तमंजन ३ रुपये। बल्ब ६० ४ रु० ४० पैसे
का लिया गया।
फिर सायंकाल में डा० योगेन्द्रनाथ शर्मा
खीझनी से आ पहुंचे। उनके आग्रह से
मुझे विश्वनाथगली में लक्ष्मीनारायण जी
मालावाले की दुकान में माला के लिये
जाना पड़ा। गये माला खरीद पाया और
लौटे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ११ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १२ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २६ गते

प्रदोष

भोजन बनाने में बड़ा कष्ट है। आज ज्योतिषीजी भोजनोपरान्त गये। प्रातः उन्होंने पूजा के लिये इन्कार किया। शिवपारायण उनके भतीजे लिया गये।
अपराह्न अंधेरा होने पर डिहरी (बिहार) के वृ. श्री बैजनाथ पाण्डेयजी अपने [illegible] के एक युवक के साथ आ पहुँचे। २० वर्षों के बाद उनसे भेंट हुई। भोजन सामग्री दे कर बनवाया खिलवाया। दूध २ रु० ४ आना। केला [illegible] ५० पैसे। [illegible] २५ पैसे। दिन में तरकारी १ रु० ५० पैसे। भाजी १ रु० ७५ पैसे। बैजनाथ पाण्डेयजी कुछ [illegible] निकले हैं। भोजनोपरान्त [illegible] किया कि अपने [illegible] से संपर्क कर उनका [illegible] सहित देना [illegible] आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १२ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २१, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २७ गते

पञ्चकारम्भ १५-३९ से। अनन्त १४

आज प्रातः बैजनाथ पाण्डेय को पुनः लाना पड़ा।
तरकारी आदि दो रुपये [illegible] ५० पैसे। भोजन
बनाना [illegible] हेतु पुनः. भोजन पश्चात् पाण्डेयजी को
मिलना पड़ा। यह व्यवहार का संकोच [illegible]
दोष के है। भोजनोपरान्त दोनों गये।
अपराह्न बाबू के मुनीमजी... गंगाप्रसादजी
आये। [illegible] उनके (भगवान नारायण) विनोद को
प्रसन्न हुआ है। १० रुपये उन्होंने पूजा दी। दो रुपये
श्रीगणेशजी के भोग दिया।
दिन का भोजन - जलपान सायंकाल ६ बजकर २४
मि.. पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र.. अन्तिम चरण है। [illegible]
धनराशि है। रात्रिभोजन [illegible] किया है।
आटा मिठाई एवं [illegible]। ६५ पैसे। दूध तीन रुपये
अखबार ५० पैसे। दन्तमंजन [illegible]। [illegible]
का लिया गया।
पुनः सायंकाल में ६।० श्री गोविन्द नाथ शर्मा
रवीन्द्रपुरी से आ पहुंचे। उनके आग्रह से
मुझे विश्वनाथगली में लक्ष्मीनारायणजी
मालावाले श्रीकृष्णचन्द्र नागर के लिये
जाना पड़ा। गये माला [illegible] और
लौटे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १३ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १४ संवत् २०३८
रा. भाद्रपद २२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २८ गते

अनन्त १४। व्रत की १५

आज प्रातः स्नानपूजा के बाद पूड़ी खीर बनाया
कुम्भ · 8 · 50 · चीनीतकोती लीलामये।
डा० योगीन्द्रनाथ को भोजनपान के बाद
उनके दिल्ली जाते समय उन्हें नीलमाये
[illegible] गया। सायंकाल कुम्भ · 2 रु० ६५ पैसे ·
फल २० पैसे। अन्नपान ५० पैसा।
सायंकाल जयपुर के रामजीलाल शर्मा तथा
उनके पिताजी के संबंधी आये। मिष्ठान्न तथा
अन्य फलफूल दिया।
बाद में नागपुर के श्री जगन्नाथ प्रसाद
बड़े दिनों पर आये। उनसे समाधान होता
रहा। बाद में डाक से डा० [illegible]
वेदव्यास- ग्रंथ को- "चतुर्भुज वो पवित्रता"
[illegible] पत्रिका तथा [illegible]
पत्रों में छपी। युगपुरुष के [illegible]
स्वामी सहजानन्द सरस्वती जीवनदर्शन एवं
किसान सभा → श्री [illegible] मेरे पास भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १४ सितम्बर सन् १९८१ भाद्रपद शुक्ल १५ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २३, शाक १९०३ फ. १३८९ ने. २९ गते

१७ स्नान-दान की १५। महालयारम्भ। प्रतिपदा श्राद्ध

आज भाद्रपूर्णिमा थी। चातुर्मास्य नियम पूरा हुआ।
परंपरा निर्वाह मात्र ही होता है। रूढ़िगत सभी बातें
उपादेय नहीं। क्षौर कर्म सम्पन्न हुआ। देवपूजा-गुरुपूजा।
राम मंदिर की मूर्तियों की अर्चापूजा किया।
फूल-प्रसाद तीन रुपये। तरकारी नीबू दो रुपये।
हज्जाम को १ रु० ५० पैसे। आज बैंक से १०५ रुपये
निकाला। भोजन बनाया भात-तरकारी। राधाकृष्ण
शर्मा पत्नियां के साथ... उन्होंने मदद की - बैंक से रुपये
ला दिया।
अपराह्न खोजवाँ के कृषि पदाधिकारी दवा के
संबंध में आये थे। जमाता से पत्र आया।
[illegible] पत्र लिखा। जमाता रविदेवनारायण एवं
राजकिशोर पाण्डेय के पत्र की प्रतिक्रिया में
पं. रामेश्वर नारायण पाण्डेय देवरी को पत्र
लिखा। सिमरी भोजपुर हरिवंश पाण्डेय को पत्र
लिखा। राम [illegible] नाथ को [illegible] पत्र लिखा। श्रीमान
दामोदर राय जी को बेरावां के पते पर पत्र लिख
भेजा।
दूध २ रु० ४ आने। दही ४ रुपये। चीनी १ रु० ८०
पैसे। रामावतार को चाय २५ पैसे। जमाता
की चिट्ठी ३० पैसे के बजाय लिफाफा में भी टिकट,
२० पैसे देने पड़े। फुटकर नहीं था अत: डाकिये को
घर आने दे दिया। लकड़ी का कोयला -
१ रु० ९० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १५ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण २ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३० गते

द्वितीया श्राद्ध

आज वैद्यजी के यहां गये दवा लिया १० दिनों की। रिक्शा भाड़ा १ रु० २५ पैसे। तरकारी १ रु० ७५ पैसे। नमक हींग। २५ पैसे। रामावतार चाय २५ पैसे। दूध २ रु० ५ आने। अखबार १.Emb.४० पैसे। रामावतार की इच्छा पत्नी को पांच रुपये सहायता। रामावतार को आटा ढाई किलो भोजन के लिये। अलबिलिके चारों पत्र स्वयं छोड़ा। अवधेश-प्रसाद को 'अंजनेय' जी की कोई पत्रिका नहीं दी या भेजवाया।. आज रात में अवधेशप्रसाद पांच पुस्तकें लेकर आये दे गये। बहुत बातें होती रहीं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः मठ से बक्सर के लिये प्रस्थान किया। रिक्शा १रु० ४ आने। बस १ रुपया। रेलभाड़ा ५ रु० २०पै० अखबार ५० पैसे। विक्रमशिला से [illegible] बक्सर पहुंचे। कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदर्शन में दिल्ली गये, फिर [illegible] के आवारा लड़कों-लफंगों की भीड़ गाड़ी में सवार सामान्य यात्रियों के लिये सिर दर्द थी। ये पार्टी वाले देश के पतन और [illegible] की [illegible] पैदा करने के कारण हो रहे हैं। बक्सर रिक्शा १रु०७५ पैसे। केला तीन रुपये। बहंगी वाले को ५० पैसे। पंडा को ५० पैसे।

दोपहर में राजकुमार के यहाँ गये। भोजन किया। वहाँ श्री मार्कण्डेय चौबे- नारायण जी से भेंट हुई। श्री जगदेवनाथ वकील के सुपुत्र, भतीजों ने आश्रम में बेहद गंदगी पैदा कर रक्खी। आश्रम में [illegible] दान के नाम से- कूड़ा फेंक- बर्तन मल- कपड़ा धोकर अस्त व्यस्त बना रक्खा था- उसे साफ करने में आज तीन घंटे लगा रहना पड़ा। थकावट।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार १७ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण ४ संवत् २०३८
रा. भाद्रपद २६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १ गते

बिश्वकर्मा पुजा । चतुर्थी श्राद्ध

मिट्टी का खप्पर · १रु०·५० पैसा, रिक्शा १रु०·८०·पै० ·
केला ·· दो रुपये। आज रात्रि में प्रातः तीन बजे से दर्द रहा।
सारादिन कष्ट में ही बीता। दिन में विषयों का केसरां
अध्ययन किया। श्रीराम शर्मा · संस्कृताध्यापक से भेंट
हुई · समाधान हुआ। सायंकाल ·· सेव १रु०·५० पैसे चीनी
१ रुपये। हिमताज तेल · ५·५० पैसे। Times of India ·
रविवार · पढ़ा। आज जनार्दन राम दवे जी से भेंट हुई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

षष्ठी श्राद्ध

आज तूफान एक्सप्रेस से पटना जंक्शन उतर कर श्री स्वामी सहजानंद स्मारक समिति के कार्यालय भवन पहुँचे। श्री कृ० ना० 'अजय' जी तो साथ थे ही। प्राइमरी पाठशाला के शिक्षकवृन्द ने बड़ा स्वागत किया... जलपान किया गया। 'अजय' जी डा० रामबचन शर्मा का पता लगाने तथा अन्य कार्यों से प्रो० अर्जुन सिंह के यहाँ पहुँचे। वहाँ से लौटे... तब चार बजे वहाँ से चलकर हमलोग फुलवारी-कैम्प जेल... श्री योगीराज के निवासस्थान पहुँचे। वहाँ डा० ब्रजदेव लाल सोहार्द से भेंट हुई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection.

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २० सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण ७ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद २९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ४ गते

सप्तमी श्राद्ध

आज प्रातः टेम्पू से डा० राजवल्लभ शर्मा के घर पर पहुँचे। वे पटने से बाहर कहीं कार्यक्रमों के लिये गये हैं। वहाँ से लौटकर प्रो० व्रजकिशोर (प्रि० [illegible]) पालिटेक्निक एवं संपादक 'भोजपुरी कथा कहानी' और सदस्य भोजपुरी अकादमी के निवास पर पहुँचे। उनसे 'पउआगन' के प्रकाशन और अकादमी की बैठक के संबंध में विस्तृत वार्ता हुई। वहाँ जलपान भी किया गया। व्रजकिशोर जी को मैंने अकादमी में भेजे अपने पत्र सुनाये तथा.. उन्होंने भी ८.८.७९ की अकादमी की बैठक का विवरण सुनाया... उन्होंने बताया कि अध्यक्ष का चयन [illegible] गया उस पर कोई विरोध नहीं हुआ पर औपचारिक नहीं हुई। अभी [illegible] का भी विरोध हुआ। मैंने उनसे अनुरोध किया कि २६.२७ सितम्बर की बैठक में कोई स्पष्ट निर्णय होना चाहिये। [illegible] में छपाई की बात तय [illegible] उन्हें सूचित किया जाय.. मैं पुस्तक का व्यय २,००० रुपये दूंगा।... वहाँ से लौटकर स्वामी सहजानंद जन्म समिति में ब्राह्मण परिषद की बैठक में भाग लिया। गाजीपुर से के० सी० राय एवं श्री [illegible] शर्मा आये थे। दरभंगा से चौ० राजनारायण शर्मा। पं० [illegible] नारायण शर्मा के आने का पता.. [illegible] के वकील [illegible] के पैरोकार और [illegible] शर्मा अकादमी में [illegible]। बैठक हुई [illegible] भी हुई। अगली बैठक गाजीपुर स्वामी सहजानंद विद्यापीठ में करने का निश्चय हुआ। पुनः स्वामी शिवानंद को उनके [illegible] के लिये संकेत: डॉ० [illegible] [illegible] [illegible] दिये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Monday the 21st September 1981.

सोमवार २१ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण ८ संवत् २०३८
रा. भाद्रपद ३०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ५ गते

महालक्ष्मी व्रत । जीवित्पुत्रिका व्रत । नवमी श्राद्ध

आज प्रातः नित्यक्रिया निवृत्त होकर 'अरुण' जी के साथ
गर्दनीबाग. पं० सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी, अध्यक्ष, मैथिली-
अकादमी के निवासस्थान पर पहुँचे। वे ध०नी० 'दक्षिण-
साधनापुरी' में मिले। उन्होंने आदर सत्कार किया। उनसे
'वेदभाष्य' के संबंध में संक्षिप्त वार्ता हुई। अपराह्न में
श्री आँगों राय के निवास पर लौटे। 'अरुण' जी
सायंकाल अपनी पाण्डुलिपि लेकर लौटे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २२ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण ९ संवत् २०३८

रा. भाद्रपद ३१, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ६ गते

मातृ नवमी । दशमी श्राद्ध

प्रातः भोजपुर शटल पकड़ा फुलवारी से चढ़े और भैरव जी के साथ.. बक्सर उतरे। गाड़ी में बड़ी दुर्गति थी... लगातार खड़े होकर आये। दोपहर में रविनन्दन के यहाँ भोजन किया। पुनः भोजन वमन हुआ क्योंकि पूर्व भोजन में लहसुन प्याज पड़ गया था।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २४ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण ११ संवत् २०३८
रा. आश्विन २, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ८ गते

इन्दिरा ११ सबकी । द्वादशी श्राद्ध

आज ट्रैजरी से जुलाई अगस्त की पेंशन निकाल कर लौटे। मैदागिन पैदल लौटे। कामेश्वर बाबू सईस को दो रुपये। केला सेब २ रु० ७५ पैसे। मूंग चीनी २ रु० ८ आने। बृजदेव सिंह को जुलाई अगस्त का वेतन २० रुपये देकर चुकता किया। केदार मल्लाह को बगल की सफाई के लिये दो रुपये दिया। सर्वेश्वर पति त्रिपाठी एवं पं० गणेश चौबे को दो दरखास्त पत्र लिख कर तैयार किया पर काइजा 'आंजनेय' जी के नहीं आने से नहीं दे सका। सम्भवतः वे कल आवें और उनके माध्यम से पत्र भेजा जा सके। ५०० रुपये श्री शिवनारायण (गंगापुर) रजिस्ट्रार - के यहाँ जमा कर दिया। काशी जाते समय ले लेंगे।

सिकरी से श्री शिवपूजन शास्त्री आये। यज्ञ के सिलसिले की चर्चा हुई। वे पूजाप्रकाश में शास्त्री जी से बड़ी प्रतिवेदन लिखा जायेगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE Grant-2

प्रदोष । त्रयोदशी श्राद्ध

आज बाहर कहीं नहीं गये। डा० अनिलकुमार 'आंजनेय' को पत्र लिख भेजा तथा पं० गणेश चौबे एवं पं० सर्वेन्द्रपति 'त्रिपाठी' को पत्र उनके पास भेजा। वे मध्याह्न में आये और उनसे विशेष बातें हुईं। उन्होंने डा० रामलखन शर्मा का एक पत्र अपने संबंध में लिखने का संकेत किया। कल वे पटना जायेंगे। मूंगा· चीनी मंगाकर जलपान किया। दो रुपये केदार मल्लाह को नाव की सफाई के लिये। 23.24-25 का Indian Express पढ़ा। अरुण शौरी, कु० नूरानी तथा संत निहाल सिंह के महत्वपूर्ण लेखों को पढ़ा। आगामी कापरोनी का संपादक के नाम पत्र पढ़ा। 'मड़ई' जी के भेजी· वैदान्यक ब्राह्मण की दो प्रतियाँ मिलीं। मूंजा 50 पैसे· चीनी 1 रु० 75 पैसे। मोमबत्ती 25 पै० सलाई· 15 पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार २६ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. आश्विन ४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १० गते

मासशिवरात्रि व्रत । चतुर्दशी श्राद्ध

डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा को - खरिहानी पत्र लिखा। आज मेडिकल का बिहार सरकार का १२०६० का स्वतंत्रता-सेनानी अनुदान निकालने के लिये हम का या निकल नहीं सका. क्योंकि dealing clerk की मां मरी हैं. वह छुट्टी पर है। अब पूजावकाश के बाद निकालूंगा। मीठी मूंजा १ रु० ७५ पैसे। रिक्शा भाड़ा २ रु० ५० पैसे महादेव को। आज जनार्दन के भतीजे की शुक्र शिरोमणि हैं. या गये। एकाध महीने में पिंड छूटेगा। अखबार वाले को ५ रु० दिया। निलमणि को। केलां - १ रुपया [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2.

Sunday the 27th September 1981.

रविवार २७ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन कृष्ण १४ संवत् २०३८

रा. आश्विन ५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ११ गते

श्राद्ध की ३०

आज रविवार के कारण नहीं गया। दामोदर राय एवं श्री रामवचन राय आये होंगे। ज्वर लगती है। रहने से उद्यान की सफाई का कुछ कार्य होगा। केला २ रुपया। आज फूल पत्ती तोड़ा। मोमबत्ती ३५ पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पितृविसर्जन। सोमवती ३०

आज प्रातः आश्रम से चले। शिवशंकर से ५०० रुपये
खर्च हुए लिया। रिक्शा का प्रबोध को
आज का २ रुपया तथा १.५० पहले का। मैलया चार आने
गाड़ी का मुंशी जी का वापस किया। दो रुपये
कदम मलाई को बगाल [illegible] के लिये महाराज
द्वारा भेजा। रेलभाड़ा ८.५० ले लिया।
काशी में रिक्शा भाड़ा दो रुपये। केला १.५० रु०
तरकारी १ रु० ५० पैसे। राम बतार को चाय १ रु०
१० आने। कल्हूल बनाई ७५ पैसे। रक्षा अखबार
वाले को १.५० पैसे। उस का [illegible] का
दो रुपया बाकी रहा। लौटने पर दूंगा।
मठ की सफाई किया। कटुआ के शिवानंद आये हैं।
आलमारी लेकर। यह मनुष्य शोभनीय है या [illegible] हैं।
करते क्या? [illegible] ज्योतिषी जी आये।
रात गये मंगरावं के [illegible] परिवार सहित
आये। [illegible] हिसाब-
किताब दे गया था। दूध का १.५० दिया।
१.५० बाकी रहेगा। कृष्णानंद आज टिके हैं।
ये लोग पेटू हैं। पेट के लिये [illegible] भेष
बनाकर घूमते हैं। न कोई धर्म कर्म है न शील.
विनय. तथा मर्यादा का बोध ज्ञान।
पंडित जी को पूजा सामग्री मंगाकर कल [illegible]
के लिये व्यवस्था किया। रामावतार से ५ किलो
मीठी लिया [illegible] उन्हें दे दिया। कल दाम देंगे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २९ सितम्बर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल १ संवत् २०३८
रा. आश्विन ७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १३ गते

शारदीय नवरात्रारम्भ

आज प्रात: ही भेलूपुर थाने का एक पुलिस सिपाही · पुरातत्व· मूर्ति रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नोटिस लेकर आया। उक्त कार्यालय का अधिकारी: [illegible] कई बार आया ... वह कुछ नाजायज पैसे चाहता था .. उसे मैंने नहीं दिया· फलत: उसने बदमाशी की गलत रीपोर्ट दे दिया। नोटिस विवशत: लेनी पड़ी। कृष्णानंद [illegible] को परीक्षार्थ लक्ष्मीकुंड जाने को कहा किन्तु बहाना करके नहीं गये।

प्रात: पं· राम यत्न शर्मा जी को पत्र लिखकर [illegible] को भेजा। पंडित जी के पुत्र आये। उन्हें जवाब लिखकर [illegible] जाने को दिया। वे [illegible] ले आये। मैंने हस्ताक्षर किया। उन्हें ५० रुपये रिक्शा आदि के लिये दिया। इनाम के दो रुपये लिये थे। वे कल [illegible] में उस अधिकारी से काम का [illegible] में [illegible] उत्तर देंगे। कृष्णानंद पेटू, चुगलखोर, [illegible] है। ये लोग दिन के [illegible] बने रहते हैं।

अपराह्न· लोहार का। चूल्हा· १२·७५ पैसे का. चिमटा· १·५० पेंसिल ५० पैसे· लिफाफा का २५ पैसे। कल के दूध का १·५० · तीस पैसे आज के दूध का लाया।

क्या किया जाय इन धूर्तों के बीच. रमा जी संतप्त हैं। समाज में अनीति भ्रष्टाचार और अकर्मण्यता अपनी चरमसीमा पर जा पहुंची है। [illegible]
[illegible] वीरों को

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ३० सितम्बर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल २ संवत् २०३८

रा. आश्विन ८, शक १९०३ फ. १३८९ नें. १४ गते

१८ पंडित रामयत्न शर्मा के पुत्र दयासिंधु शर्मा आये और मूर्ति रजिस्ट्री करण अधिकारी से मिलने जाके उत्तर में गये थे। पर आज लौटे नहीं। चिन्तातुर हैं। राज्यसेवक को भी पत्र एवं प्रति के दिया। पर वे भीमार कहीं जा सके पाते रहे। Indian Express मंगाया पढ़ा। दुग्ध तीन पाव। कोयला २ रु० ४० पैसे। वेदान्त ग्रंथों को पढ़ा - भक्ति का विकास: डा० मुंशीराम शर्मा तथा अरविन्द का दिव्यजीवन के कुछ अंश पढ़ा अर्द्धैतवाद में तत्व और ज्ञानयुक्त पढ़ा।

दुर्गापूजा के लाग वाले पड़ोस के बंगाली गुंडों की हरकतों से परेशानी। डा० ... शर्मा का ... पत्र छोड़ा गया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज दयासिंह शर्मा की वार्ता से कोई अनुकूल
परिस्थिति बनाकर किन्तु उत्तर को सर्वोच्चस्तरीय
में पुनः हस्तक्षेप न करें... अधिकारियों
राय के अनुसार। दो रुपये टंकण के लिये दिया।
अन्य भी पुस्तकें दिया। चीनी का दाम १७ रु०५०
पैसे दिया। पंडा को चावल-दाल [illegible] दिया।
पूजा तो आते नहीं। E. Exp. मंगाया पढ़ा।
लिफाफा - अन्तर्देशीय पत्र ५ रु० का मंगाया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार २ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल ४ संवत् २०३८

रा. आश्विन १०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १६ गते

गान्धी जयन्ती

आज दयासिंधु शर्मा · मूर्ति रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को इंगित उत्तर दे आये · तथा उनके द्वारा हस्ताक्षरित प्रतिलिपि मुझे दिया। उन्हें तीनपाव किलो चावल एवं १ किलो दाल दिया। दूध · तीन रुपये। अपवन ५० पैसे · केला · १ रुपये। तरकारी दो रुपये। हवन सामग्री १ रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार ३ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल ५ संवत् २०३८

रा. आश्विन ११, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १७ गते

अखबार [redacted] पचास पैसे। दूध तीन रुपये। तरकारी दो रुपये। लकड़ी का कोयला एक० ३० पैसे। ~~[illegible]~~ डा० पिपेश्वी राय को लिखे जाने वाले पत्र का प्रारूप तैयार किया। दो घंटे तक लिखते रहे। कृष्णा का दल आया। लालबहादुर- फूलचन्द आदि की कांवड़ मंडली। स्त्रियों का झुंड। रात ग्यारह गंदा करके गये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः कपूर के शिवानंद का कूड़ा-रसोईघर का साफ करना पड़ा। समूची छत झाड़कर साफ करनी पड़ी। साबुन दो रुपये। तरकारी दो रुपये। नींबू ५० पैसे। बीसी के लाल बच्चन अपनी मोटी पलटन लेकर आये। जगन्नाथ बीबियों का कंकड़ दालउड़द का रूप बनकर साथ लगा और उनका जीवन दर्द का कारण बना है।

लाल बच्चन गई। जगन्नाथ दल गया। सायंकाल तक विवेकी राय वाला पत्र साफ करते रहे। कुछ किया कुछ शेष रहा। दूध तीन रुपये। रजनीगंधा ५० पैसे। अखबार ५० पैसे। अखबार की बिक्री से ७ रुपये मिले - २.५० और मिलेंगे। दाहिने हाथ की कानी उंगली में दर्द है। फूली है। दिन में लिखा पढ़ा रहा। आत्मचिन्तन एवं स्वाध्याय कार्य हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सरस्वती आवाहन

आज प्रातः तरकारी तीन रुपये। कोयला १ रु० २० पैसे।
दिन में भोजन विश्राम। शेष पत्र उत्तर लेखन किया।
अपराह्न सिर में दर्द। मिश्रा: राजगोपाल के पुत्र
श्री सत्येन्द्र शर्मा आये। मास्टर साहब का पत्र मिला।
५१ रुपये दक्षिणा के रूप नवरात्री में उनकी ओर से भेजा
मिला। मैंने एक पत्र लिखकर श्री राजगोपाल को
दिया और १.११.८१ को गाजीपुर की बैठक के लिये
बुलाया। श्री लालबचन भी अपराह्न गये। १२ रुपये
पूजा नैवेद्य में मिले। इनमें सामग्री-नारियल-केला।
कुल तीन रुपये ५० पैसा भवन एवं ५० पैसे रामायण
का दिया।
स्वामी प्रज्ञानानन्द भोजनोपरान्त - सहसा आ धमके।
स्वामी शुकदेवानन्द जी का स्वर्गवास हो चुका है। १०.१०.८१
षोडशी को उनका भंडारा है। मिश्रा में जाना ही
होगा। सायंकाल गुलाब बाबू का भी पत्र
स्वामी शुकदेवानन्द के ब्रह्म पद के संबंध में मिला।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ६ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल ८ संवत् २०३८

रा. आश्विन १४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २० गते

महाष्टमी

आज हवन सामग्री २.५०. फल दो रुपये। दूध तीन रुपये। अखबार ५० पैसे। मुखिया जी कल जायेंगे। डा० विवेकीराय का पत्र अक्षरशः प्रतिलिपि तैयार की।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

महानवमी

आज प्रातः हवन हुआ। ५ रुपये ज्योतिषी जी को दक्षिणा दिया। सात रुपये उनकी पुत्रवधू आदि को कन्याओं में भेज दिये। पांच रुपये पंडित जी के पौत्र को दे डाला.. लौटा दिया। हमारे संबंध में उन्होंने भी उचित समझ कर रही। फल १ रुपये का मंगाया। वही पंडित विन्ध्याचल से आ गये। रुके अतः अब शुक्रवार को ही महालक्ष्मी जाना होगा। तरकारी डेढ़ रुपये। दूध तीन रुपये। रामा चावल १० रुपये. अखबार ५० पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ८ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल १० संवत् २०३८

रा. आश्विन १६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २२ गते

विजया १० । सरस्वती बिसर्जन

प्रातः वैद्यजी के यहां गये। दवा लिया। सेव १ रुपये।
रिक्शा २.५० पैसे। दतुअन १० पैसे। भोजन बना वृहस्पति
बद्री पंडित आदि के साथ भोजन हुआ। सागतरकारी
दो रुपये दूध तीन रुपये। पंडित बद्री प्रसाद शर्मा
से ब्रैवपुराण की कथा का विवेचन हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ९ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल ११ संवत् २०३८

रा. आश्विन १७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २३ गते

पञ्चकारम्भ २९।४२ से। पापांकुशा ११ सबकी। बकरीद

आज प्रातः बृहस्पति के साथ स्नान-ध्यान और काशी से महमलपुर के लिये प्रस्थान किया। 8 बजे महमलपुर पहुँचे! रेलगाड़ी लोकल से। किराया भाड़ा २रु० ५० पैसे। श्री गुलाब शर्मा के पंपिंगसेट पर ठहरे जहाँ बाबा ठहरते हैं। गुलाब शर्मा के यहाँ भोजन किया गया। अपराह्न में स्वामी ज्ञानदेवानंद जी कुटिया राजेश्वरानंद से भेंट करने गये... उनके कार्य के विचार विमर्श में भाग लिया। सायंकाल पंपिंग-सेट कुटी पर लौट कर विश्राम किया। सतजीत-इन्द्रजीत के घर में गमी हुई है। आज दसवाँ है। कोई रक्षा कुशलात नहीं। गुलाब शर्मा से मझले भाइयों के - इन्द्रजीत-सतजीत के दोषों का आना पूजा पाखंड त्याग रोग तथा कल्याण पहुंच कर दान देने की बातें सुनने को मिलीं। इन्द्रजीत-सतजीत को डांटना होगा कि उस दुष्ट आदमी से संबंध न रखें।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातःकाल ही नित्यक्रिया निवृत्त हो गुलाब शर्मा के साथ स्वामी शुकदेवानंद की कुटी पर गये। भंडारा की व्यवस्था देखते सलाह देते रहे। पर्याप्त सामग्री एकत्र थी: कार्यकर्ता समाज भी पूरा था। मध्याह्न में स्वामी ओंप्रकाश आ गये। कुछ देर विचार मौनभंग करके उन्होंने पौन घंटे तक प्रवचन किया। बाद में मेरा भी प्रवचन आध घंटे तक हुआ। चौरासी के अवधूत संन्यासी आये थे... उनका भोजन पहले हुआ. वे स्वतः आपस में गालीगलौज और कलह करते देखे गये। आज के साधु समाज का यह नग्न प्रदर्शन था। बाद में पापी-पाखंडी महेश्वरानंद आया. उसका [illegible] उससे दो चार शब्द ऊलजलूल कहलवाया। [illegible] जो स्वामी शुकदेवानंद जी का नाम ले रहा है. उनका पाखंडी के पचड़े का विरोध किया। भंडारा हुआ. भोजन किया गया. मैंने अपनी दक्षिणा १० रुपये तथा ३२ रुपये अपनी ओर से स्वामी राजेश्वरानंद को दे दिया। अपना ३२ रुपया तो कल सायंकाल ही दे दिया था।... मैंने "[illegible] महाकाव्य के उत्पादक' विद्वानों की दृष्टि में; एवं 'युगप्रवर्तक [illegible] - स्वामी सहजानंद सरस्वती 'जीवनदर्शन एवं सिद्धान्त-समन्वय' [illegible] स्वामी ओंप्रकाश जी [illegible] हंस को मैंने प्रदान किया। सायंकाल लौट कर गुलाब शर्मा के [illegible] पर विश्राम किया। शान्तानंद के पर्याप्त (काशी [illegible]) को देखा जो प्रमाण पत्र है। इन्द्रजीत तथा [illegible] से [illegible] के रूप में महेश्वरानंद पाखंडी से सम्बन्ध न रखने की बात [illegible]

RajGuru Math, Shivala Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार ११ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. आश्विन १९, शक १९०३ फ. १३८९ नं. २५ गते

प्रदोष

आज हीरा के आग्रह पर उनके साथ कटका गये। गणेश राजस्थानी की कुटी से होते गये। दिनभर बाबू के साथ स्कूल पर लेमन के संबंध में पड़े रहे। हीरा की यह ग्रैविता और हठवादिता थी। मेरा सारा दिन नुकसान हुआ। भोजन कटका की एक मुसलमान की शिष्या है लेडी गौरी- वहीं किया। लौटते उस शिष्या के पांच रु० दिये। लेमन को दो रुपये दिये।

लौटकर गुलाब के पंपिंग सेट- की कुटी पर आये। पड़री के भगवती प्रसाद से भेंट हुई। बाबा हृदयनाथ का स्वांग देखा जो बड़ी दीवान- से हैं। रामायण शर्मा- [illegible] के पुत्र- के आने की बात मालूम हुई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः रामाधार आये। समाजीत के यहाँ जलपान करने के बाद श्री रामाधार शर्मा के यहाँ गये। वहाँ बड़ी तैयारी थी... रामाधार एवं एकबाल के श्री सत्यनारायण कथा पूजा हुई। दोनों लोगों में दीक्षा का कार्य संपन्न हुआ! श्री रामाधार शर्मा को बादशाही मंत्र का उपदेश किया एवं एकबाल की माता को पंचाक्षर का उपदेश हुआ। दीक्षाकाल में १५ मिनट तक ~~[illegible]~~ दोनों लोगों ने प्रवचन किया, लोग कहते रहे।

x x x

भोजन किया। कंबल वस्त्रादि सहित १०७ रुपये रामाधार के यहां मिले। एकबाल के यहां ३५ रुपये मिले। श्री भगवती चड़ेरी ने १० रुपये पूजा दिये। अन्य [illegible] लोगों ने दिये। [illegible] वैद्य जी को देना होगा। Dr. विवेकानंद का पत्र रजिस्ट्री कराया। ३ रु. ८० पैसे लगे। Dr. योगीन्द्रनाथ को [illegible] पत्र लिखा। स्वामी कृष्णानंद जी को उनके पत्र का उत्तर दिया। सायंकाल [illegible] लौटे। एकबाल एवं रामाधार शर्मा पहुंचाने आये थे। साथ समाजीत के यहां जलपान किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १३ अक्टूबर सन् १९८१ आश्विन शुक्ल १५ संवत् २०३८

रा. आश्विन २१, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २७ गते

पञ्चकान्त ४४।४६ पर । शरद् १५ । कोजागरी १५

आज समजीत इन्द्रजीत के यहाँ भिक्षा किया।
४० रुपये पूजा के इन्द्रजीत ने [illegible] किया।
[illegible] के [illegible] मौनिव्रतलाल राजेन्द्र जी
विलक्षण हैं, मनमौजी पड़े होते. साढ़े पाँच बजे
[illegible] कुटीर को पहुँचा था। [illegible]
ग्रहस्थिति को दश रुपये [illegible] भेज मैंने ही
[illegible] भेज दिया। ९ बजे की गाड़ी से समजीत
पहुँचाने आये। [illegible] उतर कर [illegible] पहुँचे।

पं. राधिका चरण पाण्डेय को एक पत्र लिखा -
अन्तर्देशीय लिफाफे में।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १४ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण १ संवत् २०३८

रा. आश्विन २२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २८ गते

१ बजे की ट्रेन पकड़ कर जगन्नपुर से काशी के लिये प्रस्थान। २ बजे मठ में पहुँचे। शिवानंद उदयनारायण आदि मौजूद थे। कलाप छुट्टियों का में पड़े थे। कई जन मिले। सिलरी से पं. सूर्यनारायण शर्मा एवं हरिवंश पाण्डेय का। सिलचर से 'मधुप' जी का। दरभंगा रामकृष्ण झा के. और राजनारायण शर्मा का।

शाम तक झाड़ू देते रहे - सफाई करते रहे। मठ एक बलाय है। गाली गलौज और भीड़ भीख मांगना आदि का भारी बोझ वहन करना पड़ता है। कुम्भ के बहुत से लोग बाल बच्चियों को ले कर पहुँचे रहते तथा महीनों टिक कर कष्ट देते हैं गंदा करते तथा मनमानी भी करते हैं। गाली गुप्ता बकते हैं। दुग्ध. त्रिलोचन. रामापति को १ रुपया। अखबार ५० पैसे। रिक्शा भाड़ा २.५० पैसे।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः तरकारी दो रुपये। तेल १रु० ६०पैसे।
रसोई बनाना पड़ा। दो बज गये। पं० इन्द्रकान्त
त्रिपाठी को पत्र लिखा। प्रतिलिपि तैयार किया।
पं० स्वर्णनारायण शर्मा को पत्रोत्तर दिया।
डा० आंजनेय को उडिपि के पते पर उत्तर का
पत्र दिया। पं० राधिकाप्रसाद पाण्डेय का कार्ड
२८·२५ लिखा था लिफाफा भेजकर जाते हुए मिला
पाया। तुरन्त उनका भी उत्तर पत्र लिखकर
दिया। आज बैंक से २०० दो सौ रुपये
श्री गोविन्दनाथ को देने के लिये निकाला।
लिफाफा-२रु० २० पैसे का मंगाया। पं० इन्द्रकान्त
त्रिपाठी का पत्र रजिस्ट्री द्वारा भेजा गया।
२रु० ६० पैसे लगे। श्री राजनारायण जी
भी आये पत्र का उत्तर लिखा। ऊषा के पत्र डाक
में छोड़े गये। श्री जी को मौन में छोड़ा जायेगा।
गाजीपुर के श्री राय वकील-गोलाघाट-मैनेजर
श्री स्वामी सहजानंद विद्यापीठ- को भी पत्र लिखकर
सूचित किया। "आज" अखबार में राजेन्द्र को ५०रुपये
था और आज से दैनिक जागरण ही देने को कहा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

१९ करवा ४

चौधरी राजनारायण शर्मा 'अज्ञ' जी एवं के० सी० राय के घर तक मैं गया - वैद्यजी के यहाँ गये। दवा लिया आज फिर मैं बहुत दर्द था। दिन में १ पाव दूध एवं केला खाया। रिक्शा १रु० ४ आने। मधु ४ रुपये। नीबू ४० पैसे। आलू भंटा २० पैसे। रामाधार को धोती एवं कुरती का कपड़ा दिया। सायंकाल मक्खनी बनी... भोजन किया। तबला पंडित कृष्णानंद का दर्शन हुआ। दूध २ रु० ४ आने। धूपबत्ती ५० पैसे। सलाई २० पैसे। अखबार ५० पैसे। आज बिजली का पिछले महीने का बिल दाखिल किया - १३२ रु० ८५ पैसे लगे। उदयनारायण दाखिल करने गये। ५२ पैसे उन्हें दे दिया। कर्ज से पिंड छूटा। बिजली का बहुत उपयोग होता है। बाहरी आगन्तुकों एवं दासी मल्लाह इत्यादि की शरारत से बिजली अधिक जलती है। कोई परवाह नहीं करता।

कई बार इन्द्रजीत - समरजीत - मुझसे मिलने नहीं आये। हाँ सबका है रुपिया को आवें।..

RajGuru Math, Shivala; Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १७ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ५ संवत् २०३८

रा. आश्विन २५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १ गते

दिन में अपराह्न शीतलकारी वर्षा। सवेरे मूंगा एवं शर्बत हुआ था। मूंगा 20 पैसे की व 20 पैसे। अपराह्न एक अवधूत कमण्डलधारी आ गये... वे नेपाल वासी हैं. किन्तु जन्मस्थान सीतवड़ा गाँव... क्षत्रियकुल के.. 1954 में जैन कॉलेज से बी.ए. पास करने के समय ही घर से कुछ मन.. प्रतिक्रिया हुई। बाबा [illegible] महात्मा के वशिष्ठगुफा पहुंचे.. एक [illegible] के चक्कर में.. आसाम. उत्तरकाशी.. आदि। इस वर्ष [illegible] एवं अयोध्या भी यात्रा कर चले हैं। [illegible] में गये.. कहा कुत्ते की तरह [illegible] [illegible].. [illegible] के [illegible] में गये वहां भी भोजन नहीं पा सके.. उपवास के [illegible] हुए... शक्ति दिलाया... मूंगा मंगा दिया.. बाद में [illegible] पका कर खिला दिया। बाद में चले गये।

× × सायंकाल दूध.. २ [illegible] अथवा ७० पैसे। रात गये राजेन्द्र [illegible] के [illegible] पहुंचे. अपना समाचार कहा. अपनी बहन [illegible] विवाह का उपाख्यान कहा था।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १८ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ६ संवत् २०३८

रा. आश्विन २६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २ गते

प्रातः तरकारी ·१ रु० ७५ पैसे। सायंकाल दूध ·२ रु० ०४ आने.
अपव्यय ६० पैसे। श्री गोरखनाथ की कोई खबर नहीं
मिली न कोई पत्र ही आया। तबलावादक कृष्णानंद
बदमाशों के पेड़ हैं - जनार्दन एवं नारायण उपाध्याय..
शांतानंद - नरसिंहानंद का कुटुंब प्राण गया है।
यह पिता का ही कथन है। बुजुर्गों की कृतघ्नता
और कुटिलता की यही परंपरा है जो इसके पतन
का कारण है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १६ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ७ संवत् २०३८

रा. आश्विन २७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३ गते

आज आनन्देश्वरा जी घर पहुँचे। मौनी जी [illegible]
और भोजन किया। अब उनसे सबको भोजनवाना
कर देना सकता नहीं। यहाँ आर्ह लोग [illegible] है।
[illegible] रहा। अपना अपना बोझ सभी उठावें। कृष्णानन्द
भोजन नहीं बनने से बनते हैं मन शुद्ध नष्ट हैं क्योंकि
न [illegible] खिला भोज और पेट भरो। उनसे शुद्ध
और नष्ट होते हैं। उनसे और आंत वाले ऊँटे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २० अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ८ संवत् २०३८
रा. आश्विन २८, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ४ गते

आज भोजन बना- शिवानंद बदमाशी के चलते बाजार से साग वगैरह नहीं ले आया। रामावतार एवं पाण्डेय कपिलदेव-कृष्णानंद आदि उसे गुमराह कर रखे हैं- साथ ही मुहल्ले के अधिकांश युवक बिगड़ गये हैं। आज भोजनोपरांत राम श्री डा० विश्वनाथ त्रिपाठी कपिल के साथ अस्पताल में आराम मिले। दूध- २ कि० ४ ओंस- अण्डा ५०पैसे। कोयला १ कि० २०पैसे (एक किलो)।
प्रात: मुहल्ले के विभिन्न बिहारी- ५ रुपये पूजा दे गये थे।
आज के० सी० राय की चिट्ठी आयी कि बैठक निश्चित तिथि १.११.८१ को गाजीपुर नहीं हो सकती। अत: पुन: सदस्यों को सूचना देनी पड़ेगी। 'अड़पा' जी. डॉ० राजनारायण तिवारी. श्री सूर्यनारायण शर्मा; महामंत्री गुलाब शर्मा. राजेन्द्र शर्मा. बेनीपुर तथा पं० राधिकारमण पाण्डेय - देउरी कलां को पत्र तत्काल पत्र लिखना पड़ेगा। आज श्री दीनानाथ राय जी गाजीपुर से आये और वे ही के० सी० राय का पत्र लेकर आये हैं। दूध १.५० पैसे दीनानाथ को।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार २१ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ९ संवत् २०३८
रा. आश्विन २९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ५ गते

दिन में भोजन बना। दामोदर राय, जगदीश कृष्णानंद
आदि सबने भोजन किया। लिफाफा, पोस्टकार्ड आदि
२ रु० ३५ पैसे लगे। सकल पत्र लिखा – पं०
राजनारायण को आज ही तत्काल छोड़ा गया।
शेष पत्र रात में लिखा। पं० कृ० ना० केलूस्कर, श्री
S.P. बाजपेय, गुलाब शर्मा, पं० सूर्य ना० शर्मा,
पं० राधिका शरण जी राजनीति आदि के
पत्र लिखा। कल भोर में छूटेंगे। कुल ४.५० पैसे
आपका नहीं हो सका। के० बी० राय को भी पत्र
लिखभेजा। दामोदर राय ने श्रीमान वचनाराम के
माध्यम से ५० रुपये दिये। कुल ४०० ५० पैसे हैं।
शिवानंद महाप्रभु के देहात हैं। चापलूस मालूम
है। कुछ करना नहीं चाहता। ये लोग धन के
भूखे हैं, बीमारी मन में बड़ा था महीनों से
हिलेगा मेरा बीज होते हैं। इसके बिना क्योंकि
क्या उत्थान होगा?

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २२ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण १० संवत् २०३८

रा. आश्विन ३०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ६ गते

आज प्रातः तरकारी १रु०४ आने। दामोदर राय को
[illegible] मथुरा जाते समय २० रुपये दिया। सात चिट्ठियां
डाक में छोड़ी गयीं। डा० विवेकीराय के पत्र की प्राप्ति स्वीकार
श्री विवेकीराय के इलाहाबाद की मिली। दूध तीन रुपये।
आटा पिसाई १ रुपये। [illegible] २५ पैसे चाय। लकड़ी कोयला
१रु०४ आने। पत्थर कोयला १ रुपये। [illegible]
आज प्रात हैं सभी गये: मथुरा का [illegible]।
श्री दामोदर रायजी मथुरा वृंदावन गये। जब: १ तक लौटेंगे।
दही १ रुपये। [struck out]

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार २३ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ११ संवत् २०३८
रा. कार्तिक १, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ७ गते

रमा ११ सबकी

तरकारी एक रुपये १० पैसे। रिक्शा १ रु० ४ आने
वैद्य जी के यहां गये दवा लिया। अखबार ६० पैसे
दूध २ रु० ४ आने। भोजन भात तरकारी दो रोटी
बनाया। गृहस्थ नित्य अलाय बलाय लिये हैं। सदा कोई न
कोई १ महामारी यहां [illegible] पड़ा। जंगली भी
आना इसका स्वभाव है। सब कुछ सहना पड़ता
है। हीरा का [illegible] महादुष्कर और [illegible] है।
श्री से [illegible] छिपा कर कोठरी में भी छिपा रहता है।
ये सब कुल के मूल कारण और बिना शक्ति के कारण लेप
बैठ गये हैं। यहीं रहना और यहीं के उल्टे होकर
रुष्ट होना यह कहां तक उचित है? ये लोग सदा
सिरदर्द बनकर आते हैं। चोर स्वार्थ ही इन्हें
सूझता है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज श्री जगदीशनारायण शर्मा- डीप्टीडीह- रामनगर- जिनकी कार्य इन्चार्ज- मेरे प्रधान सहायक आ पहुँचे। मैं भोजन विश्राम के बाद पुस्तक देख रहा था। डा० मुंशीराम शर्मा का ग्रंथ पढ़ा जाता है - "भक्ति का विकास" साथ ही "अद्वैत वेदान्त में तत्व और ज्ञान" ग्रंथ भी देख रहा हूँ- डा० उर्मिला शर्मा का। यह ग्रंथ अनुभवहीन और नवशिक्षित का लिखा है- स्वयं लेखक को विषय का पूर्णबोध नहीं है. वह विषय को आत्मसात नहीं कर सकी हैं।

* * *

दूध तीन रुपये. अखबार ६० पैसे। उदयनारायण भी अर्द्धविक्षिप्त: महामूर्ख और विकृतमस्तिष्क है। कभी भी [illegible] में वह कर कोई काम नहीं करता। [illegible] के [illegible] भी [illegible] पर कोई नहीं आया। श्री जगदीशनारायण शर्मा ने जाते समय ५० रुपये दिये। वे समयानुसार ६० वर्ष का [illegible] जीवन व्यतीत करना चाहते हैं। देखा जायेगा। श्री भगवत् इच्छा होगी वही होगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार २५ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. कार्तिक ३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ९ गते

मासशिवरात्रि व्रत । धन १३ । प्रदोष

आजकल काली १ कोष. तेल ७० पैसे। मिर्च २५ पैसे।
भोजन बनाने जाते हैं उनको अपराह्न का समय होगया।
भारी विपत्ति है। बहुत कष्ट है। प्रारब्ध भोग से
पिंड कैसे छूटेगा। आज दूध नहीं मंगाया। मलाइ
उष्णशीतमीणा है। धूपबत्ती ५० पैसे अथवा ७० पैसे:
शिवानंद लुक्कड़ों का सरदार और महाबकवासी है।
यह पाले दाने का नीच. स्वार्थी और कमीना है।
ऐसे लोग मठ में आकर भारी सिरदर्द और बोझ
बन जाते हैं। किन्तु क्या किया जाये? इनका कोई
अभिभावक नहीं; न ये किसी की लगाम के अंदर हैं।
भविष्य के लिये यह बहुत बुरा है।"

* * * *

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार २६ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण १४ संवत् २०३८

रा. कार्तिक ४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १० गते

आज भोजन बनाया · इसलिये कोमिलवना बन्द देना पड़ा। उदयनारायण दूध ले आया। भोजन सायंकाल हुआ। तरकारी ५ रुपये। दूध २ रुपये · अखबार ६० पैसे।
शिवानंद को अस्पताल में ऑपरेशन हुआ है। · यह बात राजवली ने कही।
डॉ० राजनारायण का पत्र मिला और SW आंजनेय का। उत्तर तो उन लोगों को दिया जा चुका है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २७ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक कृष्ण ३० संवत् २०३८

रा. कार्तिक ५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ११ गते

लक्ष्मीपूजन । दीपावली । हनुमान जन्म

आज पहली बार अकेला दीपावली मनाया/
ठाकुर जी की आरती बत्ती पूजा हुई। दूध तीन पाव
आया १९६४ आवेदन ४० पैसे। राजाराम को आज से [illegible]
Indian Express पढ़ा - दैनिक जागरण तो आता ही है।
उद्भाग लेखन आ गया। दिन में भोजन बना -
चावल दाल तरकारी बनाने में डेढ़ बजे भोजन
किया गया। यह नहीं समझ पाया हूँ कि किसका किया
क्या जाय? दूसरा चारा नहीं। इसलिए भी
भोजन देना पड़ा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार २८ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल १ संवत् २०३८

रा. कार्तिक ६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १२ गते

अन्नकूट । गोवर्धन पूजा

आज भोजन केवल भात बनाया। दही सब्जी के लिये १ छटाँक पाव भर को ५० पैसे। गूंजा ७५ पैसे। नीबू २५ पैसे। दूध सायंकाल २ छ० ४ आने। दिन में भोजनोपरान्त स्वामी राजेश्वरानंद जी परमहंस आये। बड़ा दही साथ लाये थे। चीनी दिया। भोजन विश्राम उन्होंने किया। अपनी तीन पुस्तकें उन्हें दिया। अन्य सामान्य बातें हुईं। श्री फ़ौजदार राय जी के मौन की बात उन्होंने कही: पर वे आये नहीं। सायंकाल पं० बृहस्पति के भाई जगदानन्द जी आ पहुँचे। आज अन्नकूट- प्रारब्धकूट रहा। इसी में आनंद है। शेष इधर उधर बहुत दौड़ धूप ठीक नहीं है। भजन एवं स्वाध्याय चिंतन-मनन में विक्षेप होता है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २९ अक्टूबर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल २ संवत् २०३८

रा. कार्तिक ७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १३ गते

भ्रातृ २। यम २

तरकारी ·१रु० ·५० पैसा · दूध १रु० · ४ आने किरायेदार
१रु० बाकी रखवा / १५ पैसे [illegible] बता दिया चाय।
श्री ज्ञानानंद पांडे [illegible] भाई [illegible] रहे · भोजन बना ·
साढ़े बारह बजे भोजन किया गया। दिन भर [illegible]
[illegible] बातें करते रहा। फिर भी [illegible]
किया। माण्डूक्य कारिका · भाष्य प्रवचन आदि पढ़ा।
[illegible] और [illegible] और निकम्मी हैं- [illegible]
[illegible] को कहते हैं किस के बल पर [illegible]
भोजन बना [illegible] देगा? [illegible]
[illegible] गंगा स्नान कहीं [illegible] - असमर्थ हैं [illegible]
[illegible] यह [illegible] भी [illegible] जानते हैं? [illegible]
के [illegible] आदि भी लगा जाता है। [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] चली गयी - [illegible]
यही सब दिन को देखा है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज मूंजा ६० पैसे का लिया। खाकर [illegible] पीये,
भोजन नहीं बनाया। पं० बृहस्पति एवं उन के भाई
[illegible] जीने को उपस्थित हुए। गद्दी बांधे। [illegible]
नारकीय अभिनय के बाद [illegible]। और १० दिनों तक के
लोग यहीं रहकर दवा करायेंगे। [illegible]
[illegible] का धन्धा है। क्या करना होगा। सस्ता
होते है। उपराहन शिवानंद आये [illegible] १० रुपये
दिया [illegible] के उपलक्ष में। सायंकाल [illegible]
पंडित के नाती भी आ पहुंचे।
दूध २ कि० [illegible] ६० पैसे। १३० कल के दूध का
बाकी दिया।
रात में [illegible] आये। [illegible]
मिष्ठान्न ले आये। कुशल-समाचार हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज बैंक से १०० रुपये उतारा। शिवानंद बहुत ले आये। खर्च जाबिर कैसे चलेगा? तरकारी १ रु० आठआने। सायंकाल दूध २ रु० ४ आने। अथवा ६० पैसे। बृहस्पति धूर्त, पतित एवं तिकड़मी असुर है। मठ में आकर गंदगी फैलाता और बाइजमान युगली द्वारा निंदा करके गंदगी फैलाने का काम करता है। गेहूं पिसाया १ रुपया। भूंजा ६० पैसे।

पं० हवलदार त्रिपाठी को भेजे जानेवाले पत्र का उत्तर लिखकर तैयार किया। मंजीरा दे प्रकाचार्य पन्नालालंद राय प्रज-स्नीलेकर आये। कैलाशनाथ शैलज आनंदमयी के कर्मचारी पहुंच गये।

रात में श्रीराजेन्द्र पंडित आये। उन्हें कलकुल जलाने के लिए दिया। मठ की बांस की सीढ़ी एवं रस्सी के लिये संकेत किया। पं० हवलदार त्रिपाठी वाला पत्र उन्हें उत्तरदायी जान, धोड़न को दिया। उन्हें अपना और जगनाथ स्वामी सहजानंद सरस्वती का फोटो एक-एक प्रति दिया।

कलकत्ते के पते पर श्रीमानजी पाण्डेय त्रिपाठी वालों को मठ के हिसाब के संबंध में पत्र लिखा और डाक में भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १ नवम्बर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल ४ संवत् २०३८

रा. कार्तिक १०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १६ गते

२० आज तरकारी १ कि० आठ आने। मंगतीलाल आदि पधारे। ज्ञानानंद बृहस्पति की बनाई गंदी रसोई भोजन नहीं किया। अपने लिये अलग मुकुन्द बनाया। बृहस्पति का आसन दूसरे कमरे में बदला - उस कमरे को स्वयं धो साफ किया। थूककर, पेशाब करके उसने गंदा किया था। दुर्गन्ध निकलती थी।

सायंकाल दूध २ कि० ४ आने। अखबार ७० पैसे। अचानक ५ बजे गाजीपुर से डा० विवेकीराय, श्रीकृष्णराय हृदयेश जी, डा० मांधाताराय आदि मिलने के लिये आ पहुँचे। उन लोगों का सत्कार किया। जलपान कराया - चाय पिलाया। चार रुपये खर्च हुए।

वे लोग प्रबोधनारायण झा जिलाधीश (पहिले गाजीपुर वाले) के निमंत्रण पर उनके नवनिर्मित मकान के गृहप्रवेश में आये थे। बहुत सी बातें होती रहीं। वे लोग साढ़े सात बजे रात को पुनः लौटकर आये और सामान लेकर वापस गाजीपुर चले गये।

आज आने की बात कहकर दामोदरराय मधुबन से नहीं लौटकर आ पाये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज कई दिनों से गायब उदयनारायण मिस्त्री
नहीं आया। दिन में भंजा ६० पैसे. मंगा मूली-लौकी १ k.g.
खिचड़ी-चोखा बनाकर भोजन किया मूंग की दाल ५० पैसे.
दूध २ k.g. ४ आने. अमरूद ६० पैसे।
आज पं. सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी. अध्यक्ष. संस्कृत
अकादमी. को अनुवाद संबंधी पत्र लिखा तथा
ग्रन्थ के संबंध में वक्तव्य के पुनः संशोधन की
सुव्यवस्था के लिये पं. हृदयनाथ त्रिपाठी निदेशक
को निवेदन पत्र के आवेदन का पत्र लिखा,
कुछ कागजी एवं कलम खरीद लिया और उन्हें
लिफाफे में बंद किया। पं. सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी
एवं डा. योगीन्द्रनाथ शर्मा. [illegible]
का पत्र लिफाफे में बंद किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ३ नवम्बर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल ६ संवत् २०३८

रा. कार्तिक १२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १८ गते

अर्क ६। डाला ६

आज प्रातः वैद्यजी के यहाँ गये। एक सप्ताह की दवा लिया।
रिक्शा भाड़ा १रु०४ आने लगा। डा० मो० ना० शर्मा एवं
पं० सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी वाला पत्र ~~श्री कृपाल के पास~~
फ्लोपरिका में स्वयं छोड़ा। मधु लिया ४ रुपये का।
अपराह्न स्कूल वाली भोजन किया। [illegible] १ नसप।
सायंकाल दूध २ रु० ४ आने अखबार ६० पैसे।
केला सेव आदि पांच रुपये। श्री शिवानंद जी माला के प्रकाशन के
के लिए पांच रुपये दिये थे। रात में सर्दी से भोगता
रहा। देह में दर्द था। नींद ठीक नहीं आयी।
डा० रामचन्द्र शर्मा को भेजा जाने वाला [illegible]
ही लिख कर तैयार [illegible] रहा।
[illegible] लिख सका।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सर्दी जोरों से हुई है। कृष्णगोपाल [illegible] : [illegible] बिगाड़ किया बदल नहीं जा सके। आज रामनवमी [illegible] कागज गोपी का लिखवाकर तैयार किया लिफाफे में बंद किया। पं. वाचस्पति प्रसाद पाण्डेय एवं महंत नरेन्द्रदास जी. बी.की को पत्र लिखा। रामायण को पाठ के लिये ६ और। अखबार वाले को ५० रुपये दिया। तरकारी ३/- रुपया। पं. रामनिधि राय- जगदीश को भी पत्र लिखा- समाचार मांगा। बीज के पते. स्वामी सुगतानंद शास्त्री को भी पत्र लिखवाऊंगा। आज डॉ० राजनारायण जोशी का पत्र... जोटियों का [illegible] तथा कानपुर से भी डॉ० कृष्णचन्द्र ब्रह्मचारी जी का पत्र मिला। उड़ीसा २ से डा० ओझा का पत्र मिला।

* * *

कैवल्य का अर्थ केवलता है। जहां आत्मतत्व के अतिरिक्त कोई सत्ता अवशिष्ट नहीं रहती।

"बिनु विस्वास भगति नहिं, तेहि बिनु द्रवहिं न राम।
रामकृपा बिनु सपनेहु, जीव न लह विश्राम ॥"

* * *

'जप तप व्रत मख समदम दाना।
बिरति विवेक जोग विज्ञाना॥'
सबकर फल रघुपति पद प्रेमा।
तेहि बिनु कोउ न पावइ छेमा॥ उ०.९५।
'रामहिं केवल प्रेम पियारा।
जानि लेहु जो जाननिहारा॥ अयोध्याकांड १३७॥
काल धर्म नहिं व्यापहिं तेही। रघुपति प्रीति चरन अति जेही।"

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ५ नवम्बर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल ८ संवत् २०३८

रा. कार्तिक १४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २० गते

पञ्चकारम्भ ५१-४४ से । गोपाष्टमी

आज प्रातः दूध १ रु० आठ आने.. केला दूध जलपान करके काशी से बक्सर के लिये अड़तीसवें दिन प्रस्थान किया। रिक्शा काशीमें १ रु० ४ आने. बस १ रु० ४ आने. रेलभाड़ा ७ रु० बक्सर रिक्शा भाड़ा. १ रु० ४ आने। श्रीतिवारी जी के निवास पर जलपान किया.. राह में केला. २ रु०. सेव १.५० पैसे।. दूध: २ रु०. मीठी ८० पैसे। ब्रजेन्द्र गाड़ा के आये मिले. रात को रहे। उन्हें भोजन लिये २ रु०. मोमबत्ती ४५ पैसे। बहुत दिनों के बाद कल्याणमान हुआ.. कामसंबन्धी गाथा कथनी भी मिली। सायं काल श्रीराधाकृष्ण पाण्डेय वकील से कुशलवार्ता हुई। जनार्दन जी उनके ज्येष्ठ भतीजे भी [illegible] गाथा के संबंध में बातें हुईं। इन बातों को रखने का कटु अनुभव हुआ। ये [illegible] एवं दुर्जनस्वभाव के हैं। ऐसों से बहुत दूर रहा जाय।

"तुलसी पिरवा बाग को सींचत ही कुम्हिलाय।
राम भरोसे जो रहे, पर्वत पर हरियाय॥"

x x x

"भानु पीठि सेइय उर आगी।
स्वामिहिं सर्वभाव छल त्यागी॥ कि० २६.

"भगति हीन नर सोहइ कैसा।
बिनु जल बारिद देखिय जैसा॥

RajGuru Math, Shivala,.Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

अक्षय ९

प्रात: रजिस्ट्री से और एवं वार्ता - 81 वर्षों के बाद छिहत्तर के श्री बलिकृष्णनारायण राय से भेंट एवं पत्नी तथा बच्चे जो गाजीपुर डी.ए.वी. में अध्यापक हैं। कचहरी गये. पेंशन केस दाखिल किया... बाबू साहेब को 100 टिकट के पैसे। श्रीराधाकृष्ण पाण्डेय ने पेंशन प्राप्त करने में बहुत परिश्रम किया। सिलाव (अनसूया) की पेंशन लिया. 600 रुपये मिले। ब्रह्मदेव को किराया 100 रु 30 पैसे. भगवान 9 रु 20 पैसे। प्रात: किराया 100 रु 90 पैसे। दिन में रजिस्ट्री के यहां भोजन - प्रात: तीन बजे कार्यक्रम में इन्द्रदेव शर्मा का ऊंचे भोजन सम्मान में किया। बस में सर्दी लिये विशेष दर्द, इसलिये गंगा स्नान भी नहीं किया.. ब्रह्मदेव को दे दिया। जाते समय कलहरी से केला - दो लिये। रात में बीमार हो गया. इसलिए गंगा स्नान भी नहीं भी. सके। सिर में दर्द एवं हरारत।

'भरोसो जाहि दूसरो सो करो।
मो कों तो रामनाम कल्पतरु कलि कल्यान फरो।'
— फरो।
— विनय० २२६.

'राम भगति जल मम मन मीना।
किमि बिलगाइ मुनीस प्रबीना॥'
उत्तर० ११२क॥

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः गङ्गा स्नान किया। इष्टदेव वाणी एवं श्रीदेव भगवान शर्मा - मोहल्ले से भेंट - कुशल समाचार हुआ। कचहरी गये: पाण्डेय जी नहीं मिले। बाबू रामदेव तिवारी (वकील) से जनार्दन के पेन्शन [illegible] भतीजों का चीफ करवाना आगे चालू करने का [illegible] संदेश कह दिया। [illegible] को पूर्ण किया। सब तीन रुपये केला १ रु० सिक्का २ रु० ४ आने। [illegible] को चाय ५० पैसे। दूध भी दो रुपये। [illegible] १ रु० ७० पैसे। [illegible] के यहां भोजन किया.. [illegible] में [illegible] हैं। अपराह्न सायंकाल डा० [illegible] [illegible] जी आये... [illegible] समाचार हुआ। पता न था कि मेरी पाण्डुलिपि के [illegible] पृष्ठ छप चुके। [illegible] साइज के [illegible] पृष्ठ। [illegible] पचसौ रुपये [illegible] की पहली किश्त - मैंने [illegible] के हाथों [illegible] अधिकारियों को भेज दिया। एक उत्तरदायित्व पूरा हुआ।

'रटत रटत रसना लटी, तृषा सूखि गे अंग।
तुलसी चातक प्रेम को, नित नूतन रुचि रंग॥'
दोहावली ३१४

x x x

'रामचरित जे सुनत अघाहीं।
रस विशेष जाना तिन नाहीं॥
जीवनमुक्त महामुनि जेऊ।
हरिगुन सुनहिं निरंतर तेऊ॥
भवसागर चह पार जो पावा।
रामकथा ता कहँ दृढ़ नावा॥' उ० ५२॥

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार ८ नवम्बर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल ११ संवत् २०३८
रा. कार्तिक १७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २३ गते

प्रबोधिनी ११ सबकी । मुहर्रम

आज प्रातः कृष्णपुरा गये · वासुदेव शास्त्री · श्री जगन्नाथ शर्मा, शुकदेव से भेंट हुई। खड़गपानी · धनीराज · श्यामबिहारी भी मिले। पटने से ब्योहार आया केवल स्टेट · मैकल्प लिखे, वासुदेव के कारण · वीरेन्द्र के शिष्य · श्री रामजीराम · जगन्नाथ राय तथा श्री मोहनलाल के लड़के - तीनों ने शिष्यत्व लिया। वे लोग विवाह के सिलसिले में सहसा आ गये थे। मुझे उलाहना दिया कि कई बार (शिष्य के लोगों को बुलाकर) आप गांव नहीं पहुंचे। मुझे उनकी शिकायत पर बड़ा ही क्षोभ हुआ। ९ नवम्बर की बैठक स्थगित हुई किन्तु सबको सूचना दी गयी तो बहुत अधिक लोगों का आना जरूरी था। पुनः जिला के ग्रामों तथा अन्य स्थानों से सहसा आ जाते थे। यह अनावश्यक भूल है।
सिवान · २ रुपये · केला आदि २ रु० ५० पैसे।
रात को विश्वनाथ के यहां फलाहार किया।

जासु नाम जपि सुनहु भवानी।
भव बंधन काटहिं नर ज्ञानी॥
सुन्दर - २९.

प्रपत्ति के षड्प्रकार →
१. अनुकूल संकल्प · प्रतिकूल का त्याग।
२. गोप्तृत्ववरण ४. रक्षा का विश्वास
३. कार्पण्य ५. आत्मनिक्षेप।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रदोष

दिन में १० बजे शिवशंकर के यहां भोजन किया। केला १ रुपया. अखबार २.५० दो दिन का। उत्साही अविनाश चन्द्र त्रिपाठी के साथ... अंजनेय जी आये। पुस्तक के संबंध में पता चला कि ४०० पृष्ठ छप चुके हैं। ८०० रुपये पुस्तक के पटना गये।.. इन्द्रदेव स्वामी दुर्गा आये. केशव कांगाधी ले गये। सायं काल खोजवाँ के योगीन्द्र एवं राजाराम उपाध्याय आये गये। 'भड़ंग' जी के प्रयाग जाने की बात मालूम हुई।

शिव कोहम से ४०० एकाउंट रुपये ड्राफ्ट किया। ८० रुपये प्रदीप को, खिलावन बहू को बैतनक में दिया। १० रुपये बाकी हैं जो जनवरी में दूंगा। तीस रुपये आने जाने मार्ग व्यय के लिये रखा।

जानिअ तबहिं जीव जग जागा।
जब सब बिषय बिलास बिरागा॥
अयो०.९४

× × ×

मम दरसन फल परम अनूपा।
जीव पाव निज सहज सरूपा॥
अरण्य-३६

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १० नवम्बर सन् १९८१ कार्तिक शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. कार्तिक १९, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २५ गते

पञ्चकान्त ११।१६ पर

आज प्रातः बनारस एक्सप्रेस से बक्सर से बनारस के लिये चले। रिक्शा ब्रह्मदेव को दो रुपये। रेल भाड़ा २ रु० ८० पैसे। काशी में रिक्शा २ रु० ३० पैसे। तरकारी १ रु० ६० पैसे। कोयला १ रु० ४ आने। बालकों को चाय १ रुपये। दूध २ रु० ४ आने। अखबार ५० पैसे। रामबचन राम अर्जुन तिवारी के साहुन के साथ आये हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज विश्वनाथ बहुत कष्ट में था। पेट में दर्द। गुदापीड़ा.. पेट की गड़बड़ी। स्वास्थ्य के लिये चिन्ता सभी साहित्यिक कार्य अधूरे। श०

* * *

तरकारी.. १ रु० ४ आने। सायंकाल दूध. २ रु० ४ आने. आवला ८० पैसे। टमाटर १५ पैसे। क्षौर कराया। १.५० पैसे दिया. जगलाल को दिया। मिश्रा-समझुता के लोग आये। रामे. या अपराह्न में गये। गोविन्द का इस्तीफा लिया २० बीस रुपये प्राप्त हो गया। रामावतार बा. से ५ किलो चीनी लिया। कार्डवाली रामावतार का. १ रु०. ४ आने। साबुन. २ रुपये. लाइफब्वाय। रामवचन राय जलपान ले आये। कैन्सल. गमछा साफ किया। कल चीनी का दाम १७.५० देना होगा।

श्री रमाशंकर राय. शिक्षक-बहुरा आये थे, वे परकुल की किसी यात्रा पर आये हैं। रामवचनराय एवं उनके संबंधी रात में रहे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज सब्जी १ रु० ४ आने। दही आठ आने। कावतकोती बनी लिया। रमाकांत राय पाकुड़ गये।

सायंकाल मिर्जापुर का एक अहीर साधु-युवक एक लड़के को जो कुआँरा है, बिरंग को जगदेवकृष्ण का पुत्र बताता है - नाम - गौरी शंकर - लेकर आया। उसे चौंसठ्ठी के महंथ विष्णुआश्रम ने भेजा था। लड़का वैराग्य लिये हुए... साधुवेश में जनेऊ कंठ लेकर आया था। मैंने उचित एवं सच्चा कर्तव्य समझा दिया। वह पढ़ने की (संस्कृत) इच्छा रखता था। मैंने कहा कि अपने अभिभावक (गार्जियन) को ले आओ। उसकी स्वीकृति लाओ तभी पढ़ने की व्यवस्था सम्भव है। वह भी साधु बनना नहीं। गृहस्थाश्रम में रहकर। दूध २ रु० ४ आने। रानावल को नाम लेस पैसे। १ रु० ७५ पैसे उदयना राजन को लिफाफा के लिये। आवला ६० पैसे। जरामकुर्ती का कपड़ा ८ रु० ७५ पैसा। दंतमंजन २ रु० २० पैसे।

सायंकाल मठ के पश्चिमी हाते में अमरूद दिवाल के सटे पश्चिमोत्तर कोण में किसी प्रकार भी नींव खोदी जा रही देखा। माथा ठनका। यह भारी आपत्ति है। खोदा हुआ गड्ढा मेरी खिड़की से केवल १ बित्ता फासले पर है। कम से कम ४ फुट छोड़ कर खोदना उचित है। कल इसका पता लगाने के लिये रामधार को हिदायत किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

तरकारी १ रुपया। खोदने वाले के संरक्षक जीव
की रक्षा किया। नाला बैठने वाला है। अबकी बार गंगा
शान्त बना। प्रातः आचार्य जी इमरती लिये थे। भवतारणी
बना; भोजन किया। सायंकाल दूध २ रु०.४ आना। सिंघाड़ा
४५ पैसे। आलू का ६० पैसे। Indian express में J. D. Sethi
का सुन्दर लेखन – Rise and fall of Nehru's Economics
जलपान विश्राम। भजन-चिन्तन।
अर्थाभाव कभी कभी खटकता है। खर्च बहुत होता है।
क्या किया जाय - लाचारी है। आज पांच लिफाफे आये।
कल पं० रामजी कावरण। डा० योगीन्द्रनाथ एवं
श्री कौशल राम। राजेन्द्रानंद। श्री गुलाब बाबी पहलवान
आदि को पत्र लिखना आवश्यक है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार १४ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ३ संवत् २०३८

रा. कार्तिक २३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २९ गते

आज तरकारी १ रु० तेल ५० पैसे। बहुत दिनों के बाद पारसवीर; तिकड़मी धूर्त - विजय बहादुर राय - देवरिया - आये. क्या और कैसे चेहरा दिखाया? साथ में नागप्रवेश राय राज०स० [illegible] भी थे। पिछली मिलन के कार्य की चर्चा की उन्होंने। बड़ा कहने पर मैंने प्रमाण की फोटो कॉपी देकर स्वीकार किया. [illegible] यूनियन बैंक से १०० रुपये निकाल लाया। भीती का बाकी मूल्य १७.५० पैसे दिया। दूध २ रु० ४ आने। अखबार ६० पैसे। तीन पत्र लिख छोड़ा। एक पं० शशि नारायण पाण्डेय जी - देवरी कलाँ को - दूसरा गुलाब वर्मा - मयमलपुर - गौतमाल को तीसरा पत्र रा०ज० ओं द्वारा रूपजी को। पचास के कागजात के बारे में। गोपाल अग्र० कर्मचारी आल इण्डिया काशीराज ट्रस्ट सीलनवा मकान के पश्चिम वाले गड़े के विषय में अनुरोध किया तथा कारीगर की गलती दिखाया। उन्होंने कहा कि "इन्तजाम करेगा और मैं बनते समय मजबूत बनवा दूंगा"। डॉ० राजनारायण शर्मा श्री नगरा अयोध्या वैनी - समस्तीपुर का पत्र आया तथा 'उत्तर बिहार' भी प्राप्त मिली जिसमें रूपजी का लेख छपा है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १५ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ४ संवत् २०३८

रा. कार्तिक २४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३० गते

तरकारी १ रु० ५० पैसे। तेल २० पैसे। कुर्ती के कपड़े की सिलाई १ रुपया। प्रातः अचानक डा० ओ० कु० आंजनेय और श्रीरामजी नारायण सहाय आ गये। डा० पुनः कश्यप विजय बहादुर - मुन्ना एवं आभा [illegible] १ कश्यप प्रमाण की 'फोटो स्टेट' प्रतिलिपि लेने नहीं आया। पक्की गोंद मंगाया नहीं आ सका। सर्फ चाक बोर्ड के लिए [illegible] रुपया। दूध ३ रुपये श्रीमती शांता नायक के दिये। अनुपम ६० पैसे। २५ पैसे रामा बता को। सायंकाल आगरा से संपादित श्री [illegible] ब्रह्मचारी जी एक विद्यार्थी सहित आये रहे। उनके फलाहार की व्यवस्था किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार १६ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ५ संवत् २०३८

रा. कार्तिक २५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १ गते

आज प्रातः पुनः डा० 'आंजनेय' एवं श्रीमाशिकान्त [illegible] आये। तरकारी १ कि० ८० पैसे। डा० आंजनेय एवं [illegible] से ब्रह्मचारी जी की बातें होती रहीं। आज [illegible] भोजन बनाया किया। ब्रह्मचारी जी [illegible] में बाहर गये। शाम को लौटे। दूध लिया [illegible]। [illegible] ८० पैसे। तरकारी फलाहार की ७५ पैसे। [illegible] भेजा - श्री डा० भोलानाथ शर्मा आयुर्वेदाचार्य को पत्र लिखकर तैयार किया। मनीआर्डर फार्म भरकर ५५० रुपया रोड़ाही इंजीन को तैयार किया। कल भेजूँगा। आंजनेय जी द्वारा 'फड़के' जी को [illegible] के लिये पत्र लिखा। पं. राधिका शरण पाण्डेय को पत्र लिखा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार १७ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ६ संवत् २०३८

रा. कार्तिक २६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २ गते

२१ आज प्रातः वैद्यजी के यहाँ गये. दवा लिया।
रात में सिर में सहसा विशेष दर्द हो गया था। वस्ती
स्थान में दर्द होता रहता है. इससे भी कष्ट होता है।
नाना रोग उत्पन्न होते हैं. कष्ट देते हैं। स्वास्थ्य गिरते
रहने से कोई कार्य सुव्यवस्थित ढंग से हो नहीं पाता।
आज प्रातः साग मंगवाया. गेहूं पिसवाई १ रुपया।
संत ठंडेश्वर श्री शौनक ब्रह्मचारी जी: सायंकाल यहां से
गोरखपुर गये। उन्हें २८ ता. को कानपुर के लिये प्रस्थान
करने का वचन दिया है, इसलिये देखें वचन की सफलता
स्वास्थ्य की विकृति के कारण रहती है कि नहीं। कार्यक्रम
भंग तो नहीं ही होना चाहिये। वह भी नोटिस में मेरा
नाम छप चुका है। मर्यादा तो बचानी ही है।
आज डा० भागीरथ नाथ वर्मा को पांच सौ दस रुपये
धनादेश द्वारा भेज दिया। १३ तेरह रुपये धनादेश
शुल्क लगा। इस प्रकार ५२३ रुपये उधार खर्च हुए।
१० रुपये वैद्य जी को औषधि दवा के लिये दिया।
दूध २ रु० ४ आने। अखबार ६० पैसे। नमक २० पैसे
रविवार साप्ताहिक दो रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १८ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ७ संवत् २०३८

रा. कार्तिक २७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३ गते

भैरवाष्टमी

प्रातः तबियत ठीक रही। भोजन बनाया किया। तरकारी १ रुपया. तेल २० पैसे. मिर्च २५ पैसे। सायंकाल. स्वामी कुशलानंद का पीरपुर का भेजा पत्र मिला। पत्र उनकी दवा का भोजन रहा। तुरन्त पत्र लिखकर उन्हें औषधि एवं आवश्यक उत्तर निश्चितरूप से भेजने का आग्रह किया। पुनः विचार करके डा० योगीन्द्रनाथ को इस समय लिखकर पत्र लिफाफे में बंद किया। श्री गुलाबचन्दजी को पुनः पत्र लिखकर कानपुर भीमानगर प्रकाश भाई के कारोबार की सूचना भेजा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार १९ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ८ संवत् २०३८

रा. कार्तिक २८, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ४ गते

भैरवाष्टमी

कल ही पं. राधिकाचरण पाण्डेय को पुनः एक पत्र लिखकर तैयार किया। किन्तु लिफाफे के अभाव में नहीं भेज सका। स्वास्थ्य ठीक नहीं है। आज सायंकाल शरीर गर्म रहा। हरारत थी। दिन में रोटी तरकारी बनाकर भोजन बनाने में बहुत कष्ट है। तरकारी १.०४ आने। सायं काल दूध २.०४ और अखबार ६० पैसे। १२ पैसे रिक्शा भाड़ा भी। आज कृष्णानन्द परमहंस - वृंदावन - काशी - पंचवटी - नासिक होते लौटकर स्थान में आये। मेरी इच्छा अब कहीं भ्रमण कर जीवन बिताने की नहीं है। शरीर साथ ही नहीं देता। रोगी हो गया है। सहारा अपना है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः भोजन बना। तरकारी पका० ४० पैसे, अंगा० ५० पै०
दही १ रुपया। भोजन बना कर आयी-आया पर
बाहर बहुत है। अब समर्थ भोजन बनाने आदि देने का
नहीं है। चिन्ता बनी रहती पड़ता है।
आज क्रमः इगले-मकावर- पत्नी: कहीं बाहर जाने की
इच्छा नहीं। कागज जाने की संप्रति मन करने तैया नहीं।
डा० विवेकी राय का पत्र आया: और पोर्ट से कुछ ताजा
सरस्वती का। २८ ता० को अ० भा० भोजपुरी साहित्य-
सम्मेलन की कार्यसमिति की बैठक गाजीपुर में
भोलानाथ- गहमरी के निवास स्थान पर है। उसी दिन प्रो०
व्रजकिशोर के भोजपुरी कहानी संग्रह का विमोचन-
समारोह भी है। डा० विवेकी राय का निमंत्रण है।
देखें पहुँचते हैं कि नहीं। जाने की इच्छा तो है।
दूध २॥०४ आने। आय वार ६० पैसे। १५ पैसे तमाखू।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार २१ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण १० संवत् २०३८

रा. कार्तिक ३०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ६ गते

आज कृष्ण गोपाल आये पर रुपया नहीं मिल सका। कृष्णानंद तो रिक्त ही हैं। कल शायद भोजन आवें। रात में श्री रमाशंकर राय आये प्रधानाध्यापक सादुल्ला के (नागपुर) साथ आये। सत्कार किया। खाना दिया। दूध भी दो रुपये४ आये। कोयला पक्का २० के है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

325 **Sunday the 22nd November 1981.**

रविवार २२ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ११ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. १, शाक १९०३ फ. १३८९ नै. ७ गते

उत्पन्ना ११ सबकी

आज भी लोकांक्ष राय नहीं किन्तु उनके इन्सपेक्टर चले गये। भोजन बना सभी लोगों ने किया। सांयकाल दूध लेकर रुपये मास्टर साहब ने दिये। कल रुपया निकालना होगा। सिर दर्द-हरारत के कारण रहता है अन्य कार्य नहीं कर सकते हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार २३ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण १२ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ८ गते

प्रदोष

आज बैंक से रुपया ५५० निकाला। भोजनालय के तैयार धूप में बैठे थे कि प० बैज[illegible] श्री व्यंकटेश्वर राय रजिस्ट्रार (संगठन) [illegible] आ के केशव स्वामी की [illegible] को पहुंचे। उनके साथ तत्काल पंजाब [illegible] बड़ी दुर्गति से बक्सर [illegible]-आश्रम पर पहुंचे।

केवल कच्चा जल पीकर सो जाना पड़ा। श्री राधाकृष्ण पाण्डेय वकील से भेंट हुई बातें हुईं। जनतंत्र के मंत्रियों का व्यवहार अत्यंत घृणित एवं निंदनीय है। वे लोग जनतंत्र की जड़ खोदते हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २४ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. ३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ९ गते

मासशिवरात्रि व्रत

प्रात: बंबई जनता से काशी के लिये प्रस्थान किया।
बक्सर स्टेशन पर [illegible] का मुंडा पंडित और गाड़ी
के राजनारायण राय के चाचा पंडित और [illegible] किया
के पुत्र [illegible] का फोटो [illegible] पर [illegible]। [illegible]
भी आ जाते थे। काशी उतरकर पंडित [illegible] चौधरी
जी के यहां गये। उनके [illegible] साथ श्री [illegible]
पाण्डेय एवं श्री [illegible] राय [illegible] जी से मिले। [illegible]
[illegible] किया। पं. [illegible] पर [illegible]
[illegible] देखा। उन्होंने पूरी [illegible]
ली। पाड़े जी के [illegible] को १० रुपये [illegible] और
[illegible] नारायण [illegible] को ५० रुपये दिया।
चौधरी जी के यहां [illegible] भोजन किया विश्राम
किया। सायंकाल पता चला कि [illegible] ने [illegible]
देकर [illegible] ले ली। ४.१.८२ को तारीख
पड़ी है। शाम को श्री [illegible] एस. जी. ओ. [illegible]
([illegible]) से भेंट हुई। उनके [illegible] गये उन्होंने
बहुत सत्कार किया। [illegible] हुआ।
[illegible] किया। रिक्शा भाड़ा का [illegible]
[illegible] का ४.५०. आना का। Re [illegible] २.५०.

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रात: स्नान-ध्यान के बाद जलपान करके यहां से
श्री शैलेन्द्र के साथ.. श्रीमान कुँवर रामजी से जाकर मिले
लक्ष्मीनारायण से भी बातें हुईं। जिसके कहने से कितना
कागजपत्र लेकर आना होगा। डा॰ श्री चन्द्रदीप पाण्डेय
से भेंट हुई। बातें हुईं। वे इच्छुक हैं तथा श्रद्धापूर्वक मदद के
लिए तैयार हैं। चौधरी जी के यहां दूध पीना पड़ा।
डा॰ श्याम बिहारी राय - प्राध्यापक इतिहास - ब्रह्मर्षि कॉलेज
आरा से भेंट हुई। वे स्टेशन तक साथ आये। टिकट
कटाया। मैं गाड़ी पकड़कर २ बजे के बाद बक्सर
पहुँचे। टिकट ८.४०. रिक्सा १.५० ५० पैसे।
केला १.५० पैसे।

रविशंकर के यहां भोजन ग्रहण किया। वहीं के
श्री रवीन्द्र कुमार आयुर्वेदाचार्य मिले - वे अब यहीं
आयुर्वेदीय कॉलेज में प्राध्यापक नियुक्त हो गये हैं।
उन्हें आश्रम में जगह देनी होगी। श्री डा॰
विवेकानन्द एवं श्री वीरेन्द्र ब्रह्मचारी जी को पत्र
लिखा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

329 **Thursday the 26th November 1981.**

गुरुवार २६ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष कृष्ण ३० संवत् २०३८

रा. अग्रहा. ५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ११ गते

बक्सर

स्नान-दान की ३०

आज प्रातः दूध १ कि० चीनी ४० पैसे। भाजी की ४० पैसे। रवीन्द्रकुमार-कुमारी आये; उन से भेंट एवं रहने आदि की बातें। दोपहर में रविजयशंकर के यहाँ भोजन। बच्चों को केला १ रुपया। सायंकाल ३ बजे श्री दामोदर रायजी यहां आये। बाजार गया। टोपी लिया १५-५० लेकिन ढीली है। छोटी और कड़ी है। किसी को देना तथा उसके लिये दूसरी लेना होगा। विश्वनाथजी के और राजकिशोर के लेकर गाराजाने: अजमत से बांस प्रयास करने का निश्चय हुआ। श्री दामोदर राय एवं राजकिशोर गाजा जायेंगे। मैं बक्सर चला जाऊँगा। दूध-आटा-मेंटा आदि ७ रुपये। सब तीन रुपये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः ५ बजे बस द्वारा जनवालिया उत्तम पिपरा पहुँचे। साथ में श्री दामोदरनाथ जी बी.के. श्री राजगोविन्द जी केदार पर पहुँचे। कास्त [illegible] किये। स्वयं [illegible], रमेश शर्मा आदि से भेंट हुई। प्रथम कोटि का सत्कार सम्मान हुआ। भोजन विश्राम। रात में इसाकपुर गांव के किसान और अयानुल्ला-खाँ मैनी आन्दोलन के सम्बन्ध में बात हुई। एक. एक कुलाह-शाँति के लिये मन्त्र जाने के सात्विक प्रयत्न की चर्चा चलती रही। विजय तो सदा अपनी ही होती है पर पचड़े और झंझटों से बचने के लिये यह प्रयास है। यदि किसान उनका वापस ले लेते हैं तो झंझट मिटेगी। कानून की सुव्यवस्था के लिये उच्च कार्य किया जा सकेगा। ११.५० पैसा बस का किराया दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शनिवार २८ नवम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल २ संवत् २०३८
रा. अग्रहा. ७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १३ गते

प्रातः लहुरे स्कूल पर पंडुलवा सहसंतों की बस
पकड़ी गयी। बड़ी उन्नति से हुआ पहुँचा गया। वहाँ
प्रातः श्री चन्द्र से बहुत रावल [illegible] का [illegible]
भोग। कुछ पर पयागहुआ। अतः [illegible] से
उनका दामोदर राम के [illegible] पास बैठे रहे।
श्री राजेश्वरी नाम जी छूट गये हैं। वे कालेज [illegible]
लेकिन तब उन्हें [illegible] पर [illegible] दम्पती दोनों
के साथ गार्हस्थ्य में गये। मैं [illegible]
उनका रजिस्ट्री के यहाँ गया। उन्हें [illegible]
पानी लेना [illegible] था। प्रातः [illegible] के
भोजन किया। श्री दामोदर राम के विवाह की
विशेष [illegible] से [illegible] रजिस्ट्री [illegible] किया है
चर्चा किया। [illegible] किया संभवतः [illegible]
[illegible] हो गये हैं। कन्या के
अभिभावक [illegible] से भेंट हुई। [illegible] की
चर्चा हुई। ता. १.२.८२ को तारीख पड़ने की बात
[illegible]। [illegible] वहाँ के श्री [illegible]
[illegible] हरिहर शर्मा शास्त्री [illegible] कॉलेज
के [illegible] के लिये आये [illegible]
[illegible] वे लोग [illegible] दक्षिणा २ रुपये। सैकड़ेला
२.५० रुपये। पेड़ा १.५० रुपये। गाड़ी को [illegible]
[illegible] पड़ा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज प्रातः श्री राजनीतिराय एवं दामोदर रामजी गाजीपुर से होकर लौटे। सभी वृत्तान्त उनके से मिला। श्री राजनारायण राय के लिखा: मौलवी कमला कान्त और कमलालाल के सभी के स्वर! रामवृक्ष राय को ट्रस्टी बनाने पर जोर! मौलवी द्वारा 'त्याग' का उपदेश! 'सन्यासी होकर स्वामी जी क्यों लिपटाये हैं, लड़ रहे हैं, इन्हें त्याग होना चाहिये। विशेषतः कमला और कमला ने इन लोगों से कहा कि हम लोग कचहरी बयान देने नहीं जायेंगे। .... आदि। जो हो ये लोग छूछे हैं। मानवता विहीन और नैतिकता विहीन हैं। और मैं उजियार उजियार में प्रभात से भेंट! उजियार से गाजीपुर दामोदर राय के निवास स्थान पर! भोजन विश्राम - भोलानाथ गहमरी के निवास स्थान पर डा० भ०. भो० सा० स० की कार्यसमिति की बैठक में पहुँचे। अस्त-व्यस्त और बेकार का संगठन भी देखा देखा। श्री पाण्डेय कपिल, 'आंजनेय' और ईश्वर चन्द्र सिन्हा आदि से भेंट। पहले डा० विवेकीराम एवं पं० रामनाथ वर्मा का घर देखा। सायंकाल डा० विवेकीराय के निवास पर प्रो० ब्रजकिशोर जी के कहानी संग्रह पुस्तक 'सात कहानी भोजपुरी के' के विमोचन समारोह में गया साथी के साथ गया। समारोह मेरी अध्यक्षता में बड़े ही सुन्दर ढंग से सम्पन्न हुआ। अक्षयवर दीक्षित आदि ने भाषण क्रम में डा० आंजनेय - कृष्णाकिशोर और उज्ज्वल अतिथि भी ई० च० सिन्हा व मेरी भोजपुरी सेवा की चर्चा की। समारोह पूरा करके ब्रजकिशोर के दामोदर रामजी के मकान पर लौट आये विश्राम किया। आंजनेय जी की ... सम्बन्ध में लिखी हैं मिलीं।

RajGuru Math Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः स्नान करके श्री दामोदर राय के निवास स्थान
गोला घाट, गाजीपुर से खोराशनी आजमगढ़ के लिये
प्रस्थान किया। रोडवेज बस पकड़कर सिधौना [illegible] पहुँचे।
वहां से प्राइवेट बस पकड़कर खोराशनी चले। पर बस
तीन बार तीन स्थानों पर बिगड़ी और अंत में रानीपुर
रुक गयी। पैदल [illegible]। वहां से जीप को दो रुपये देकर
खोराशनी पहुँचे। डेरा बदल चुका है यह बात पीछे
ज्ञात हुआ। डा० यो० प्र० शर्मा व स्वयं [illegible] पहले
भोजन रामजी के यहाँ बना। सायं काल नये डेरे में
पहुँच कर आसन लगाया। बच्चों को देखकर कुछ
शांति मिली संतोष हुआ। अभी तक योगी जी को
भी मैं कपड़े नहीं मिल सके हैं। संभवतः कल
मिलें। मौलवी की पत्नी के व्यवहार [illegible]
कहनी पड़ी। [illegible] में का विवरण [illegible]।
जलपान-विश्राम किया। रोली लक्ष्मी नारायण
को दे डाला। तीनों बच्चों को तीन रुपये
दिया। मार्ग व्यय बस भाड़ा ७ रु० ७५ पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज भी खलिहानी में श्री योगीन्द्रनाथ शर्मा के डेरे पर विश्राम किया। श्री फौजदार राय जी एडवोकेट को पत्र लिखा और डाक में छोड़वाया। भोजन विश्राम किया। अपराह्न में श्री ... सिंह-अनुविकायी भेंट करने आये। समाचार और सत्संग होता रहा। ये बड़े भद्र व्यक्ति हैं। अपने यहाँ ले जाना चाहते थे पर समयाभाव और अस्वस्थता से नहीं गया। उन्होंने १ पाव च्यवनप्राश और ५ रुपये पूजारूप में दिये।. डा० योगेन्द्रनाथ जी काशी में कोई भूमिखण्ड- मानसमंदिर के सामने लेना चाहते हैं। सम्भवतः जनवरी-फरवरी में लिखा पढ़ी हो। यह उत्तम विचार और योजना है। मैं भी इसमें यथाशक्ति सहयोग दूंगा। यामी मौलवी के षड्यंत्र से जान से मुक्ति मिले तब न कोई कार्य किया जाय। उषा के विवाहादि के संबंध में भी विचार विमर्श होता रहा। आजमगढ़ से कम्पाउण्डर . ९. [illegible] के यहाँ से "Illustrated weekly" पत्रिका ले आये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार २ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल ५ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. ११, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १७ गते

डा० मौलीन्द्रजी के साथ मेरा भेजा हुआ रुपया वापस कर
चुके। आज प्रातः स्नान जलपान करके वाराणसी के लिये
प्रस्थान किया। डा० मौलीन्द्र नाथ ने कुछ दवायें
दीं। १ बोतल फास्फोलिन्ट, कुछ सर्वांगपुष्टि वटी-
कुछ सितोपलादि चूर्ण, कुछ पंचसकार चूर्ण आदि।
बच्चों को २.५० दिया। कम्पाउन्डर पाण्डे को १ रुपये दिये।
मोटर भाड़ा ५ रुपये लगे। टिकट भाड़ा २ रु० ४ आने
दूध. अखबार २ रु० . ४ आने। २ बजे काशी आये.
२.३० मि० पर स्थान में पहुँचे। सफाई किया।
बालन लगाया. कोठरी में १.५० धूपबत्ती
लिया २ पैकेट। एक दियासलाई।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार ३ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल ६ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. १२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १८ गते

पञ्चकारम्भ ८।५० से

२२
काशी में । पं. सूर्यनारायण शर्मा का आगमन।
पनासा.. देउरी...रवाईसैन में ब्राह्मण-परिषद के तत्वावधान में विचारगोष्ठियों के आयोजन के लिये याचना के निमित्त।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ४ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल ७ संवत् २०३८
रा. अग्रहा. १३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १९ गते

प्रातः दुग्ध· १.५०· चूड़ा·आदि· २ दाम समर्पण। नाश्ता।
स्टेशन निकलीट। प्रयाग का टिकट। कूली उत [illegible] मिस्टर-
त्रिपाठी। पुनः श्री कौशल्यायनराय के डेरे पर- औषध भेंट-
विश्राम किया- विश्राम।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रात: प्रयाग से भीटा - वहां से खोई - वहाँ से देडी पं.
राधिका रमण पाण्डेय के यहां - वहां स्नान आदि - प्रात: भोजन
सायंकाल खोई - गल्ला व बाकी आदि कम ही आना।
गोष्ठी में सफलता नहीं। रात को भोजन ब्रह्मचारी
के यहाँ। ये सब बड़े पतित और आचार विचार हीन हैं।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रात: खाईं से पैदल चलकर पनासा तक
श्री रविदेवनारायण पाण्डेय के कारण।

रविवार ६ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल ९ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. १५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २१ गते.

प्रात: खाईं से रामसुंदर ब्रह्मचारी और श्री सूर्यनारायण शर्मा के साथ.... ५ मील पैदल चलकर पनासा रविदेवनारायण पाण्डेय के द्वार पर पहुँचे। यथोचित आदर सत्कार एवं सद्व्यवहार मिला। भोजन विश्राम के बाद पनासा प्राथमिक पाठशाला-[illegible] गाँव में है। वहाँ ब्राह्मणपरिषद् के तत्वावधान में विचार गोष्ठी हुई। बहुत कम लोग उपस्थित थे। मेरा और शर्मा जी का व्याख्यान हुआ। कमला प्रसाद पाण्डेय एवं श्री राधिकानारायण पाण्डेय के भाई और रविदेवनारायण जी तथा रामकिशोर पाण्डेय आदि ने अपने विचार [illegible] से [illegible] उलझन [illegible] की आवश्यकता है। रात को भी पनासा में वहीं विश्राम।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार ७ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल १० संवत् २०३८

रा. अग्रहा. १६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २२ गते

पञ्चकान्त ३७।५० पर। मोक्षदा ११ शैवों की

प्रातः पनाला से [illegible] बदहा - ज्योति दोपहर में कथी का सौभाग्य के यहाँ भोजन विश्राम। तीन बजे शाम से छः बजे तक बदहा में सफल किया [illegible]

प्रातः पनाला की बस से हम लोगों के साथ श्री रविशंकर रामन पाण्डेय ने भी प्रयाग की यात्रा की। बाड़ेहि में राजबहादुर के बल पर बस रुकी करके उन्होंने वैदिक और रमारमण पाण्डेय आदि के समक्ष प्राय वैदिक [illegible] की मांग की तथा [illegible] में व्यवस्था करने की याचना की। रमारमण को भी [illegible] उन्होंने भी [illegible] की बातें हुई। उन्होंने राजबहादुर के पत्र की तथा [illegible] की चर्चा की। मैंने उक्त [illegible] को [illegible] बताया और राजबहादुर के पत्र को पढ़ दिया।

ज्योति के [illegible] आदि [illegible] की देखभाल करता हूँ।

बदहा में राजेन्द्र मिश्र के बल पर [illegible] वहीं रात को विश्राम किया गया। ये [illegible] मालवीय इण्टर कॉलेज में पढ़ाता हूँ। ये लोग शिक्षित तथा श्रद्धालु हैं। [illegible] की बातें हुई। रात को [illegible] मिला।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार ८ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल १२ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. १७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २३ गते

मोक्षदा ११ वैष्णवों की

मंगलवार को प्रातः बादशा से [illegible] तक पैदल
आया गया। वहां से टेम्पो से राम प्र० रामपुर में सिटी
बस मिली। उसमें खिरेसा के राजकुमार का लड़का
मिला। बस से उतर कर स्टेशन गये पर पूर्वोत्तर नहीं
मिल सकी। वहां से श्री कैलाशनाथ के घर पर पहुंचे।
वहां अच्छी तरह से सत्कार किया जलपान कराया।
उसके बाद मैं श्रीलोकीवाग गया उदयनारायण त्रिपाठी जी
से मिलकर 'वैरागमग' की चर्चा तथा अन्य साहित्यिक
चर्चाओं में 1 घंटा लगा रहा। फिर गंगाप्रसाद [illegible]
नित्यक्रिया से निवृत्त हो बख्शी खुर्द - दारागंज में श्रीरामनाथ
के डेरे पर पहुंचा। रामचन्द्र से भेंट हुई।
रात में मंजन और लाइफब्वाय साबुन खरीदा 4 रुपये लगे.
सब मिला 2 रुपये। रिक्शा भाड़ा 1.50 रुपये।
रात को कैलाशनाथ ने यहां जलपान [illegible] हुआ।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार ९ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल १३ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. १८, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २४ गते

प्रातः फैजाबाद के डेरे प्रदोष से [illegible] आये [illegible]
स्टेशन पहुँचे। रिक्शा २.५० पैसे। रेल टिकट ५ रुपये।
दो बजे अपराह्न काशी अपना मठ में पहुँचे। रिक्शा २.५०.
लिफाफा-पोस्टकार्ड २ रु० ५५ पैसे। पांच लिफा० ८ पोस्टकार्ड.
अपने मठ पर आकर साग तरकारी १ रु० १० पैसे। कोयला
२ रु० ६० पैसे। रामावतार को ५० पैसे। भोजन बनाकर
किया। दूध २ रु० ०४ आने। [illegible] ६० पैसे।
विश्राम किया। रात में जागरण रहा। श्री [illegible] पांडे.
मधुसूदन आदि के साथ ८.१२ को यहां आये थे। उनकी
चिट्ठी मिली। धनावेश की चिट्ठी(?) मिली। रामविलास(?)
के [illegible] के [illegible] के निमित्त आने की खबर मिली।
सत्यायुर्वेद [illegible] पत्रिका अंक मिला जो [illegible]
वैद्य के नाम आया था। सायंकाल इष्ट उदयमान(?)
किया।

इष्टदेव गुरु [illegible] - [illegible] - [illegible]
गुजरात(?) - [illegible] के साथ आया।
मैंने सत्कार किया। [illegible] यह परीक्षार्थ
आया था। मैं अपना व्यवहार क्यों बिगाड़ूँ?

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

लोटा-भंटा
आज प्रात: वैद्यजी के यहां गये। २० दिनों की दवा लिया। रिक्शा · १ रु० ४ आने। पैदल आये लौटती। तरकारी १ रु० ३० पैसे। दही · ७५ पैसे। चालान लिखा। महामण्डल श्री गुलाब शर्मा एवं श्री रामगणेश पाण्डेय को लिफाफे में। श्री के० सीताराम एवं श्री चन्द्रमणि तिवारी को पोस्टकार्ड। बैंक से ७५ रुपये निकाला। अब २८ रुपये निकाने में शेष हैं।

सायंकाल पसियों के श्री कृष्णगोपाल शर्मा आये। उनसे मधु और गेहूं मंगाया। ७.५० पैसे। रिक्शा · डेढ़ रुपया। दूध २ रु० ४ आने। अखबार ५० पैसे। रामावतार को २० पैसे चाय के लिये।

दिव्यजीवन. प्रथम भाग (अरविंद) - कृष्णगोपाल जी को ले गये। "बसरकेडुमियों की उपटी के" की जिल्द मंगाने को दिया। १ रुपया "जगपती" की पोथी के लिये दिया।

सी. [illegible]-रुइयां और पं. प्रभुनाथ पाण्डेय ज्योतिषी से [illegible] को पत्र लिखा कार्ड का। डा० योगीन्द्र नाथ को वीरेन्द्र-लिफाफे में पत्र लिखा।।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार ११ दिसम्बर सन् १९८१ मार्गशीर्ष शुक्ल १५ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २६ गते

दत्त जयन्ती । व्रत की १५

आज प्रात: चिउरा ७५ पैसे· दूध १.५०· जलपान करके
बक्सर के लिये प्रस्थान। ठाकुर जी के लिये दो रुपये·
धूपबत्ती गुड़। रिक्शा १.५० ४ आने· बस १.५० ४ आने।
रेलगाड़ी ७ रुपये। हिन्दुस्तान होटल के ३.०० २० पैसे। बक्सर
उतरकर· [illegible]· रिक्शा १.०० ७० पैसे। सेव ३ रुपये केला १)
[illegible] बैठे। रविन्दर के यहाँ जलपान। दूध १.५०.
चीनी ५० पैसे। ब्रह्मचारी को पहुँचाया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रातः दुग्ध पान - स्नानादि से निवृत्त। भोजन.
खिचड़ी। कार द्वारा [illegible] उद्गम-पटियाला
प्रस्थान किया। [illegible] श्रद्धांजलि। सायंकाल गुफा पर (कैम्प)
पहुँचे। स्वामी सुगतानन्द सरस्वती से भेंट। गाँव में सेवा.
[illegible] को श्री उमाशंकर शर्मा: देवेन्द्र शर्मा: मार्कण्डेय
शर्मा: नरेन्द्र: [illegible] - [illegible] आदि से भेंट। जलपान
विश्राम। नागा के [illegible] से भेंट। सायं [illegible]
[illegible] को लाभदायक [illegible] स्नान। कपड़ा कम्बल [illegible]।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविवार १३ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण २ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २२, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २८ पवे

वस्त्र प्रक्षालन एवं गेरुए रंगा जाना। कुछ लोगों की
दीक्षा की बात। सुरेन्द्रनाथ शर्मा के यहाँ भिक्षा मिला
सायंकाल नवयुवकमंडली का पुराण प्रवचन।
३१ दिसम्बर की विचारगोष्ठी के लिये सबको चेतावनी
दिया। प्रमोद-विनोद-विवेकानन्द आदि नवयुवकों से सम्पर्क।
दिन में डॉ० ... शर्मा के यहां भिक्षा... [illegible]
भिक्षा व्यवस्था आयी। रात को पुनः समाज का पुराण
एवं प्रवचन आदि। सायंकाल गोरख मत्स्येन्द्रनाथ आदि
जैसे कोई; पुजारी के पिता रघुनन्दन पाण्डे आदि
का साथ। गोरखनाथ पांच रुपये पुजारी को।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आज सत्यनारायण की भौजाई को दीक्षा. पंचाक्षरी मंत्र का उपदेश। सत्यनारायण एवं उनकी पत्नी को दीक्षा द्वादशाक्षर मंत्र का उपदेश। बाद में रामजी के साले और उन्हीं के मामा बैजनाथ राय दुमाव को दीक्षा द्वादशाक्षर मंत्र का उपदेश किया। कुल ६० ३७ पैसे दक्षिणा। कुछ कपड़े। स्त्रियों को अनावश्यक वस्त्रादि न देने की चेतावनी। रामजी के यहां विश्राम. सायंकाल प्रवचन. उपदेश विश्राम। ३१ की गोष्ठी के लिये चर्चा, लोगों को संकेततः दिया गया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding [illegible]-MoE-Grant-2

मंगलवार १५ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण ५ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३० गते

प्रा: जलपान करके पाठशाला पहुँचे। उमेश ने पहुँचाया
गाड़ी से मिली। गंगापार होकर विश्वलीला. शिवानी
जीजी का किशोली। आश्रम पर उतरे। श्याम जीजी दो हमें।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

बुधवार १६ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण ६ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २५, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १ गते

खरमास आरम्भ

प्रातः स्नान जलपान दूध १ कि० ·४ आने। केला दो रुपये।
कचहरी गये · पं · राधा कृष्ण पाण्डेय से मिले।
भोजन किया। अपराह्न ओमितो दामोदर आकर बैठे।
रात को उन्होंने निवास किया। ज्योतिषी जी नहीं आये।
दूध एवं दामोदरराम को भोजन सामग्री · छ रुपये। गाँव की
रिक्शा भाड़ा - दो रुपये। तीन पत्र लिखा कल्पदेव
नारायण राय 'मधुप', रुक्मणी तिवारी: राजनारायण राम
साहुब। मौलवी की याद आने पर आह भरी है। विश्वास-
घात भी किया और उलटे उपदेश देता है। जाओ रे नीच!
तेरा कभी भला नहीं होगा!

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Fund[illegible]-MoE-Grant-2

. गुरुवार १७ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण ७ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. २ गते

आज प्रातः दूध १ किलो २ रु० . दामोदर जी के अध्यात्म
पथ गढ़ गुरु गोप । उनके द्वारा के० टी० राम एवं रामचन्द्र वर्मा
को ३१ की मीटिंग की सूचना।
दस बजे के आसपास सहसा डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा आ पहुँचे
रथिवा के चार जाने पैः खलीहानी लौट रहे थे। उनसे
पता चला कि - मौलवी कम्युनिस्ट - शाही इमाम, लखनऊ
तथा अन्य - रहीम मियाँ [illegible] पर विश्वास न करें कि बयान
नहीं करेंगे। वे लोग बड़े जागरूक हैं। अतः सुरक्षा
सावधान रहना होगा। उन्हें कार्यक्रम के बाबत कमरे की मांग
दिया। वे मंडल से चावल गेहूँ ले जायेंगे।
सायंकाल दूध १० पै० ५० । ५० पैसे की लिफाफा मार्का रुपये
१.५० पैसे। सिर में दर्द। जाड़े से मन भटकता है।
चिकित्सा करा आना पड़ेगा।
गुलाब शर्मा को लिफाफे में पत्र। गंगाप्रसाद और श्रीपति
हरिहर शर्मा को पत्र। राजेन्द्र राम को पत्र। पं०
राधिकाशरण को पत्र लिखवा गौरे द्वारा छोड़वाया।
अखबार १ रु० १० पैसे। जे० एन० पी० अखबार का भुगतान
किया। बच्चों को २५ पैसे दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

शुक्रवार १८ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण ८ संवत् २०३८
रा. अग्रहा. २७, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ३ गते

चेहलुम

प्रातः दूध १कप. १४ आने। गुड्ड ४० पैसे। जलपान करते समय बिट्ठी दाम फूटगया. दूध बहगया. नुकसान हुआ। बर्तन रखा था। लिफाफा मंगाया ४० पैसे. केला व रुपया। सायंकाल दूध चीनी २ रुपये। मासपत्ती ३५ पैसे। श्री राजेन्द्र शर्मा बेगम को पत्र लिखा - लिफाफे में। प्रयाग पञ्चांग के निमित्त। एवं टीका श्री पुजारी के संबन्ध में।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Fu[illegible]-MoE-Grant-2

शनिवार १९ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण ९ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. २८, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ४ गते

२३ प्रातः दूध ७.५०. गुड़ ५० पैसे। रवीन्द्रनाथ के प्रपौत्र आये
और मिले। यदुनाथ पाण्डेय ओ० रामचन्द्र एवं
छोटेलाल निषाद को पत्र लिखा। सायंकाल दूध भी ली
दो रुपये। पर सायंकाल तबियत खराब होने से दूध नहीं
लिया। सो गये। अब प्रातः काशी चलेंगे. दवा लेंगे.
डा० योगी कृष्ण शर्मा से बातें करेंगे. मिलेंगे। खेत आदि
खरीदवायेंगे और वृन्दावन को वापस लौटेंगे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रात: बड़े कुएँ से ठंढ में उठना स्टेशन पहुँचने पर
बनारस एक्सप्रेस छूट गयी। शटल से आना थी। ५.६०.
रेलभाड़ा। रिक्शा २.५०। तरकारी १.५०। गुड़ २५ पैसा
चपरासी में आँवला १ रु० २० पैसे। का थी आँवला ७० पैसे।
दूध २ रु० ४ आने।

डा० योगीन्द्रनाथ कहार गायब। किसी प्रकार
भोजन बना कर खाया... शाम को चाभी के अभाव में
ताला तोड़ना पड़ा। बढुआ के श्री राधाप्रसाद शर्मा
अस्वस्थ होकर आये हैं... साथ में भगवती प्रसाद शर्मा
एवं संजय आदि हैं।

मुकेश राव। व्यवस्थापक। विज्ञापनविभाग - "जनवाती"
आये.. पट्टा - लीज पर उन्होंने प्रेस ले रखा है।
कार्यारम्भ करना चाहते हैं। उन्हें सहयोग देने का
आश्वासन दिया मैंने। "जैहल कऽ सनादि" प्रकाशित
करने की इच्छा प्रकट कर रहे थे। मैंने स्वीकारात्मक
उत्तर दिया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. F[...]S-MoE-Grant-2

सोमवार २१ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण ११ संवत् २०३८

रा. अग्रहा. ३०, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ६ गते

सफला ११ शैवों की

आज बैंक से २१० रुपये निकाला। स्वेटर ८० रुपये का लिया गया; [illegible] ८० का। टोपी १७ रुपये। ताला ३ रुपये का दिया। ३१ रुपये डा० योगीन्द्रनाथ शर्मा की सहायता - उन्होंने १५० रुपये का दो बकस लिया अर्पण किये। आज मंडप से ड्रामों से चावल गायब पाया गया। शंका है कि मिश्रा दाऊ ने शिकार किया हो। दूध तीन रुपये। तरकारी दो रुपये। बाकी का। आज चौधरी राजनारायण शर्मा का दारागंज से पत्र आया है। रामपदा का प्रयाग से आया है कि छोटेलाल ५०० पेशगी मांगता है। १२० रुपये प्रति रावटी - ५०० गज टेर का। ८०० के करीब किराया लगेगा। कैसे होगा? रामपदारथ का पत्र पाकर उस संबंध में पं राधिकाशरण पाण्डेय जी को लिफ़ाफ़े में पत्र लिखा - तथा रामपदारथ को भी उत्तर लिख दिया कि - बाड़ी का व्यवस्था के संबंध में लिखा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

मंगलवार २२ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण १२ संवत् २०३८

रा. पौष १, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ७ गते

सफला ११ वैष्णवों की

प्रातः तरकारी दो रुपैया · कोयला · १·५० · भोजन बना किया
गया। डा० भोलानाथ को १ बोरी गेहूं · १ बोरी चावल · ८ किलो अरहर दाल · दिया। वे लेने भी गये।
बोरा से मिली · दो लोटियां तथा अन्य भी बर्तन भी दे दिया।
अपराह्न · अखबार १·रु० २० पैसे। दूध · २ रु० ४ आने · तरकारी
६५ पैसे। शर्मा जी के लिये भोजन बनवाया।
दिन में खादी की एक धोती · स्वेटर के नीचे की गंजी सीने
के लिये दिया · रामावतार के नाती को। दो रुपया सिलाई
दिया। बिजली बिल ३२ रुपये का आया है, २४·१२· को
दाखिल करना है।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

. CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Fu... -MoE-Grant-2

बुधवार २३ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण १२ संवत् २०३८

रा. पौष २, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ८ गते

प्रदोष

आज प्रात: बक्सर जाने के लिये तैयार हुए। अपने यहाँ दूध जलपान मात्र किया और दो [illegible] अलाइदी लोगों को बाटी जलपान बना कर खिलाने की व्यवस्था कालीपद्री सिरी के उदयनारायण से कहा और उन्होंने यह कार्य पूरा किया। पहले अलाइदी राधाप्रसाद शर्मा [illegible] और उनके चचा या [illegible] के कपिलदेव राय और स्वामी कृष्णानंद परमहंस जो पहले मिलिट्री संन्यासी बन गए - रहे।

बिजली बिल - उदयनारायन को दाखिल करने के लिये कह आया। बेनिया पार्क और रिक्शा १ रु० ४ आने। बस भाड़ा १ रु० ४ आने। रेल भाड़ा ७ रुपये। जंगल [illegible] अजब [illegible]। स्थान पाकर बैठे। बक्सर पहुँचे।

उतरने के समय भारी भीड़ हुई। किसी प्रकार [illegible] उतरे। चढ़ने वाले लोगों की भीड़ ने भारी अत्याचार किया। पागल की तरह घुस पड़े। [illegible] पैर [illegible] चीथड़े दो टूक हो गयी। किसी प्रकार रिक्शे से आश्रम पहुँचे। १ रु० ६० पैसे। कमरा ठहराया। [illegible]। विश्राम किया।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गुरुवार २४ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण १३ संवत् २०३८

रा. पौष ३, शक १९०३ फ. १३८९ ने. ९ गते

मासशिवरात्रि व्रत

प्रातः श्री राधा कृष्ण पाण्डेय एवं श्री बिरंचिनारायण राय
अधिवक्ता श्री बैज में अलोगों के डेरे पर आये थे दोनों
व्यक्ति चाहते थे। कचहरी बंद है। अतः आश्वासन
लौटे। १.५० लेप। रजिस्ट्रार के यहाँ भोजन किया।
प्रातः दूध १.५० । गुड़ ५० पैसे। सायं काल दूध जी की
दो रुपये। मोमबत्ती ५० पैसे। कुल २ रु० ५० पैसे। उस
दिन शिवजी के लिये अखबार २० से २४ तक के
Indian express एवं आज ले आया। पैसे १ जनवरी
को देना होगा।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. F... MoE-Grant-2

शुक्रवार २५ दिसम्बर सन् १९८१ पौष कृष्ण १४ संवत् २०३८

रा. पौष ४, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १० गते

बड़ा दिन

आज प्रातः ट्राय एक्सप्रेस से आरा गये। वरुणदेव को रिक्शा भाड़ा दो रुपये। रेल भाड़ा ५.५०। देवीदयाल चौधरी के डेरे पर पहुँचे। सभी भाइयों और बच्चों से भेंट हुई। पुनः श्री जगदीप पाण्डेयजी वकील के यहाँ गये। अपने केश के संबन्ध में कागज पत्र दिखाया। बिना फिकरी होकर रहा। उन्होंने २ ता. को बुलाया। पुनः चौधरी जी के डेरे पर रहकर भोजन किया। विश्राम के बाद श्री रामसुंदर राय के डेरे पर गये। कागजात दिखाया। चिन्ता की कोई बात नहीं अपना पक्ष सबल है। सायंकाल चौधरीजी से विदा लेकर स्टेशन आये। उनके लड़के ने भारी मदद की। टिकट लेकर गाड़ी में बैठाया। सीट मिली। कंपार्टमेंट था। बिजली गुल थी। आठ बजे बक्सर उतरकर रिक्शा द्वारा आश्रम पर आये। रेलभाड़ा ३.८० १० पैसे। रिक्शा दो रुपये। आरा में वकीलों के यहाँ आने जाने में रिक्शा भाड़ा ५ रुपये।

श्री रामसुंदर रायने कहा कि ८ जनवरी को आप नहीं आवें - किसी कोर्ट मैजिस्ट्रेट का पता लगा लें कि नियुक्ति कब हुई। गुरुदेव की नियुक्ति देखकर तब अपने यहाँ के लोगों को बुलावें।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

श्राद्ध की ३०

आज रविशङ्कर के डेरे पर गये तो वे मेरठ चले गये थे। पुत्रवधू छोटी अस्पताल में आपरेशन भाग पड़ी हैं। रामेश्वर-शिवशंकर-बड़ीगाड़ी बस का योग संभव करने चले गये हैं। दूध-चीनी दोनों बेला ८.५०। सायंकाल गुरु जी के श्री इन्द्रदेव शर्मा आये... कुशल समाचार हुआ। प्रातः वे अपने निवास पर गये। पूर्वाह्न पं. सूर्यनारायण शर्मा आ गये। उनसे समाचार एवं विचार विमर्श हुआ और चले गये। इसके पूर्व कौल में उन्हें सिगरी के पते पर पत्र छोड़ा गया था। आज प्रातः [illegible] हेतु आ जाता.. सिगरी के पं. काशीनाथ पाण्डेय के देहावसान का पता चला। महाविद्यालय एवं विद्यालय इनके कि सिगरी के आधुनिक निर्माताओं में वे अंतिम कड़ी टूट गई। स्वामी सहजानन्द सरस्वती की शिक्षा में पले जिनकी और मर्यादावान पंडित जी [illegible] की पताका थे। वह पताका आज झुक गई। पंडित गया, हाय! सज्जनता और पंडिताई गई। [illegible] ३५ पैसे।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. F... MoE-Grant-2

रविवार २७ दिसम्बर सन् १९८१ पौष शुक्ल १ संवत् २०३८

रा. पौष ६, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १२ गते

आज शिवशंकर के यहां गये तो रजिस्ट्रार साहेब नहीं थे. पर गये थे। भोजन किया.... आश्रम पर आ कर विश्राम किया रिक्शा. ९.५०. दूध-भी ती — दो रुपये। Indian Express पढ़ा..

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सोमवार २८ दिसम्बर सन् १९८१ पौष शुक्ल २ संवत् २०३८

रा. पौष ७, शक १९०३ फ. १३८९ नें. १३ गते

आज कचहरी गये। प्रान्तीय सरकार द्वारा मिलने वाले
१०००रुपये ... के लिये आवेदनपत्र दिया.. कार्यालयीय कार्य
पूरा किया.. पर नाजिर के नहीं रहने से रुपये नहीं
मिले। लौटकर फल लिया. सेव ५.५० . केला १ रुपये.
श्री [illegible] राम के यहां भोजन किया... वशिष्ठ सिंह के मिस्त्री से
सीजागीय. उन्हें. ४ रु ५० पैसे दिया। श्री रघुवीरराय
शर्मा की [illegible] पर रात को ठहरे रहे।

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Fu[illegible]MoE-Grant-2

मंगलवार २९ दिसम्बर सन् १९८१ पौष शुक्ल ३ संवत् २०३८

रा. पौष ८, शक १९०३ फ. १३८९ ने. १४ गते

प्रातः नित्यक्रियानिवृत्त होकर रिक्शा से कमच्छा गये– वहाँ
से नावघाट [illegible] उतरकर वीरपुर गुफा पर ११ बजे दिन
को पहुँच गये। [illegible] मिले। [illegible] मार्कण्डेय के यहाँ
भिक्षा हुई। सायंकाल [illegible], उमाशंकर शर्मा,
[illegible] तथा [illegible] में उनसे आदि [illegible]
[illegible] हो गये।

RajGuru Math, Shivala, Varanasi Collection

Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS MoE Gra

RajGuru Math, Shivala, Vara